



सं. 24/1982

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

मं. 24] नई दिल्ली, शनिवार, जून 12, 1982 (ज्येष्ठ 22, 1904)

No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 12, 1982 (JYAIKSTA 22, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न ही जाती है जिससे कि यह अनेक संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 अप्रैल 1982

सं. प्र. 32014/1/82-प्रगा.० III—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए महर्यं नियुक्त किया जाता है :—

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं. 5/2/82-सं० एस० (i) दिनांक 20 फरवरी, 1982 द्वारा अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त हेतु संघ लोक सेवा आयोग में उसके नामित हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के संबंध में केन्द्रीय मन्त्रिवालय सेवा के निम्नलिखित न्यायी महायोगों को राष्ट्रपति द्वारा 23 फरवरी 1982 के पूर्वान्तर से आगामी आदेशों तक उसी संबंध में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए महर्यं नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	पदोन्नति की अवधि
सर्वश्री		
1	श्री० सी० नाग	8-3-82 से 30-6-82 तक
2	के० जौ० नायर	9-4-82 से 30-6-82 तक
3	प्र० आर० गैहली	13-3-82 से 30-4-82 तक
4	के० पी० भेन	1-4-82 से 16-5-82 तक

दिनांक 19 अप्रैल 1982

सं. प्र. 12025 (II)/3/78 प्रगा.० III—नियुक्ति
मीमन फॉर्मारी प्रतियोगी परीक्षा, 1980 के अधार पर
—, 106 GI/82

(7651)

क्र० सं०	नाम	प्रभुक्ति
सर्वश्री		
1.	विजय भला	—
2	पी० के० कैलाश बाबू	इस समय प्रतिनियुक्ति पर/ प्रोकार्मा पदोन्नति स्वाकृत

2 ये नियुक्तिया दिल्ली उच्च न्यायालय में नियुक्ति सं० छठ्य० पी० सं० 1194/78 के नियंत्र के अधारी होती है।

दिनांक 30 अप्रैल 1982

सं. प्र. 136/प्रगा.० I—केन्द्रीय मन्त्रिवालय सेवा संबंध
के न्यायी अनुभाग अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के

कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न स्तर में नार्यन श्री बी० एम० कुप्रध और श्री पौष्टि द्वारा 30 पर्फै०, 1982 के नियंत्रण गति प्राप्त हो जाने के पश्चात् भेदों से निवृत्त होने के सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

स० प० १०/१०४२-प्रणा०-१—राष्ट्रपति द्वारा श्री ट० एम० कोकिल को जिनकी सघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-२-८२ से तात्काल मास की प्रबधि के लिए अवर सचिव के पद पर पुनर्नियुक्त की गई थी; पुनर्नियुक्त की अवधि समाप्त होने पर 30-३-८२ (अप्र०) से कार्यभार मुक्त किया गया है।

स० प० १३७१-प्रणा०-१—सघ लोक सेवा आयोग के मंत्री में केन्द्रीय सचिवालय प्राणलिपिक भेदों के ग्रेड के स्थायी अधिकारी तथा सघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव श्री बी० वी० मेहरा को राष्ट्रपति द्वारा, 30 अप्र०, 1982 के अपराह्न से निवृत्त आयु प्राप्त हो जाने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 3 मई 1982

स० प० 19013/१/८०-प्रणा०-०—कोयला विभाग में निदेशक के पद पर नियुक्त हेतु उसके अध्यन हो जाने के परिणामस्वरूप भारतीय प्रशासनिक सेवा (प० ब० 1967) के अधिकारी श्री एस० दत्त जो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर थे तथा मप्रति 18-९-८० से अध्ययनार्थी अवकाश पर हैं, की सेवाएँ 3 मई, 1982 के अपराह्न से कोयला विभाग की सौर्ख्य जाती है।

संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उन्हें निर्मुक्ति किए जाने के परिणामस्वरूप श्री एम० इन की स्वीकृति अध्ययनार्थी अवकाश 3 मई, 1982 तक न मिली गयी है।

दिनांक 10 मई 1982

स० प० 32013/४/८२-प्रणा०-१—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के नियन्त्रित ग्रेड I अधिकारीयों तथा स्थानापन्न अवर सचिवों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के मामले निर्दिष्ट अवधि के लिए अधिकारी आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न स्तर से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्र०	अधिकारी का नाम	उप सचिव के पद पर नियुक्ति की अवधि
१.	श्री बी० एम० जैन	28-४-1982 से 26-६-1982 तक
२.	श्री प्र० प० प० कुमारेन्द्र	28-४-1982 से 21-६-1982 तक

स० प० 32013/१/८२-प्रणा०-१—संघ लोक भवा आयोग के मंत्री में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एच० एम० विश्वास को जिन्हे उक्त सेवा के ग्रेड I में नियुक्त हेतु वर्ष 1981 के केंद्रीय मंत्री की सेवा सूची के क्र० स० १२ में सम्मिलित किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा 12-१-1982 से

30-६-८२ तक की अवधि के लिए असत्रा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नदर्श प्रधान पार के म० से० के ग्रेड I में स्थानापन्न स्तर से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

श्री ए० गर्भी

अवर सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

विशेषी मुद्रा विनियमन व्यवित्रियम

नई दिनांक-110003, दिनांक 16 अप्र० 1982

नियुक्ति

स० ए० ११/१/८२—श्री एस० सी० श्रद्धलज्जा, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय (मुख्यालय) को इस निदेशालय के मुख्यालय कार्यालय में दिनांक 22-३-८२ (अप्र०) से अगले ग्राहितों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न स्तर से नियुक्त किया जाता है।

डॉ० ली० मण्डल,
विशेष निदेशक, प्रवर्तन

गृह संचालन

कार्मिक एवं प्रशासनिक मुद्रार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिनांक, दिनांक 17 मई 1982

स० प० 19019/१/८२-प्रणा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जी० रामचन्द्रन, भारतीय पुलिस सेवा (गुजरात, 1955) को दिनांक 12 मई, 1982 के पूर्वाल्प से अगले आदेश तक के लिए सदृक्त निवेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानियीकार, विशेष पुलिस स्थापना के स्तर में नियुक्त किये जाते हैं।

श्री ए० एस० नागपाल,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिनांक-110022, दिनांक 17 मई 1982

स० डॉ० एफ०-१६/८१-स्थापना—श्री ज० चौधरी, सहायक पुलिस अधिकारी, केंद्रीय पुलिस बल की सेवाएँ 6-५-1982 अपराह्न से नागार्जुन बेसिम पर सौर्ख्य जाती है।

दिनांक 19 मई 1982

स० ओ० दो० 1609/८१-स्थापना—महानिवेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में डाक्टर (कुमारी) जी० चेल्लाकम्बु की 4-५-1982 के पूर्वाल्प में केवल तीन माह के लिए अधिका उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस लागीख

नक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तब्दील रूप से नियुक्त किया है।

ए० के० सूरेश
सहायक निदेशक
(स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय
(केन्द्रीय औद्योगिक मुरक्खा बल)

नई दिल्ली-110003, दिनांक : 17 मई, 1982

मं० ई०-32015(2)/2/81-कामिक—गष्टपति, श्री दलजीत सिंह को 24 मार्च, 1982 के पूर्वान्त से पुनर्नियुक्त आधार पर, के० श्री० सु० ब० यूनिट, बौ० ए० ब० है० प० हैदराबाद में कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सुरेश नाथ
महानिदेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 मई 1982

मं० 11/37/80-प्रशा०-१—गष्टपति, निम्नलिखित अन्वेषकों को उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में तारीख 31 मई, 1982 तक की ओर प्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी प्रवधि पहले हो, विद्यमान घरों पर पूर्णतः अस्थाई रूप से तब्दील आधार पर पदोन्नति द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर महर्य नियुक्त करते हैं—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	जिस कार्यालय में कार्यरत हैं
1	2	3
1.	श्री के० ए० रावत	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली।
2.	श्री ए० तेज किशोर सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, मेघालय, शिलाग।
3.	श्री ए० ए० बाहरी	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली।
4.	श्री ए० ए० सरकार	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।
5.	श्री शमशेर सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, राजस्थान, जयपुर।
6.	श्री चौ० पूरुषनन्द शाव	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आनंद प्रदेश, हैदराबाद।
7.	श्री के० के० प्रसाद राजप	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, महाराष्ट्र, बम्बई।

1	2	3
8.	श्री ए० ए० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, मध्य प्रदेश, भोपाल।
9.	श्री के० आ० नरेशन	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, कर्णाटक, बंगलौर।
10.	श्री ए० ए० मैणा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटना।
11.	श्री ए० सी० रेड्डी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आनंद प्रदेश, हैदराबाद।
12.	श्री के० के० गर्मा०	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आनंद प्रदेश, हैदराबाद।
13.	श्री ए० ए० निष्ठेत	जनगणना वार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटना।
14.	श्री निर्मल छृ. चार्य	जनगणना वार्य निदेशक का कार्यालय, असम, गोहाटी।
15.	श्री ए० ए० प० ज्ञाला०	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, गुजरात, अहमदाबाद।
16.	श्री जे० सी० दत्त	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, नागालैण्ड, कोहिमा।
17.	श्री पी० के० रोत	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उडीसा, भुवनेश्वर।
18.	श्री डी० के० चौधरी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, त्रिपुरा, अगरतला।
19.	श्री आ० ए० सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
20.	श्री जी० ए० गिल	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पंजाब, चंडीगढ़।
21.	श्री लखन मिह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
22.	श्री ए० ए० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, दिल्ली, दिल्ली।
23.	श्री जे० थोमस (मकाडे)	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, नमिनाडु, मद्रास।
24.	श्री सी० ए० शर्मा०	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, हिमाचल प्रदेश, शिमला।

1	2	3
25.	श्री एस० पी० देसाई	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, गोवा, दमन, और द्वीप, पणजी।
26.	श्री एस० एस० रामचन्द्रन	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, कर्नाटक, बंगलौर।

2. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्तियां सम्बन्धित अधिकारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवाएँ उम ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी ममता विना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

पी० षद्मनाभ
भारत के महा पंजीकार

कार्यालय जनगणना निदेशक दिल्ली

प्रादेश

दिल्ली, दिनांक मई 1982

मं० ए० 20031/4/76-ड०० सी० ओ०—यत श्री शम सुन्दर, सगणक (कार्यकारी सांख्यिकीय सहायक तदर्थ आधार-पर) कार्यालय जनगणना परिवालन दिल्ली, दिनांक 30-4-1980 से लगातार बिना किसी सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के इयटी से अनुपस्थित रहे।

और यत: उनकी इयटी में लगातार अनुपस्थित घोर कदाचार है जिससे कथित श्री शम सुन्दर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की गयी।

और यत: एक अभियांग पद संख्या ए० 20031/4/76-ड०० सी० ओ०/5760 दिनांक 18-19/3-81 अन्ततः उन्हें दिनांक 25-6-1981 को दिया गया।

और यत: कथित श्री शम सुन्दर के विरुद्ध केन्द्रीय सिविल सेवा/वर्गीकरण नियन्त्रण और अपील नियम 1965 के तहत सक्षम प्राधिकारी के कानूनी आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन करने स्वेच्छा से इयटी से अनुपस्थित रहने के लगाये गये आगोपों को जांच हेतु अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई।

और यत: लगाये गये आगोपों की एक तरफा जांच की गई क्योंकि कथित श्री शम सुन्दर ने केवल दिनांक 23 जून 1981 को एक सुनवाई के अतिरिक्त कार्यवाही में भाग नहीं लिया।

और यत: अधोहस्ताक्षरी ने जांच प्राधिकारी रिकार्ड को दर्ज करते हुए यह स्वीकार किया कि कथित श्री शम सुन्दर के विरुद्ध 30-4-82 से लगाये गये आगोप सांवित हुए।

और यत: अधोहस्ताक्षरी ने कथित श्री शम सुन्दर सगणक (कार्यकारी सांख्यिकीय सहायक तदर्थ आधार पर) जनगणना परिवालन दिल्ली की सेवाओं को दिनांक 24 मार्च, 1982 में समाप्त कर दिया है।

और यत: कथित श्री शम सुन्दर की सेवा समाप्ति के आदेश प्राप्ति तारीख उनके अन्तिम जारी पर प्रेषित किये गये जो बिना छुड़ाए बाप्स आ गये हैं।

अतः अब अधोहस्ताक्षरी इन परिस्थितियों में इस अधिसूचना के माध्यम से कथित श्री शम सुन्दर की मेवायें 24-3-1982 से समाप्त करने की घोषणा करते हैं।

वी० क० भल्ला

निदेशक जनगणना परिवालन, दिल्ली

श्रम मंत्रालय

श्रम व्यूरो

श्रमला-171004, दिनांक 5 जून 1982

स० 23/3/82-सी०पी०आई०—अप्रैल, 1982 में श्रीद्वैगिक अभियों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मार्च, 1982 के स्तर से 2 अंक बढ़ कर 459(चार सौ उनसठ) रहा। अप्रैल, 1982 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 558(पांच सौ अठावन) आता है।

ए० क० मनहोक्ता

उप निदेशक

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

(वैकिंग प्रभाग)

पुनर्वास वित्त प्रशासन एकक

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई, 1982

स० आर० ए० १०/२(४)/८२-एस्ट—अधीक्षक श्री बी० अहूरा को, जिन्हें कि 31-12-1981 को अधिवर्षता की आयु प्राप्त करने के बाद पुनर्वास वित्त प्रशासन एकक, कलकत्ता में, 1 जनवरी, 1982 से 31 मार्च, 1982 तक की तीन महीने की अवधि के लिए अधीक्षक के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया था, उसी कार्यालय में आगे और एक मास की अवधि के लिये 1 अप्रैल, 1982 से 30 अप्रैल, 1982 तक अधीक्षक के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया।

ए० बालसुशस्त्र्यन

प्रशासन

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग

निदेशक, लेखापरीक्षा का कार्यालय

पू० सी० रिक्वे

गुवाहाटी-781011, दिनांक 5 दिसम्बर, 1981

स० 63—श्री एस० के० भट्टाचार्य जी, इस कार्यालय के एस० आर० ए० एस० सेक्शन अधिकारी को, जो बहरहाल सेन्ट्रल इन्डियन वाटर टासपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड, गुवाहाटी में विदेश मेवा पर लेखा अधिकारी के रूप में कार्यरत है, अगले आदेश तक दिनांक 1-7-81 (पूर्वाक्ष) से ठीक नीचे नियम (नेक्स्ट बिलो रूल) के अधीन लेखा परीक्षा अधिकारी के ग्रेड, बेनमान 840-40-1000-इ०बी०-40-1200/-र० में प्रोफोर्मा प्रोन्ट्रिति के लिए स्वीकृत किया गया है।

दिनांक 27 फरवरी, 1982

स० 90—नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के दिनांक 10-11-80 के पार ग० 3456वी० अप्रैल एस०/जी० ई० II/87-77 एवं इस कार्यालय के दिनांक

15-12-80 के स्थायी कार्यालय प्रांदेश मा० 58 के अनुसार लेखा-परीक्षा अधिकारी के एक अस्थायी पद के स्थायी पद में परिवर्तित होने जाने के फलस्वरूप 840-40-1000-द० रो०-40-1200 र० वेतनमान में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी श्री एम० एम० राय को 1-6-1979 में लेखा-परीक्षा अधिकारी मंवर्ग में मूलतः नियुक्त किया जाता है।

दिनांक १ मार्च, १९८२

मं० ७१—एक मौनिक लेखा-परीक्षा अधिकारी श्री एस० एम० गाय २८-२-८२ (अपराह्न) गे अधिवार्यिकी पर मेवा-निवत्त हो गये।

प्र० चन्द्रशेखर
लखा-परीक्षा निदेशक

कार्यालय . निदेशक लेखा परीक्षा , केन्द्रीय राजस्व

ਨਵੀਂ ਫਿਲਾਰੋਮ-2, ਫਿਨਾਕ 21 ਮਈ 1982

स० प्रणासन- /कार्यालय आदेश मरुया 62—निदेशय
लेखा पर क्ष। ने मन् नियम 30(1) के द्वितीय परन्तु के
अधीन आगे आदेशों तक इस कार्यालय के नियन्त्रित
स्थार्यः क्रन्तभाग क्रठिकारियों के उनके समा के आगे दिख ई
गई तारीखों से 840-1200 रु के समय बेतभान में लेखा-
परीक्षा मिधिकारियों के घोड़े में प्राणार्पण पदान्तर्ति कर दी। गई ह—

1	શ્રી પામો એમ૦ લાલ	30-10-81
2	શ્રી પામો વેંટો જોહર.	30-10-81
3.	(અપણાલ)	
4.	શ્રી કે.૦ એ.૭૦ રાણેપુત્ર	30-10-81
5	(અપરાલ)	
1	શ્રી વ૦પ૦ ધીમગરા	30-11-81
5	શ્રી ડેવો વેંટો ચ.ગ	25-2-82
	(અપરાલ)	

मं० प्रश्ना०-१/का०यो० ६४—निवेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजसव पत्रदाता द्वारा योग्यता के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री वा० पन० प्राणा० का योगे आदेशों नकृ दिनों के १५-५-१९८२ के पूर्वान्तर में ४१०-१२०० रु० के बेतनमान में लेखापरीक्षा प्रधिकारी के स्वप्न में स्थानपन्न रूप में कार्य करने के लिए नियकत करते हैं।

ग० प्राप्तिनि-॥१॥ शा० ७०—प्रेमान निरगम, लख-
पर्वता (कन्द्रय गत्य) ३५८८ प्रतिय के प्रकाश चरण
मोचिल स्थायी श्रुतभाग अधिकार, तो म्यानांगन लंघा। तो आ
प्रधिकारों के बतनक्षम ४१०-१२०० रु० मे १७-५-१९८२ के
अपराह्न मे अगले आदेश माने तक नियुक्त रहत है।

ગુજરાત વિદ્યાળી લભાપુરાણ (માનવકાર)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 17 मई, 1982

स० नग०/१११/२/१/पा० सा०-११)---राष्ट्रपति
भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त

मेवा के बिरुद्ध प्रशासनिक ग्रेड (रो 2250-125/2-2500) के स्तर-है में स्थानापन्न स्पृं में कार्य करने हेतु छ: माहू की अवधि अथवा नियमित प्रबंध हो जाने तक के लिए, इन में जो भी पहले हो, उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से, तदर्थ्य आधार पर, महर्य नियन्त करते हैं—

(1) श्री के० मुन्दराराजन 28-02-82 (पूर्वान्ति)
 (2) श्री सजीव मखर्जी 29-04-82 (पूर्वान्ति)

मं० प्रश्ना०/1/1183/1/I—इस विभाग की अधिसूचना
 मं० प्रश्ना०/1/1403/4/11, दिनांक 12 मार्च, 1982 तथा
 23 अप्रैल, 1982 के संदर्भ में राष्ट्रपति, निम्नलिखित स्थाई
 लेखा अधिकारियों को भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित
 मर्वंग के कनिष्ठ ममय मान (रुपये 700-1300) में स्थानापन्त
 व्यप में तदर्थ आधार पर प्रत्येक के मामने लिखी और ग्रामे की
 अवधि के लिये कार्य करने की सहर्ष अनमति देते हैं :—

अमांक	नाम	किस तारीख तक बढ़ोसरी की अनुमति दी गई
सर्वं श्रीं .		
1. प०० वनर्जी	.	25-05-82
2. श्रोम प्रकाश	.	28-02-82
3. पर्विल चटर्जी	.	25-05-82
4. पी० प८० बालानुब्रामाण्यन	.	30-06-82
5. जे० एन० अग्रबाल	.	27-05-82
6. अमर नाथ गुप्ता	.	31-05-82
7. पी० प८० स्वामी नाथन	.	28-06-82
8. डी० कुण्णामूर्ति	.	12-07-82
9. प८० भागीरथन	.	27-05-82
10. आर० एन० महेशल	.	11-07-82
11. जगदीश मिह	.	28-05-82
12. लच्छा मिह	.	28-05-82
13. लछान दाम गर्भाइ	.	27-05-82
14. मन माहन मिह	.	04-06-82
15. गी० आर० भजूमदार	.	27-08-82
16. जे० प८० एन० गभी	.	30-06-82
17. यवेन्द्र देव	.	13-08-82
18. वी० नरायण गव	.	31-05-82
19. के० प८० माकिन	.	27-09-82
20. मी० सूयंतारायण	.	20-09-82
21. ए० जानकीरमन	.	02-08-82
22. पी० के० सहगन	.	16-08-82
23. वी० समाध	.	19-08-82
24. डी० के० कर	.	03-08-82

ग्रार० के० माथुर
रक्खा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

नई दिल्ली, विनांक 22 मई 1982

सं० प्रशा०/11/2606/82-1—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने वर्णीय गई तारीख के अपराह्न से पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया :—

क्रम सं०	नाम, रोमटर सं० सहित	ग्रेड	तारीख जिस से पेशन स्थापना को अन्तरित किया गया	संगठन
1	2	3	4	5
सर्व श्री :				
1.	जगदेव, ओ०/अभी नियत नहीं	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-8-81	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
2.	प्राई० आर० जड़के, ओ०/45	"	30-11-81	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य के मेरठ।
3.	आर० के० शर्मा, पी०/251	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-81	यथोपरि
4.	एच० सी० बावा, पी०/286	"	31-1-82	यथोपरि
5.	टी० एन० खन्ना, ओ०/अभी नियत नहीं	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-82	यथोपरि
6.	सोम नाथ सप्तू पी०/136	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (वायुसेना) देहरादून।
7.	वासुदेव, पी०/583	"	31-1-82	यथोपरि
8.	अमल कुमार मित्रा पी०/74	"	31-1-82	लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
9.	बी० एम० अंगले, पी०/472	"	31-1-82	यथोपरि
10.	सुकृत भट्टाचार्य, ओ०/23	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-82	यथोपरि
11.	बी० एम० सरकार, पी०/525	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।
12.	एस० बी० एस० औहान, पी०/561	"	31-1-82	यथोपरि
13.	जी० एम० नन्दार्जिकर, पी०/232	"	31-1-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पुना।
14.	बी० कृष्णमूर्ति, ओ०/अभी नियत नहीं	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पुना।
15.	ए० एस० भाटिया, पी०/298	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (वायुसेना) देहरादून।
16.	आई० जे० भाटिया, पी०/547	"	28-2-82	यथोपरि
17.	पी० आर० लाटा, ओ०/150	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अन्य रैक), उत्तर मेरठ।
18.	टी० बी० गाधाकृष्णन, ओ०/44	"	28-2-82	यथोपरि
19.	बनारसी लाल शर्मा पी०/356	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-82	लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
20.	विश्वनाथ बैनर्जी, ओ०/101	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-82	यथोपरि
21.	मोहन सिंह, ओ०/141	"	31-3-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पश्चिमी कमान) मरठ।
22.	बी० कृष्णमूर्ति, पी०/238	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-82	लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
23.	ए० आर० चन्द्रशेखर राजू, पी०/40	"	31-3-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अन्य रैक) दक्षिण, भ्रातृता।

1	2	3	4	5
सर्वे श्री :				
24.	टी० के० श्रूषूट, श्रो०/359	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (श्रफसर), पुना।
25.	आर० जी० जोशी श्रो०/अभी नियत नहीं	"	31-3-82	यथोपरि
26.	टी० पी० नन्दा, पी०/302	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पेण्णन), द्वाहाबाद।
27.	टी० आर० नीलकंठन, श्रो०/अभी नियत नहीं ।	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-82	यथोपरि
28.	के० टी० रामानुजाचारी, पी०/452	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-82	यथोपरि
29.	आर० स्वामी नाथन, पी०/253	यथोपरि	31-3-82	यथोपरि
30.	श्रो० पी० मल्होत्रा, श्रो०/187	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।
31.	एन० मी० जैन, श्रो०/अभी नियत नहीं	"	31-3-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।
32.	आर० एन० गुप्ता, पी०/247	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-82	यथोपरि
33.	ब्रह्मदत्त, पी०/366	"	31-3-82	यथोपरि
34.	एस० एल० भिक्षु, पी०/295	"	31-1-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
35.	आर० सी० मेहता, पी०/434	"	28-2-82	यथोपरि
36.	एस० श्राव० गुलाटी, पी०/311	"	31-1-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, उत्तरी कमान, जम्मू।
37.	एस० एन० शर्मा, श्रो०/19	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-82	यथोपरि
38.	सोहन लाल, पी०/289	"	7-1-82	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, (स्वैच्छिक सेवा- निवृत्ति)
39.	बी० बी० अरोले, श्रो०/12	"	26-2-82 (स्वैच्छिक सेवा- निवृत्ति)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता

रक्षा लेखा महानियन्त्रक, निम्नलिखित लेखा अधिकारी की मृत्यु खेद के माथ अधिसूचित करते हैं :—

क्रम सं०	नाम, रोस्टर मं० सहित	ग्रेड	मृत्यु की तारीख	विभाग के मंलया- बल से हटाने की तारीख	संगठन
1.	श्री ए० दत्त गुप्ता, श्रो०/अभी नियत नहीं	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	2-12-81	3-12-81	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (श्रव्य रैक) उत्तर मेरठ।

ए० के० घोष,
रक्षा लेखा उप महानियन्त्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय
भारतीय ग्राहनेस्स फैक्टरिया सेवा
आईनीस फैक्टरी बोर्ड
कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982
सं० 24/82/जी०—श्री एम० आर० कुरे, मौलिक एवं
स्थायी महायक प्रबन्धक दिनांक 30 मई, 1974 (पूर्वान्त्र)

मेरठ अलुमिनियम कम्पनी लिमिटेड मेरठ से समावेशन
के फलस्वरूप उसी तारीख मेरठ से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता
सहायक महानियन्त्रक, आईनीस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1982
आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं. 6/1057/74-प्रशासन 'राज'/31574—मंत्रा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री परम् के० मंडल, नियंत्रक, आयात-निर्यात को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय कलकत्ता में 31 मार्च, 1982 के अपग्रह से सरकारी सेवा में निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

सं. 1/2/81-प्रशासन (राज)-3165—राष्ट्रपति, श्री दलीप चन्द्र (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 1 की प्रवरण मूल्य 1980) को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 1 में और उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में 1 जून वर्गी, 1982 में तीन मास का अवधि के लिए स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

जे० के० माधुर
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

उद्योग मंत्रालय

ओद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 मई 1982

सं. परा०-19018(337)/78-प्रशासन (राज०)—विकास आयुक्त, विकास आयुक्त (ल० उ०) का कार्यालय, नई दिल्ली में हिन्दी अनुबादक श्री डारका प्रसाद पोपली को दिनांक 26 अप्रैल, 1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर महायश संपादक (हिन्दी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 मई 1982

सं. परा०-19018(552)/82-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, डा० पी० जी० अदसुले को दिनांक 19 अप्रैल, 1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप निदेशक (ब्राह्मण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. परा०-19018 (564)/81-प्रशासन (राज्यवाचन)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के लघु उद्योग संबंधी अधिकारी (चर्म/पादुका) श्री पार्थी नय को दिनांक 7 अप्रैल, 1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (चर्म/पादुका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. परा०-19018 (567)/81-प्रशासन (गत्यवित्)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के लघु उद्योग संबंधी

अधिकारी (चर्म/पादुका) श्री केवल राम भावन को दिनांक 3 अप्रैल, 1982 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर महायश निदेशक, ग्रेड-I में (चर्म/पादुका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 मई 1982

सं. परा०-19018(220)/75-प्रशासन (गत्यवित्)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदरगढ़ाद है: प्रधान विस्तार केन्द्र, पपन्नेदुपेट के महायक निदेशक, ग्रेड-I (कांच/मूल्यांक) श्री सी० च० सुब्रामणियन को दिनांक 17-12-81 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मोलन में तदर्थ आधार पर उपनिदेशक (कांच/मूल्यांक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० च० राय,
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान मंहानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

सं. प्रा०/1(1045) महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एवं द्वारा दिनांक 1-5-1982 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक श्री रामकिशन, अवर प्रगति अधिकारी को महानिदेशालय, पूर्ति तथा निपटान नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करने हैं।

2 महायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में श्री रामकिशन की तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं होगा और को गई तदर्थ संवा उम ग्रेड में वरीयता व पदोन्नति और स्थायीकरण की प्राप्ति के लिये नहीं गिनी जायेगी।

न० म० पेरुमाल
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

सं. प्रा०-1/1(838)—राष्ट्रपति, उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा समूह ए० के० ग्रेड II) श्री गिरधारी लाल को दिनांक 12-4-82 के पूर्वाह्न में और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा समूह ए० के० ग्रेड I) के रूप में स्थानापन्थ रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री गिरधारी लाल ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 31-3-82 (प्रगति) को उप निदेशक पूर्ति का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 12-4-82 के पूर्वाह्न में पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, मद्रास में निदेशक पूर्ति का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 14 मई 1982

सं. प्रा०-1/1(739)—राष्ट्रपति, मतायक निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा समूह "ए" ग्रेड III) श्री एन० गी०

विधावन को दिनांक 24-4-82 के पूर्वाह्नि से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, समूह "ए" के ग्रेड II) के रूप में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री एल० सी० विधावन ने महायक निदेशक पूर्ति का पद भार छोड़ दिया और दिनांक 24-4-82 के पूर्वाह्नि से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 21 मई 1982

सं० प्र०-१/१(1052)—गार्डपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में अवृद्धी आर० के० रामनाथ वरिष्ठ अन्वेषक और जै० के० मल्होदा लहायक ग्रोग्यागर के 12-4-82 के पूर्वाह्नि से 3 मास के लिए ग्रथबा नीधे भर्ती किये जये अथवा नियमित पदोन्नति के लिये अधिकारियों के उपलब्ध होने तक जो भी पहले हो इस महानिदेशालय में भारतीय साखियकी सेवा के ग्रेड 4 में शामिल सहायक निदेशक (साखियक) (ग्रेड I) (वेतनमान रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

गोहन नाल कार्,
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन भनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

सं० प्र०-६/२४७(२०६)—स्थाई महायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) तथा निरोक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) भारतीय निरीक्षण सेवा, इन्जी० शास्त्र के ग्रेड (III) श्री एस० आर० चक्रवर्ती निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 30 अप्रैल, 1982 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

न० म० पेरुमाल,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात एवं खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लौह एवं इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-२०, दिनांक 12 मई 1982

सं० ई० I-12(42)/82 ()—वार्षिक फी श्रवस्था प्राप्त करने पर श्री एस० सी० सरकार, महायक लौह एवं इस्पात नियंत्रण 30-4-82 (अपग्रेड) से कार्यमुक्त हुए।

एस० एन० विष्वास
संयुक्त लौह एवं इस्पात नियंत्रण

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-७०००१६, दिनांक मई 1982

सं० ३६०६ बी०/८०-३२०१३(४-फ़िलर)/७८/१९ बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (इन्जीनियर) श्री एस० के० राम चौधुरी को फ़िलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक गवेषण में जेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 14 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्नि से, पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

जै० स्वामी नाथ
महानिदेशक।

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 17 मई 1982

मं० ए०-१९०११(३५)/७५-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की मिफारिश पर राष्ट्रपति, डा० जै० जी० के० गृहि, अधीक्षक धातु कर्मी (तवर्ध) को स्थानापन्नरूप में नियमित आधार पर अधीक्षक धातु कर्मी के पद पर भारतीय खान व्यूरो में दिनांक 4 जनवरी, 1982 के पूर्वाह्नि से अगले अदेश तक महर्ष पदोन्नति प्रदान करते हैं।

व० च० मिश्र
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 12 मई 1982

सं० स्था० I-५८१२/पी० एफ० (बी० के० शर्मा)—श्री बी० के० शर्मा, जिन्हे इस कार्यालय की अधिसूचना म० स्था J-३७३५/५७९-सेल-६८ (क्लास II) दिनांक 13 जनवरी, 1969 में भारतीय सर्वेक्षण विभाग क्लास II-(अब ग्रृप 'बी') सेवा में अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर नियुक्त किया गया था, द्वारा दिया गया इस्तीफा 16 अप्रैल, 1974 (पूर्वाह्नि) से तत्कालीन महासर्वेक्षक, डा० हरि नारायण द्वारा स्वीकृत किया गया था।

दिनांक 14 मई 1982

सं० ई० I-५८१३/५९४-डैनेजर—श्री अमित कुमार दास, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में मामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रृप "बी" (गजपत्रिन) के अधीन सहायक प्रबन्धक (मानचित्र पुनर्ताप्ति) के अस्थाई पद पर स्थानापन्न रूप में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो०-४०-१२००-रु० के मध्येभिन्न वेतनमान में दिनांक 21 अप्रैल, 1982 पूर्वाह्नि

से नियुक्त किए जाते हैं, इनका वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जाएगा।

जी० सी० अग्रवाल,
मेजर जनरल
भारत के महामंत्रीक

आकाशवाणी महानिवेशानय

नई दिल्ली, दिनांक 1982

सं० ९/९-८२ एस० २—महानिवेशक, आकाशवाणी, एग्ज़ाग्रा शी टी० आर० गोपाल कृष्णन बरिष्ठ आशुलिपिक, गभावार नेवा प्रभाग आकाशवाणी, नई दिल्ली को दिनांक १६-३-८२ (पूर्वाह्नि) अ रिपोर्टर (मानिटरिंग) समाचार सेवा प्रभाग, नई दिल्ली के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 मई 1982

मा० ३०/१/८१-एस०-२—महानिवेशक आकाशवाणी एग्ज़ाग्रा निम्नलिखित अधिकारियों को १७-९-१९८१ से आकाशवाणी दे विस्तार अधिकारी के संबंध में स्थाई क्षमता (सबस्टेन्ड ऑफिसर) में नियुक्त करते हैं:—

श्रम	नाम वर्तमान पदनाम	पुष्ट होने पर किस केन्द्र/ कार्यालय पर पुनर्ग्रहण- धिकार रखा गया है
स०	और तैनाती का स्थान	

1	2	3
१.	श्री चरण जीत सिंह, आकाशवाणी, जालंधर	आकाशवाणी, जालंधर
२.	श्री एम० के० भूषुर, आकाशवाणी, भोपाल	आकाशवाणी, भोपाल
३.	कुमार० जी० आर० बला, आकाशवाणी, अहमदाबाद	आकाशवाणी, अहमदाबाद
४.	श्री बी० ढी० एन० श्रीवास्तव, आकाशवाणी, लखनऊ	आकाशवाणी, लखनऊ
५.	श्री बी० ए० सादी, आकाशवाणी, बम्बई	आकाशवाणी, बम्बई
६.	श्री एम० एम० जेड फाल्करी, आकाशवाणी, हलाहालाबाद	आकाशवाणी, हलाहालाबाद
७.	श्री ए० के० विष्वास, आकाशवाणी, कलकत्ता	आकाशवाणी, कलकत्ता
८.	श्री एम० डी० ल्यारी, आकाशवाणी, शिमला	आकाशवाणी, शिमला
९.	श्री बं० एन० शर्मा, आकाशवाणी, गोहाटी	आकाशवाणी, गोहाटी
१०.	श्री आर० एन० मार्क्स; आकाशवाणी, रोची	आकाशवाणी, रोची
११.	श्री मुनीकुम्हण्डा, आकाशवाणी, बंगलौर	आकाशवाणी, बंगलौर

१	२	३
१२.	श्री पी० जे० जोसफ आकाशवाणी, निवेन्द्रम	आकाशवाणी, निवेन्द्रम
१३.	श्री जी० ए० वर्मा, आकाशवाणी, रामपुर	आकाशवाणी, रामपुर
१४.	श्रीमती ग्रेसा थामस, आकाशवाणी, मद्रास	आकाशवाणी, मद्रास
१५.	श्री वाई० बी० घार्डे, आकाशवाणी, नागपुर	आकाशवाणी, नागपुर
१६.	श्री एम० अरुणाचलम, आकाशवाणी, हैदराबाद	आकाशवाणी, हैदराबाद

एस० बी० सेथाहि,
प्रशासन उप निवेशक
कृते महानिवेशक

(सिविल निर्माण स्कन्ध)

नई दिल्ली दिनांक 14 मई 1982

सं० ए०-१२०११/१/८१-सी० इ०८००-१—महानिवेशक, आकाशवाणी, श्री ए० आंदीस्वर्ण को सिविल निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी बम्बई में, सहायक कार्य सर्वेक्षक (सिविल) के रूप में स्थानापन्न पद क्षमता में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-००-००-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रूपए के वेतन-मान में ८-४-८-२ (अपराह्नि) से नियुक्त करते हैं।

श्री आंदीस्वर्ण की नियुक्ति, उन्हें पहले से ही जारी नियुक्ति प्रस्ताव में निहित शर्तों के अन्तर्गत नियंत्रित होगी।

ए० ई० के० मुवालियर
प्रतिदिक्षित मुख्य हंजीनियर (सिविल) के हंजीनियरी
अधिकारी,
कृते, महानिवेशक

सूचना और प्रसार मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-४०००२६, दिनांक 28 अप्रैल 1982

शुद्धि पत्र

सं० ए०-२४०१३/६/८०-ई०-(I)—इस कार्यालय की दिनांक २३-१०-१९८१ की अधिसूचना सं० वही जिसमें श्री एस० ए० नायक को शास्त्रा प्रबन्धक का कार्यभार भीपा गया था, उसमें आंशिक संशोधन होने पर कृपया दिनांक २३-१०-१९८१ के स्थान पर दिनांक ३०-१०-१९८१ पढ़ा जाए।

दिनांक 15 मई 1982

सं० ए०-१९०१२/१/८२-ई०-(I)—मुख्य निर्माणा, फिल्म प्रभाग एस्टेट्वारा श्री बेजनाथ, स्थानापन्न, सहायक कैमरामैन, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को संबंध लोक सेवा आयोग की सिफारिश

पर दिनांक 25 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से आगे आदेश जारी होने तक कैमरामैन के पद पर उसी कायासिय में नियुक्त करता है।

दिनांक 20 मई 1982

सं० ए०-२४०१३/६/७८-ई०-१—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, एतव्वारा श्री के० के० गुप्ता, स्थानापन्न अधीक्षक, फिल्म प्रभाग, बम्बई को, श्री ए० ए० शर्मा, प्रशासकीय अधिकारी को छुट्टियां बढ़ाने की मंजूरी दी जाने की बजह से उनके स्थान की रिक्ति के त्रम में दिनांक 19 मई, 1982 के पूर्वाह्न से ८० ८४०-४०-१०००-द० रो० -४०-१२०० के बेतनमान पर सहायक प्रशासकीय अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

एस० के० राय
प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1982

सं० ए०-१९०२०/३६/८१-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन दन्त सर्जन डा० ए० के० आलोक का 19 नवम्बर, 1981 के अपराह्न से स्थायगपत्र मंजूर कर दिया है।

दिनांक 17 मई 1982

सं० ए०-३८०१२/३/८१-(एच० क्य०) प्रशासन-I—सेवा निवृत्त आयु के हो जाने पर इस निदेशालय में वरिष्ठ वास्तुविद श्री डी० आर० शर्मा 28 फरवरी, 1982 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 21 मई 1982

सं० ए०-३२०१४/५/८१-(ए० आई० आई० पी० एम० आर०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने अधिक्षिल मारतीय भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास संस्थान, बम्बई के कार्यालया प्रबन्धक श्री ए० ए० देशपाण्डे को 5 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में प्रोस्थेटिक एण्ड आर्थोटिक बर्क्साप के अधीक्षक के पद पर बिलकुल तदर्थ भाग्धार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-३५०१४/१/८०-(एन० टी० आई०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री टी० नारायण को 23 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर में प्रशासनिक-अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-३५०१४/१/८०-(एन० टी० आई०) प्रशासन-I—अपने मूल कार्यालय में परावर्तन हो जाने के फलस्वरूप श्री वाई० विजया सिंहा ने 23 अप्रैल, 1982 (पूर्वाह्न) से राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर के प्रशासनिक, अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए०-३८०१३/४/८१-(मुख्यालय) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अनुभाग अधिकारी श्री आर० एस० एल० दत्ता चौधरी की सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप वे 28 फरवरी, 1982 से अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

स्प्रिलोक चन्द जैन
उपनिदेशक (प्रशासन)

कृषि मूल्य आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

सं० २-५/७६-प्र० अनुभाग—श्रीमती सुषमा, अनुसंधान अन्वेशक ग्रेड I (अर्थशास्त्री) को 17 मई, 1982 के (मध्याह्न पूर्व) से आगामी आदेशों तक कृषि मूल्य आयोग के हिन्दी अधिकारी के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया जाता है।

आर० एस० हंसरा
प्रशासन अधिकारी

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 20 मई 1982

सं० ए०-१९०२५/४/८२-प्र० त०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुलियों के अनुसार श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा को इस निदेशालय के अधीन नागपुर में दिनांक 24-४-८२ (अपराह्न) से आले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

गोपाल शरण शुक्ल
कृषि विपणन सलाहकार
भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-४०००८५, दिनांक 14 मई 1982

सं० पी० ए०/७६(२)/८० आर० III—परमाणु कर्ज विभाग के विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई से स्थानान्तरित होने पर श्री शिंगोगा रामचन्द्र राव रंगनाथ राव, सहायक सेवा अधिकारी ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में लेखा अधिकारी II का पदभार 10 मई 1982 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

आ० ना० कट्टी
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-४०००८५, दिनांक 19 मई 1982

सं० टी०/६५९/एफ० आर० डी०/स्थापना II—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भा० प० अ० केन्द्र के स्थायी

वैज्ञानिक सहायक 'सी' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री चेनेम्पिल्ली विजयराधवन ड्वारा नीकरी में दिये गये त्वागपत्र को 16 मार्च 1982 अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

राम लाल बत्ता
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निवेशालय

(मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट)

मद्रास-600006, दिनांक 18 मई 1982

सं० एम० आर० पी० यू०/200(9)/82-प्रशासन—क्रय और भंडार निवेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक श्री एन० राजगोपालन् को इसी निवेशालय की मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन क्रम में 17 अप्रैल, 1982 से 22 मई, 1982 (अपराह्न) तक के निए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

सं० एम० आर० पी० यू०/200(15)/82-प्रशासन—क्रय और भंडार निवेशालय के निदेशक ने रथायी भंडारी श्री बी० श्रीपदधाराव को इस निवेशालय की मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार में रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन क्रम में 11 मार्च, 1982 से 28 अप्रैल, 1982 (प्रपराह्न) तक के निए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

एस० रंगावारी
वरिष्ठ क्रय अधिकारी

नाभिकीय ईंधन समिक्षा

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1982

सं० का० प्र० भ० /0704/1167—इस कार्यालय के अधिसूचना ल० का० प्र० भ० /0704/1048, दिनांक 17-4-82 के क्रम में नाभिकीय ईंधन समिक्षा के मुख्य कार्यपालक जी, उच्च श्रेणी लिपिक श्री पी० बेकट राव को नाभिकीय ईंधन समिक्षा में स्थानापन्न रूप में अवकाश रिक्ति पर सहायक कार्यिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर दिनांक 16-5-1982 से 5-6 1982 पर्यन्त या अगले आदेशों पर्यन्त जो भी पूर्ण घटित हो, नियुक्त करते हैं।

सं० का० प्र० भ० /0704/1168—नाभिकीय ईंधन समिक्षा के अधिसूचना कार्यपालक जी, प्रबरण श्रेणी लिपिक श्री पी० राजगोपालन् को नाभिकीय ईंधन समिक्षा में स्थानापन्न रूप में अवकाश रिक्ति पर सहायक कार्यिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर दिनांक 3-5-1982 से 15-5-1982 पर्यन्त

या अगले आदेशों पर्यन्त जो भी पूर्ण घटित हो, नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी
प्रबन्धक
कार्मिक व प्रशासन

तारापुर परमाणु विजलीघर

टीएपीपी, दिनांक 24 अप्रैल 1982

सं० टी० ए० पी० एस०/1/34(1)/76-प्रार० (खंड मात) — मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, तारापुर परमाणु विजलीघर के अधोलिखित पदाधिकारियों को उनके नामों के आगे इंग्रजी तारीखों से अगले आदेशों तक के निये इसी विजलीघर में अस्थायी क्षमता में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम और पदनाम	ग्रेड एस० बी० में नियुक्त किए जाने की तारीख
---------	--------------	---

1. श्री पी० बी० मेटेकर, वैज्ञानिक महायक (सी) 1-2-1982
2. श्री पी० तंगवेलु, वैज्ञानिक सहायक (सी) 1-2-1982
3. श्री पी० ए० पाटिन, वैज्ञानिक सहायक (सी) 1-2-1982
4. श्री ए० बी० मादे, वैज्ञानिक सहायक (सी) 1-2-1982
5. श्री डॉ पी० चावेकर, वैज्ञानिक महायक (सी) 15-2-1982
6. श्री नाथा सिंह राय, ट्रेडसमैन (जी) 1-2-1982

द० वि० मरकले
प्रशासनिक अधिकारी-III

टी०ए० पी०पी०, दिनांक 24 अप्रैल 1982

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-प्रार०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर, तारापुर परमाणु विजलीघर में स्थायी वैयक्तिक सहायक श्री पी० गणपति को दिनांक 6 अप्रैल, 1982 की पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक के लिए इसी विजलीघर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (650-30-740-35-880-द० रो०-40-960) में एक अधिकारी के तौर पर नियुक्त करते हैं।

पी० उण्डिकृष्णन
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कल पार्कम, दिनांक 13 मई 1982

सं० आर० आर० सी०/ए० 32023/1/77/प्रा०/6040—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थायी वरिष्ठ आशुमिष्यिक तथा स्थानापन्न आशुलिष्यिक

ग्रेड III श्री मथुरा कृष्णमूर्ति को 10-5-82 से 11-6-82 तक की अवधि के लिए उसी केन्द्र में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री आर० नारायणन, सहायक प्रशासन अधिकारी के स्थान पर की गई है, जो छुट्टी पर गए हैं।

एस० पश्चासन,
प्रशासन अधिकारी

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला
पुणे-411 024, दिनांक 15 मई 1982

सं० 608/189/82-प्रशासन—निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, खाइकबासला पुणे, एटद्वारा रक्षा लेखा अधिकारी श्री के० एन० पौलोस की 3 माल के लिए केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे, में प्रति माह वेतन ₹० 920 वेतनमान ₹० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 पर दिनांक 31 मार्च, 1982 के अपराह्न से प्रतिमियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

श्री पौलोस, वित्त मंत्रालय, व्यव विभाग के समय समय पर मंशोधित कार्यालय ज्ञापन संख्या 10/(24)/ई० 11/70 दिनांक 4 मई, 1961 के नियमों के अनुसार इयूटी भत्ता वेतन के हिमाच तथा मूल वेतन के 10 प्रतिशत ₹० 92/- प्रति माह दिनांक 31 मार्च, 1982 के अपराह्न से वर्तमान समय में पांच के हकदार है।

एम० आर० गिड्वानी
प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बगलार-560 058, दिनांक 3 मार्च 1982

सं० 020/3(061)/82—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, श्री एस० के० व्यास वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० बी० का अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र में दिनांक 2 फरवरी, 1982 के अपराह्न से उनकी सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

दिनांक 12 मई 1982

सं० 020/3(061) 82—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, श्री आर० रघुनंदन को दिनांक 5-4-1982 के पूर्वाल्प से अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० बी० के पद पर पूर्णतया अस्थानों एवं अनन्तिम आधार पर अन्य आदेश मिलने तक सहर्ष प्रोन्ति प्रदान करते हैं।

सं० 020/3(061)/82—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दिये गये पदों एवं नियमों के पूर्वाल्प से अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र में पूर्णतया अस्थायी एवं अनन्तिम आधार पर अन्य आदेश मिलने तक सहर्ष प्रोन्ति प्रदान करते हैं :

क्रम सं०	नाम (श्री/श्रीमती)	पद	दिनांक
1.	श्री राम मूर्ति	वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० बी०	1-4-1982
2.	श्री एन० पुरुषोत्तम शर्मा	वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० बी०	1-4-1982
3.	श्री एस० मल्लिकार्जुनन्	वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० बी०	1-4-1981

एस० सुधाकर गुप्ता,
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1982

सं० ए० 38013/1/81/ई० ए०—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय के श्री सी० एन० एस० नूर्ति, विमानक्षेत्र अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31-3-1982 से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुधाकर गुप्ता
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

सं० ए० 32013/12/82 ई०-I—महानिदेशक द्वारा लिए गए निर्णयानुसार श्री कुलदीप सिंह, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (वैज्ञानिकी) को दिनांक 11-5-1982 से 29-7-1982 तक की अवधि के लिए वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 20 मई 1982

सं० ए० 32013/11/80-ई०-I—इस कार्यालय की दिनांक 27-11-80 की अधिसूचना सं० ए० 32013/11/80-ई०-I के क्रम में राष्ट्रपति, ने निम्नलिखित अधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई अवधि तक निदेशक सचिव के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	अवधि	तैनाती स्टेशन
	से	को	
1.	श्री एस० के० टेक्कन्दानी	3-5-81	मद्रास
2.	श्री एस० दास	1-5-81	पालम
3.	श्री एस० दास	1-5-81	दमबू

सुधाकर गुप्ता,
उप-निदेशक प्रशासन,
कृते महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1982

से नियुक्त विधायक हैं और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है ।

सं० ए० 32014/4/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर विभाग ने सहायक सचार अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर कार्यरत निम्नलिखित चार सचार सहायकों को दिनांक 23-1-82 से सहायक सचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित रूप

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री आर० के० मोदक	वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर
2.	श्री एस० एम० कुलकर्णी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
3.	श्री बी० सी० घोष	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
4.	श्री टी० एम० रेखी	वैमानिक संचार स्टेशन, भोपाल

दिनांक 12 मई 1982

सं० ए० 32014/2/81-ई० सी० (पार्ट)—महानिदेशक, नागर विभाग ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके द्वारा उच्चतर पदों का कार्यभार प्रहण करने की तारीख से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और इन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार प्रहण करने की तारीख
1.	अरविन्दर सिंह	ए० सी० एस० हिसार	ए० सी० एस० बनारस	7-4-82 पूर्वी ह
2.	एम० एल० सैनी	ए० सी० एस० दिल्ली	ए० सी० डी० य० य० नई दिल्ली	19-2-82 ,
3.	जे० पी० एस० चानना	मी० ए० टी० सी० इलाहाबाद	सी० ए० टी० सी० इलाहाबाद	19-3-82 ,
4.	ग्र० एम० एम० चक्रवर्ती	ए० सी० एम० गया	ए० सी० एस० रूपसी	27-3-82 ,
5.	ए० एम० गुप्ता	ए० सी० एस० गोहाटी	ए० सी० एस० गोहाटी	22-2-82 ,
6.	एम० के० गुप्ता	ए० सी० एस० कलकत्ता	ए० सी० एस० कलकत्ता	24-2-82 ,
7.	बी० सी० कुलश्रेष्ठ	ए० सी० एस० कानपुर	सी० ए० टी० सी० इलाहाबाद	30-3-82 ,
8.	जी० डी० दुबे	ए० सी० एस० रांची	ए० सी० एस० राऊरकेला	4-3-82 ,
9.	एल० आर० सचेता	आर० सी० डी० य० नई दिल्ली	आर० सी० डी० य० नई दिल्ली	19-2-82 ,
10.	एन० डी० कपूर	आर० सी० डी० य० नई दिल्ली	आर० सी० डी० य० नई दिल्ली	19-2-82 ,
11.	एस० एस० सेन गुप्ता	ए० सी० एस० कलकत्ता	ए० सी० एम० कलकत्ता	17-2-82 ,
12.	बी० एन० दसा	ए० सी० एस० कलकत्ता	ए० सी० एस० कलकत्ता	17-2-82 ,
13.	के० एस० देवनाथ	ए० सी० एस० बारा अम्पा	ए० सी० एस० कलकत्ता	24-2-82 ,
14.	गोपल मिश्रा	ए० सी० एस० कलकत्ता	ए० सी० एस० कलकत्ता	27-2-82 ,
15.	टी० एस० धुला	ए० सी० एस० भोपाल	ए० सी० एस० बम्बई	11-3-82 ,
16.	एम० के० परदेशी	ए० सी० एस० बम्बई	ए० सी० एस० बम्बई	19-2-82 ,
17.	ए० एन० भाटिया	ए० सी० एस० पटना	ए० सी० एस० कलकत्ता	26-2-82 ,
18.	बी० डी० बंगाली	ए० सी० एस० जयपुर	ए० सी० एस० इलाहाबाद	15-3-82 ,

दिनांक 17 मई 1982

सं० ३० ३१०११/२/७९-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित दम अधिकारियों को प्रवेश के नाम के सामने द्वारा गई तारीख से वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में स्थायी स्पष्ट से नियुक्त किया है।

क्रम सं०	नाम	पुटिकरण की तारीख
1	2	3
1.	श्री आर० एस० अर्जमानी	2-२-१९७८
2.	श्री के० रमेशगम	2-२-१९७८
3.	श्री एच० बी० सुदर्शन	2-२-१९७८
4.	सुरेश चन्द्र	2-२-१९७८
5.	श्री ग० के० मिश्रा	2-२-१९७८
6.	श्री पी० आर० सूर्यनाथन (सेवा निवृत्त)	१-४-१९७८
7.	श्री के० ग० राव	१-४-१९७८
8.	श्री एन० के० नानू (सेवा निवृत्त)	१९-५-१९७८
9.	श्री बी० के० घर्मा	१२-९-१९७८
10.	श्री ए० रमानाथन (सेवा निवृत्त)	१-५-१९७९

सं० ४० ३२०१३/९/८१-ई० सी०—राष्ट्रपति ने रेडियो निर्माण और विकास एवं कानूनी के श्री एन० आर० एन० आयगर, तकनीकी अधिकारी को दिनांक ३०-१-८२ (अपराह्न) से छः मास की अवधि के लिये वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर में तैनात किया है।

प्रेम चन्द्र
सहायक प्रशासन अधिकारी

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1982

सं० ५० ३९०१२/७/८१-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री प्रविन्द कुमार तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन कालकत्ता एयरपोर्ट कलकत्ता का दिनांक १४-१-८२ (अपराह्न) से मरमारी सेवा में त्याग पत्र स्वीकार कर लिया है।

प्रेम चन्द्र,
महायक निदेशक प्रशासन
हास्ते महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

विभाग संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 20 मई 1982

सं० १/५१५/८२-स्था०—जिवेश संचार सेवा के महानिदेशक एन्डडारा पूना शाखा के तकनीकी सहायक श्री ए० एम० वामन को ब्रिल्युल तदर्थ आधार पर १८-३-१९८२ से

२४-४-१९८२ (दोनों दिनों समेत) उसी शाखा में प्रस्थायी रूप से सहायक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मनहोत्रा
उप निदेशक (प्रशा०),
कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 28 मई 1982

सं० १६/३८७/८२-स्था०-१—प्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, श्री भारत सिंह बिष्ट, अनुसंधान अधिकारी वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, को दिनांक ३०-४-१९८२ की अपराह्न से सेवा निवृत्त न की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहज अनुमति देते हैं।

रजत कुमार
कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नागपुर, दिनांक 14 मई 1982

सं० ७/८२—इस समाहर्ता क्षेत्र के अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी “ब” सर्वश्री जी० जी० केदार, एम० एम० जो, ए० बी० कुलकर्णी, ने आयुसीमा प्राप्त करने पर दिनांक ३० अप्रैल, १९८२ के उपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० ८/८२—इस समाहर्ता क्षेत्र के सहायक सहमाहर्ता (मुख्यालय) श्री जी० एम० आहुजा आयु सीमा प्राप्त करने पर दिनांक ३० अप्रैल, १९८२ के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

के० शंकरामन
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-११००६६, दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं० ५० १९०१२/१०००/८२-स्था० पाच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री प्रकाश चन्द्र, अधिकारी सहायक को रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८००-३५-८८०-४०-१०००-८००-४०-१२०० के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में ३१ मार्च, १९८२ (पूर्वां०) से छः महीने की अवधि अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः प्रस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० भृष्णुर्धार्या०,
अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1982

आय-कर अधीन अधिकरण

मं. 12026/2/82-स्था०-ए०—अध्यवधा, केन्द्रीय जल आयोग ने श्री पू० के० मिन्हा, वरिष्ठ व्यावर्सायिक सहायक (प्रकाशन), की अतिरिक्त सहायक निदेशक (प्रकाशन) के पद पर ₹ 650-20-740-35-810-द० ₹०-35-880-10-1000-द० ₹०-40-1200 के बेतनमान में तदर्थे नियुक्ति को 30-6-1982 अथवा इस के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, तड़ा दिया है।

के० पू० भण्डूला,
अवर सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य निभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और माइक्रोटेक धास्टम लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 17 मई 1982

सं. 3748/560/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एस्ट्र॒ द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर माइक्रोटेक कास्टिस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल वाःण वर्षित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

इ० सेलवराज,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
मद्रास

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं चिक्कुट एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 22 मई, 1982

सं. 636/21502/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एस्ट्र॒ द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर चिक्कुट एक्सपोर्ट्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्षित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र, बम्बई

बम्बई-400020, दिनांक 15 मई 1982

सं. ए०-४८ प० डी० (ए०टी०)/८२—श्री एन० सी० चतुर्वेदी, स्थायी हिन्दी अनुवादक, आय-कर अधीन अधिकरण इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद जिन्हें आय-कर अधीन अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थे आधार पर अस्थाई क्षमता से सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 15-2-82 (अपराह्न) से तीन महीने के लिए कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये इस कार्यालय के दिनांक 24-2-82 की अधिसूचना क्रमांक ए० 48-ए०डी० (एटी०)/१९८२, को अब आय-कर अधीन अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थे आधार पर अस्थाई क्षमता से सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 16-5-1982 से और तीन महीने के लिये या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित भर्ती नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थे आधार पर है, और यह श्री एन० सी० चतुर्वेदी, को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिये कोई दावा नहीं प्रदान करेंगी और उनके द्वारा तदर्थे आधार पर प्रदत्त सेवाएं, न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पक्कता ही प्रदान करेंगी।

सं. ए० ४८ ए० डी० (ए०टी०) १९८२—श्री सुरेन्द्र प्रसाद, स्थायी अनुवादक, आय-कर अधीन अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें आय-कर अधीन अधिकरण, बंगलौर न्यायपीठ, बंगलौर में तदर्थे आधार पर, अस्थाई क्षमता से सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 15-2-1982 (अपराह्न) से तीन महीने के लिये कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये इस कार्यालय के दिनांक 24-2-1982 की अधिसूचना क्रमांक ए०-४८, ए०डी० (ए०टी०)/१९८२, को अब आय-कर अधीन अधिकरण, बंगलौर न्यायपीठ, बंगलौर में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 16-5-1982 से और तीन महीने के लिये या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित भर्ती नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जासी है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थे आधार पर है, और यह श्री सुरेन्द्र प्रसाद को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिये कोई दावा नहीं प्रदान करेंगी और उनके द्वारा तदर्थे आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पक्कता ही प्रदान करेंगी।

टी० डी० सुरेन्द्र
अध्यक्ष

कार्यालय आयकर आयुक्त

लखनऊ, दिनांक 3 अप्रैल 1982

स्थापना केन्द्रीय सेवायें—राजपत्रित आयकर अधिकारी वर्ग
(ख') स्थायीकरण के बारे में आदेश इत्यादि।

मं० 32—कार्मिक और प्रणामनिक सुधार विभाग के दिनांक 15/11/75 के कार्यालय आपन सं० 29014/75/स्था० (क) और शोड़ के दिनांक 7-10-78 के पत्र एफ० नं० ए-29011/28/78-प्रशासन-6 के अनुसार मे समिति की सिफारिशों पर श्री मुन्तु लाल अग्रवाल स्थानापन्न आयकर अधिकारी (वर्ग "ख") को आयकर अधिकारी (वर्ग "ब्र") के रूप में रु० 650-1200 के बेतनमान में दिनांक 1-11-80 से स्थायी किया जाता है। उसके स्थायीकरण की तारीख यदि आवश्यकता हुई तो किसी भी समय पर बदली जा सकती है।

धरनी धर
आयकर आयुक्त

रांची, दिनांक 15 अप्रैल 1982

आदेश

मं० जुर्सिक्षण/आई०ए०सी०-प्रसेसमेट-II/82-83/463-
557—धनाधिकार-आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
125 ए, आयकर आयुक्त प्रभार, रांची के निरीक्षी सहायक
आयकर आयुक्त, निर्धारण परिक्षेत्र, रांची का शेनाधिकार।

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 125 ए की उपधारा (1) के अधीन प्रवत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध की अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रतद्वारा आयकर आयुक्त, रांची, निर्देश देते हैं कि निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त निर्धारण परिक्षेत्र-II, रांची आयकर अधिकारी के लिए नियत सभी शक्तियों अथवा वार्षीय का प्रयोग अथवा निष्पादन करेंगे तथा आयकर अधिकारी वार्ष-ए, अंचल-1, रांची के वर्तमान क्षेत्रों अथवा व्यक्तियों के समूह अथवा आय अथवा आय समूह अथवा मालालों के कार्यों का निष्पादन करेंगे।

यह आदेश तात्कालिक प्रभाव में लागू होगा।

पदस्थापित सभी गणजातिक कर्मचारियों के नियन्त्रक अधिकारी भी रहेंगे।

चन्द्र भानु गठी
आयकर आयुक्त

मन्है-400 020, दिनांक 11 मई 1982

आयकर स्थापना

मं० 1—निम्नलिखित अधिकारियों को एतद्वारा मौलिक नियुक्ति आयकर अधिकारी, ग्रेड बी० के रूप में 1-4-82 से प्रभावी होगी।

सर्वे श्री :

1. एस० एस० जोशी
2. जी० एन० जोशी
3. एच० बी० लखियानी
4. पी० बाबा प्रसाद
5. आर० पी० ओष्ठानी
6. मणि राजगोपालन
7. के० बी० समनोस
8. सी० ए० राजे
9. जे० पी० महाजन
10. के० गोपाल
11. श्री बी० आर० वेसाई
12. बी० एम० राव
13. श्रीमती एम० जे० कसबेकर
14. कु० एस० बी० भीरचन्दानी
15. श्री य० जी० तहिनियानी
16. एन० डी० जोशी
17. य० विश्वकुमारन
18. आर० आर० पूर्णित
19. बी० एन० नारायणकर
20. वाई० नारायणन
21. जी० के० भवे
22. बी० आई० यूसेफ
23. कु० के० टी० रनडेलिया
24. श्री एन० के० लालवानी
25. जी० के० हेंगडे
26. एम० बी० निरगुडकर
27. के० जी० चाको
28. कु० बी० एस० सावंत
29. श्रीमती एल० एस० मूर्ति

सं० जुर्सिक्षण / आदास-निर्धारण II/82-83—
म.मन्य वित्तीय नियमावली के अन्तर्गत आयकर अधिकारी,
वार्ष-ए, अंचल-1, रांची को निरीक्षी सहायक आयकर
आयुक्त, निर्धारण परिक्षेत्र-II, रांची के कार्यालय का भी
कार्यालय अध्यक्ष घोषित किया जाता है। वे निरीक्षी सहायक
आयकर आयुक्त, निर्धारण परिक्षेत्र-II, रांची के कार्यालय में
3—106GI/82

- | | |
|------------------------------|------------------------------|
| 30. वी० ए० गामगडे (श्र० जा०) | 40. जे० श्र० खालानी |
| 31. एस० एम० शुभारपने | 41. वे० ते० तमृदिंशि |
| 32. पं० पं० चाहू | 42. उ० च० गुडगिल |
| 33. ए० ली० भना | 43. ए० डी० मेनन |
| 34. सी० आर० आर० मेनन | 44. वी० आर० सोनकर (श्र० जा०) |
| 35. एल० के० शठावले | |
| 36. टी० के० एन० गव | |
| 37. वी० डी० दुबे | |
| 38. टी० आर० प्रसाद | |
| 39. कु० एम० श्र० छवणन | |
| | के० के० सेन |
| | मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशा०) |

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 अप्रैल, 1982

निवेश म 3125—यत मुझे जे० ए० ए० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी म ० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इसमें उपायद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
बर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक मितम्बर 1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापवेक्षण सपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2)
के प्रयोगशार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ।—

1. श्रीमती अमरकौर उर्फ रचना गोहल पुर्णा श्री लम्बन मिह
जी पा० दृग्कीर विधवा लम्बन मिह,
वासी 289, नाजपत राय नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. मैमर्म स्टॉल को, इन्डस्ट्रीज,
नकोदर रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि छार न ० १ में रखा है।

- (1) जोगिन्द्र मिह,
- (2) ए० सौ० ननदा,
- (3) जसवन्त राय
- (4) गुलजारी मल,
- (5) किशोरी लाल
- (6) हरनाम मिह,

वासी डब्ल्यू. जी० ५९१, नकोदर रोड,
जालन्धर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हाच रखना हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधिहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) .

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के बजेन के लिए
कार्यसाध्यों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हिसासमत्ति, न ० डब्ल्यू० जी० ५९१ जो कि नकोदर रोड
जालन्धर में स्थित है जैमा कि विलेख नं० ४१८२, दिनांक
मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रेशन अधिकारी जालन्धर में लिखा है

जे० ए० ए० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

प्रस्तुप आई.टी.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 30 अप्रैल 1982

निक्षेप सं० 3126—यतः मुझे ज० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी भाय का आदत, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में हानिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तिमां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरितो दृवाग प्रकट नहीं किया गया
या या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्.—

1 श्रीमती अमर कोर उर्फ रचना गोहन पुत्रा लछमन मिह
जी० ए० दूरकौर विद्वान लछमन सिंह
वासी 289, नाजपत राय नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री अनंतल नदा पुत्र नानक चन्द,
वासी 82, शहीद ऊधम मिह नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।

- (1) जोगिन्द्र सिंह
- (2) एन० सी० नन्दा,
- (3) जसवन्त राय
- (4) गुलजरी मल,
- (5) किशोरी लाल
- (6) हरनाम सिंह

वासी डब्ल्यू० जी० 591, नकोदर रोड,
जालन्धर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जा व्यक्ति सम्पत्ति में गच्चि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के समान्य में कार्द भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलिहूत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्त अपार्टमेंट, न० ३० डब्ल्यू० जी०-५९१, जोकि नकोदर
रोड, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख न० ४२२४, दिनांक
मित्तम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता जर्टी रिंकरा जालन्धर
में लिखा है।

ज० एल० गिरधर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

ग्रन्थ 30-4-1982
गोहर

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

द्वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 अप्रैल, 1982

निर्देश सं. 3127—यह मुझे ज० प८.ल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिनके म० जैमा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जा पूर्ण सूप में
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अध्यन
निस्म्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकारी करता है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अम् अद्, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाय (1)
के अधार सन्मालिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

1 श्रीमत अमर कौर उर्फ रचना गाहल पूर्वी लष्मन सिंह
ज०० प० हरकौर विधवा लष्मन सिंह,
वासा 289, लाजपत गाँव नगर, जालन्धर।

(अन्तर्दृष्टि)

2 श्रीमर्ति कंचन नंदा, पत्नी श्री मुरेश चन्द्र
वार्मा 82, गहीद, अधम मिहनगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3 जैमा कि उपरन् ० २ में लिखा है

- (1) जोगिन्द्र मिह
- (2) प८.ल० सी० नदा
- (3) जनवन्न गाँव
- (4) गुतजारी मन,
- (5) किशोर लाल
- (6) हरनाम मिह

डब्ल्यू० ज००-५९१, नकोदर रोड, जालन्धर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1 जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

हस्ता प्राप्टी नं. डब्ल्यू००१० ५९१, जोकि नकोदर रोड
जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं. ४२६५, दिनांक सितम्बर
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

ज० प८.ल० गिरधर

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

प्रकृष्ट श्री. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 अप्रैल 1982

नंदेश स० 3122—यतः मुझे, ज० एन० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जा जालन्धर
में स्थित है (आंग डउस उपावड़ अनुसूची में और जा पूर्ण स्पष्ट में
वर्णित है) अंजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
गिरिष्टोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक मितम्बर, 1981

को गुर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था लिखाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '—'

श्री रत्न इमाम, इर्प रुद्दा, गोहल पुर्वी नामन सिंह
ज० ०८, हरकौर विवाह लछमत मिह,
वासी 289, नामन शय नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. आमतो अन्द्रा प्रदेश नामक चन्द,
वासी 82, शहोद ऊधम सिह नगर, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैमा कि अरं नं० २ में लिखा है

- (1) जोगिन्दर सिह
- (2) एन० सा० नन्दा,
- (3) जमबन्त राथ
- (4) गुलजारी मल
- (5) किशोरी लाल
- (6) हरताम सिह

वासा डब्ल्यू० ज० ०५१, नकोदर रोड,
जालन्धर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिनाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्याकुन्त सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

द्विसा नम्पत्ति नं० डब्ल्यू० ज० ०-५१ जोकि नकोदर रोड,
जालन्धर में स्थित है जैमा कि विनेखन नं० ४२९७, दिनांक
मितम्बर, 1981 की अंजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

ज० एन० गिरधर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज जालन्धर

पारंपरिक: 30 अप्रैल 1982

माहर.

प्रस्तुप आई. टो. एन. एस. -----

ब्रिटिश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह यक आयकर आयकर (निर्गमण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1982

निदेशसं ० ए० पी० ३१२९— यह मझे, जै० ए० ए० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राप्तवारी का यह विश्वास करने का
आरण है दि. अब्दुल्लाह, ५ मई १९८२ ना. मात्र
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
अबोहर में स्थित है (श्री इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप भै वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मितम्बर, 1981 को

को प्रवर्तन संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में काम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवर्तन संपत्ति को उचित वाजार
पूर्त्य उसके इव्यवसाय प्रतिफल से एमें व्यवसाय प्रतिफल के
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतर्स्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठिन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की भावन, उस
अधिनियम के १५८ वें अंकुर २२
दायित्व में कमी वरने या उससे रचने प्रेरित
के लिए; और/या

सर्व पंथी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय वर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए, तथा, छिपाने में मतिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की व्यवसाय (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती भगवत्त कीर विधवा उजागर सिंह, हरचरनसिंह
पुत्र श्री प्रेम सिंह व गुरवियाल कीर पूत्री प्रेम मिहू,
जौ। गांव रोड अबोहर।

(अन्तर्गत)

2. लाईफ इन्स्योरेन्स वारपरेशन श्रीफ डिंडिया,
अबोहर।

(अन्तर्गती)

3. जैमा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो आकिन सम्पत्ति में सच रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर प्रवर्तन
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नथा व्यक्ति, जैमा कि विलेखन नं० 2257 में
दिनांक मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने
लिखा है।

जै० ए० ए० गिरधर
मकान अधिकारी
महायक आयकर आयकर (निर्गमण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक ५ मई 1982
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्दर

जालन्दर, दिनांक 5 मई 1982

निदेश संग्रह प्र० 3130—यतः मुझे, जे० प८८० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव नलवडी भाई नह० फिरोजपुर में स्थित है (और इसमें उपबाह अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मितम्बर, 1981

को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से दाम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवाँकत मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल में, दाम से दरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (लंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एम्से डॉक्टर्स के लिए तथा यह गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तातिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूँ रु० किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृष्टिकोण में कमी करने या उसमें दबने में नुक्तिधा के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकरण हो किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्म फेल्ड्स राईस एन्ड जनगल मिल्ज, नलवडी भाई द्वारा श्री जीत राम पुष्ट श्री सुन्दर दास, जख फिन्डर मिह पुत्र गुरदेव गिर्ह, बलवीद मिह और दर्शन मिह वासी नलवडी, भाई जिला, फिरोजपुर।

(अन्तरक)

2. मैसर्म गम चन्द, मोहन लाल, गईस मिल्स प्रा० नर, गांव नलवडी भाई द्वारा गमकुमार पुत्र मोहन लाल वासी अनाज मन्डी, नलवडी, भाई, नह० जिला फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊ 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में बचा रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 4553, दिनांक मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

जे० प८८० गिरधर

मध्यम अधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्दर

तारीख: 5 मई 1982

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

बज़न रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1982

निवेश सं. ए० पी० 3131—यनः मुझे, जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर उपर्याप्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ३० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला
में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में भौंर जो पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए हय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरान के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमति
दे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4 —106GJ/82

1. श्री डान सिंह उर्फ देविका पत्नी बरजिन्द्रा सिंह
वासी कपूरथला, माफैत बरजिन्द्रा सिंह, 27,
सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अंतरक)

2. श्री हरीं सिंह पुत्र तेजा मिह,
गांव माही जोवा, तहो मुलतान पुर, जिला कपूरथला
(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बज़न के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बज़न के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षय.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भौंर समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं. 1805, दिनांक
मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में
लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
बज़न रेंज, जालन्धर

तारीख : 5 मई, 1982
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, निनांक 5 मई, 1982

निदेश सं० ए० पी० 3132—यतः मुझे जै० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुमती में लगा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे रुपावधि द्वारा अनुमती में और जो पूर्ण रूप से अंदित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाश गया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रवीन कर देने के धाराएँ के वायित्व में नहीं हैं या उसमें वायने में सुविधा के लिए।
पीए/प।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ऊषा देवी पत्नी हरमिन्द्रा सिंह,
वासी माल रोड, कपूरथला, माफित श्री वरजिन्द्रा सिंह,
27, सुन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चौपड़ा पुत्र सूरत रामे चौपड़ा,
मकान नं० 72, रेलवे रोड, कपूरथला ।

(अन्तरिती)

3. जैहा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो अवित सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी रहके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के प्रबन्ध में कोई भी घाटेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं वही अर्थ होगा। जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1814, दिनांक सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

जै० एल० गिरधर

सकाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 5 मई, 1982

माहूर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर बायुकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्दर

जालन्दर, दिनांक 5 मई 1982

निदेश सं० ऐ० पी० 3133—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर
आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कपूरथला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नालिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसी काय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी काय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, विहू भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्जन:—

1. श्री डान सिंह उर्फ श्रीमती देविका पत्नी श्री बरजिन्द्रा सिंह
वासी कपूरथला, बारा श्री बरजिन्द्रा सिंह
27, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री किशन चन्द्र पुत्र राम चन्द्र, श्रीमती जान देवी,
पत्नी श्री किशन चन्द्र और श्री सुरेश कुमार पुत्र
श्री स्वर्ण कुमार, वासी मुहल्ला भगोग्राम कान नं० 182
कपूरथला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 है में।

(नह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना आरी करके प्रौढ़त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रौढ़त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1815 दिनांक
सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी कपूरथला में
लिखा है।

ज० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आवकर बायुकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्दर

तारीख: 5 मई 1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टौ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 5 मई, 1982

निवेदन सं. 3134—यतः मुझे जे० पा० गि० ध०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला
में स्थित है (और इसे उपावह अनुचूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अतरकाँ) और अंतरीय
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ~~हूँ~~ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्तालय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृत्ति था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधैत् :—

1. श्रीमती ऊमा कुमारी पत्नी हरमिल्दा मिह,
वासी कपूरथला, मार्कंड बरजिन्द्रा सिंह 27, सुन्दर नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री बनराम कुमार पुत्र विश्वन दाम व रूपिन्द्र कौर पत्नी
प्रभ जीत लिह, वासी सदर बाजार, कपूरथला ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकाढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निर्मित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1821, दिनांक
सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कपूरथला ने
लिखा है ।

जे० पा० गि० ध०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5 मई 1982

मोहर :

प्रस्तुप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक: 5 मई, 1982

निवेश सं. 3135,—यतः मुझे जो एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कागिलय कपूरथला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (198 का 16) के अधीन
तारीख भितम्, 1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे उत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति को अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डान सिंह उर्फ श्रीमती श्रेविका पत्नी बरजिन्द्रा सिंह
वासी माल रोड, कपूरथला, मार्फत बरजिन्द्रा सिंह
27, सुन्दर नगर, नहीं विल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री रवर्ण कुमार पुत्र किशन चन्द, कमला वर्त पत्नी
स्वर्ण कुमार, तथा सुरेश कुमार पुत्र सवरन कुमार
सासी मोहना सोरिया, म० न० 182, कपूरथला ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० फुमें लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना बारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रैंड भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मा किए जा गएगा।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क मा परिभासित हैं,
उनी अर्थ होंगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विनेश न० 1822 दिनांक
सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा
है।

जो एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5 मई 1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई० ई० एच० एस०---

जापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1982

निवेश सं० 3136—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथल
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय कपूरथल में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अम्लशक (अंतरकों)
और अंतरिती (अन्तारितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
किसी जगते या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभागेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के; अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

1. श्री डान सिंह उक्त श्रीमती देविका पत्नी बरजिन्द्रा सिंह
वासी कपूरथला, मार्फत बरजिन्द्रा सिंह
27, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह पुत्र अमरनाथ
वासी कपूरथला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधार्त के लिए
कायलियांहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधार्त के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1825 है,
दिनांक सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला
ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5 मई 1982

मोहर :

प्र० र० आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1982

निवेश सं. प० पी० नं. 3137—यतः मुझे, जे० प० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कपूरथला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो
पूर्ण हैप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरीती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्भरते हैं वार्तानिवरूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण से, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती ऊषा देवी पत्नी श्री हरनिंद्रा सिंह
वासी कपूरथला माल रोड, मार्केट श्री बरजिन्द्रा निह
आसी 27, सुन्दर नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री अमीचन्द्र पुत्र व्यारा लाल
वासी मुहूला, खजान्चीया, कपूरथला
(अन्तरीती)

3. जैमा कि ऊपर नं 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1826, दिनांक सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में लिखा है।

जे० प० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5 मई 1982

मोहर :

प्रस्तुत बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3138---ग्रन्त: मुझे जे० ए० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

प्रौढ़ जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला
में स्थित है (प्रौढ़ इससे उगाढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन
दिनांक: मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
ति, निम्नांक: अत लद्ददृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
उपर कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण सं हृ० किसी आय की धारा 8क्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजार्थ उत्तमिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री डानमिह उर्फ देविका पत्नी श्री बरजिन्द्रा सिंह
वासी कपूरथला, मार्फत श्री बरजिन्द्रा सिंह
27, सुन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र कुमार मवाज कुमार, मुपुत्र श्री तबल
किशोर, वासी शेखु पुरा, कपूरथला ।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुधि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अभ्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 1839, दिनांक
मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी कपूरथला में
लिखा है।

जे० ए० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 5 मई 1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

पंच प्रार्थी दो ठा० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

वार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3139—यत मुझे जै० ए० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रीतीन संशम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वाक्षर सम्पत्ति, त्रिपाता उचित बाजार मृद्ग 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला
में स्थित है (और इसे उपाधि अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;
और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घूट-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
पर सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की जपथाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

5—106-II/82

1 श्रीमती ऊपा देवी पत्नी हरमिन्द्र मिहं
वामी कपूरथला सार्फल, श्री वरचिन्द्र मिहं
27, मुन्दग नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती यज्ञ रामी पत्नी अमीचन्द्र
वामी महान्ना खड्गानंदीय, कपूरथला।

(अन्तर्गत)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह अक्षित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में नहीं रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अर्थोहस्ताक्षरी
जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दोनों
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थोहस्ताक्षरी के प्राप्त
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वहीं
शब्द होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि लिखा नं० 1840 दिनांक
मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में
लिखा है।

जै० एन० गिरधर

मध्यम अधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 5 मई, 1982

मोहर:

श्रावण भाई, टी. एन. एस. ——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेज़ि, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई, 1982

निदेश नं. 3140—यत मुझे ज० एल० गिरश्वर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी नं. जैमा छि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अल्टरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कीथत
मही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किमी आव को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर रख के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या इन्हीं आमिनों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-
कर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
मर्मिता के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री नौर गिर, जमीन गिर पुन दलीज गिर
वार्मा चौगिंडी तहस जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्री तरसेम नाना पुत्र मालवना राम,
वार्मा 6/1, शहीद ऊर्ध्वग पिंड नगर, जालन्धर।

(अन्तरती)

3 जैमा छि उक्त नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अविभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधारहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ द्वारा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

अनुसूची

मामासि नं. 67 का 1/3 हिस्सा, जोहि शहीद ऊर्ध्वग मिह
नगर में जालन्धर में स्थित है जैमा विलेख नं. 4105, दिनांक
मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी जालन्धर ने
लिखा है।

ज० एल० गिरधर

सकाम अधिकारी

महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेज़ि, जालन्धर

तारीख: 12 मई 1982

मोहर.

४६८ प्राइंट ट्रॉज एत० एम०

साधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

२३५७-११० ६ अद्वीन सूचना

(एस.सरका०)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1982

निवेश नं 3141—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' नहीं गया है), की धारा 269-ग अन्तर्गत सत्र गाँधीजी को, या उचित करने का कारण हे कि स्थावर मंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी म० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तभा जो जालन्धर में स्थित है (योर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वांकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दुश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तर्गत ही गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिक्रिया में, ऐसे इशामान पत्रिकल का पद्धत प्रतिशत में ग्रविहि है और अन्तरक (अन्तरकों) स्त्री अन्तर्गती (अन्तर्गितों) ही निचंगे। अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिशत निचंगे २५% में उक्त अन्तरक निचंगित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ॥:-

(ग) अन्तरण मर्हृ फ़र्मो आय को बाबत उक्त अधिनियम के यथीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्म करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या फ़र्मी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या फ़िया जाना चाहिए या खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः—

1. श्री मोहन सिंह सुधागर सिंह, पुत्र दलीप सिंह
वासी ओगिट्टी, तह० जालन्धर।

(अन्तर्गत)

2 श्री तरसेम लाल पुत्र महिना राम
वासी ६७, शहीद ऊर्धम सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तर्गत)

3 जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रहता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिन्दूद्वाद्ध है।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन ने लिए अयंवाहिया सुल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति न अधीन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप :—

(क) इस सूचना के राजनीति व प्रकाशन की तारीख य ५५ दिन की अवधि या तरम्मन्यो व्यक्तियों पर सूचना को तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होनी तो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख ये ५५ दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिन्दूद्वाद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वही प्रथ होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, नं० ६७, का 1/३ हिस्सा जो कि शहीद ऊर्धम सिंह नगर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० ४१०६, दिनांक सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जै० एल० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख १२ मई 1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर
 जालन्धर, दिनांक 12 मई, 1982

निवेश सं० 3142—यतः मुझे ज० पा० गिरधर
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह ग्रौर अनुसूचित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह कियी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
 में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यापति:—

1. श्री सोहन सिंह, हरी सिंह पुत्र दलीप मिह
 वासी गाव चौमड़ी, तहसील जालन्धर।
 (अन्तरक)
2. श्री तरसेम नाल पुत्र महिंदा राम,
 वासी 67, गढ़ीद ऊधम मिह नगर, जालन्धर।
 (अन्तरिती)
3. ऊपर जैमा कि न० २ में लिखा है।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में समाचार है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हूँह रखना है।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त के लिए
 कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की ताप्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 प्रमाण लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पति न्याट 1/3हिस्सा जो कि शाहीद ऊधम मिह नगर
 में स्थित है जैसा कि विलेख न० 4107, दिनांक सितम्बर,
 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

ज० पा० गिरधर
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 12 मई 1982
 माह २

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निगमित्रण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई, 1982

निवेश सं० ए० पी० नं० 3143—यत् मुझे जै० ए८० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और ज़िम्मी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
खुला में स्थित है (और इगमें उपावड़ में अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक मितम्बर 1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिलबाग मिहू पुत्र ऊधम मिहू
वासी 300-, माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरवरेल मिहू पुत्र जैमल मिहू, जमवंत कौर पत्नी
मोहिन्द्र मिहू व मुरिन्द्र कौर पत्नी भजन मिहू,
वासी ई-बी/23, काजी मोहल्ला, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैमल कि अपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार
लिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति २ कनाल, ६ मरला ६ सरमाई, जोकि गाव खुला में
स्थित है, जैसा कि विलेख नं० ४०२९, दिनांक मितम्बर, 1981
को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जै० ए८० गिरधर

सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निगमित्रण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12 मई 1982

भावहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1982

निवेश सं 3145--यत मुझ जेंडर एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं ३० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो धोगड़ी
में स्थित है (और इस से उपावद्धु अनुसूची में और जो पूर्ण स्वप्न में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्तालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन
दिनांक मिन्हवर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सप्ताहित का उचित बाजार मूल्य,
उसके रख्यमान प्रतिफल से ऐसे रख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक स्वप्न में कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण में हृद्दे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन का देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्ता करन या उसमें बचन से संविधान
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाएँ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अत. मन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

१. श्रीमती आर्द्धा विवेका अमर नाथ
धोगड़ी, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

२. श्रीमती हरभजन कौर विवेका मुरत मिहू नगर प्रतापगढ़ी
पुत्र राम सिंह वासी लिक रोड, जालन्धर नगर,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

३. जैसा कि अपर नं २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्बान्धित है)

४. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताकर्ता

जानता है कि यह सम्पत्ति में हिन्दू है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के अंदर
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में संयुक्त व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताकर्ता के
पास निवासित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इस प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची :

जमीन जाति अराजी 24 कनाल, गाँव धोगड़ी में स्थित है
तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं 3911, दिनांक मिन्हवर,
1981 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

गा० गन० गिरधर

सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 12 मई 1982

माहर

परम्परा आदि दी एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई, 6982

निवेश सं 3146--यत मुझे जो एल० गिरन्धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
धोगड़ी में स्थित है (और इसमें उपावन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 6981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एम से अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, द्विसान प्रार्थना
के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अन्तरित निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥ ० ॥

। श्रीमति शारदा विधवा ग्रामराजा
वार्सी धागड़ी, नहू जालन्धर।

(अन्तरक)

२ श्रीमति हरभजन कौर विधवा सुरत मिह व गुरप्रताप मिह
पुत्र रुद्र (रुद्र मिह) वासि विक रोड, नान्दन नगर
जालन्धर।

(अन्तरिती)

३ जैसा कि ऊपर न० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

४ जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्थित रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबहु है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यादिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आवेदन --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मरणी ४ कनाल, जो कि गाव धोगढ़ा में स्थित है जैराफि
विलेख न० 3912, दिनांक मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जै० एल ग

मध्यम प्राधिकारी

महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 12 मई, 1982

मोहर

प्ररूप आइ. टी. पृ. एस. ——————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई, 1982

निर्देश मं० 3147—यतः मुझे जै० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरल
 में स्थित है (और इसमें उपाध्य अनुसूची में और जौ पूर्ण रूप में
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाशा गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आवत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
 दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
 में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करनार मंशु, पर्ती कुन्दन सिंह
 वार्मा खुरला किंगड, नह० जालन्धर।
 (अन्तरक)
2. करनैल भिंह पुत्र नाधु मिह
 वार्मा कोरकला, नह० जालन्धर।
 (अन्तर्गत)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानन है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध दिल्ली अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जमीन 14 कनाल, 8 मुरला, जोकि गाव खुरला में
 स्थित है जैसा कि विलेखन नं० 3949, दिनांक सितम्बर, 1981
 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जै० एल० गिरधर

स६५ अधिकारी
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 12 मई 1982
 मोहर :

प्रकल्प आर्थिक टी० प्र० प्र० प्र०

श्रावकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३)
की धारा २६९-व (१) के अधीन सचना

भारत सरकार

श्रावित भाषायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर दिनांक १२ मई १९८२

निदेश स० ३१४८—यह मुझे जै० पा० गिरधर

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
दृष्टि के पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा २६९-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सतगढ़
में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायालिय जालन्धर में
रजिस्ट्रीबरण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन
तारीख सितम्बर १९८१

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्ट्यान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति व
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान्त प्रतिफल से, ऐसे
दृष्ट्यान्त प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत अधिक है और
अन्तर (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तर्विती) के बीच
में अन्तरण य नियंत्रण या गया प्रतिफल, निम्नलिखि
त है। इस अन्तरण वित्तिय वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है।—

() अन्तरण १ = १०० रा० को बाबा उक्त अधि-
नियम, अधोर ५० देने के अन्तरक के दायित्व
में रुमी रुपों य उपर बचते में सुविधा के
लए; भीरथ।

() गोपी किमी प्रारंभिक धन या अन्य आस्तियों
की जिम्मा बारतीय राजर प्रांगियम, १९२१
(१९२१ ११ ११) ११ ३३ अधिनियम, या
धनकर अधिनियम १९५७ (१९५७ जा २७) के
पारानार्थ अन्तरित इस प्राट नहीं किया
गया या इस तात्त्विक रूप से कठित
सविधा नहीं

अत जब उक्त अधिनियम की धारा २६९ ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-व की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —
6 —106G/1/82

१ श्रा वाल्मीरा सिंह प्रामा सिंह व अमरकीर
पत्नी सवा भिंह व सतप्तौर विधवा साधु सिंह मार्फत
मुदागर सिंह पुत्र सुचन सिंह जालन्धर।

(अन्तरक)

२ २० वीर नागर को० प्रा० हाउम बिल्डिंग सामाईटी नि०
मार्फत छा० एम० डी० जैन (प्रेजीडेंट)
भैरो बाजार, जालन्धर।

(अन्तरिती)

३ जैसा कि ऊपर न० २ में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

४ जा व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहम्नाक्षरी
जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोइ भी आक्षेप —

(c) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन को अवधि या नत्मवधी व्यक्तियों पर सूचना का
तामील भ ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से
मापन नहीं हो, उभी पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(x) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध होनो
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रगत्याक्षरी या पाय लाभित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों हा, जा उक्त अधि-
नियम के अध्याय २०-व में परिभाषित है, वही
श्रेणी होगा, जो उन अध्याय के दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, अगर्जा २ कनल, ५ ३/१ मरला, जाकि गांव
सतगढ़, में स्थित है तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० ४१८३,
दिनांक सितम्बर, १९८१ को रजिस्ट्रीकर्ता रत्ना अधिकारी जालन्धर
में लिखा है।

जै० एन० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

भाषायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

तारीख १२ मई १९८२

महार

प्रस्तुत आहुं दी प्रत एम -----

1 श्री हितमानग मिह पृन उधम मिह
वासी 300-एल, माडल टाऊन जालन्धर।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई, 1982

निदेश सं० 3149—यत मुझे, जे० ए.ल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को इह विश्वास ब्याने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जो कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
विनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय का बारत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिन्या
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, निलंबन
निधि के लिए;

अत उद्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् —

2 श्री हरविन्द्र पाल मिह, चरनपाल मिह, मैरेन्द्रपाल मिह पूत्र
मनमोहन सिह व हरिन्द्रजीत मिह, पुत्र हरकिशन मिह
व मोहिन्द्र सिह पुत्र प्रेम सिह,
वासी ई-ओ-79, मैदां गेट, जालन्धर।

(अन्तरक)
3 जैमाकि ऊपर न० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रष्टत स्थानों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अनाजी 2 कनाल 6 भरसे, 6 सरसाई गाव खुरला
में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन न० 4313, दिनांक
मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

जे० ए.ल० गिरधर

मकान प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक: 12 मई, 1982
मोहर

प्रह्लाद प्राई ३० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1982

निवेश सं० 3150—यस०, मुझे, जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि उद्धावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।
श्री जिपकी सं०जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला
में स्थित है (श्री इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

का उत्तर्वक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिक्षीय
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिलबाग सिंह पुत्र उधम सिंह,
वासी 300-एल, माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री हरविन्द्र पाल सिंह, चरनपाल सिंह, सुरिंद्र पाल सिंह
पुत्र मनमोहन सिंह, हरिन्द्रजीत सिंह पुत्र हरकिशन सिंह
व मोहन्द मिंह पुत्र प्रेम सिंह
वासी ई. ओ.-79, सौदा गेट, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जा व्यक्ति सम्पत्ति में हव्वि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्यक्ष
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त उद्यावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

उद्योग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
होगा है।

अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 2 कनाल, 6 मरला, 6 सरसाई जोकि गांधी
खुरला में स्थित है तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 4064,
दिनांक सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर
ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12 मई 1982

मांहूर :

प्रलूप आई.टी.एन एस .-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मई, 1982

निवेश सं 3151 -यत., मुझे, जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मर्भे यह दिशाना
करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पल्ह ह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अर्तारसी
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्णयत में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायरें में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
उद्देश्य

(ख) एसी किसी आय या एकसी धन या अन्य आमतयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात् —

1. श्री गुरबखश सिंह, गुरदेव सिंह पुत्र अमर सिंह
गाव वडाकम्बाना रेक, तह० जालन्धर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स पैस० पैस० पंजाब पाईग फिटिंग्स,
बाई पास, अमरनगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पर्जन है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारा करके पृष्ठांत सम्पत्ति के अर्जन के निए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भास्तात में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
तास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पर्जन मकान जोकि बाई पास अमन नगर में स्थित है तथा
व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3884, दिनांक सितम्बर, 1981
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 10 मई 1982
मोहर .

प्रस्तुप आई टी.एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मई, 1982

निवेदण सं. 3152—यत मुझे, जे० एन० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

आँग निम्नका सं. जैया कि अनुसूचा में निखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (आँग इसमें उपावद्ध अनुसूचा में आँग पूर्ण रूप से
वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्री-न्न अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान
दिनांक मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है आँग अन्तरक (अन्तरक) आँग
अन्तरक (अन्तरक) के बाहर एस अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त आय-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा अंकित
मार्ग/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीक्ष ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन —

- 1 श्री जगमोहन सिंह पुत्र ईशर सिंह
वासी 696, मोता सिंह नगर, जालन्धर।
(अन्तरक)
- 2 श्री शार्ना मस्तप, मेहता, पुत्र बदरी नाथ,
वासी 352, मास्टर नारा सिंह नगर, जालन्धर।
(अन्तरिती)
- 3 जैया कि अपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचिं रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षर हैं
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिन्द्रद्ध है)

नो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्यता :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठो नं. 352 जोकि मास्टर नारा सिंह नगर में
स्थित है तथा व्यक्ति जैया कि विलेव नं. 4360, दिनांक
मितम्बर 1981 को राजस्ट्रीवर्ती अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

जे० एन० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख - 10 मई 1982

मोहर

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1982

निवेश सं० 3153—यतः मुझे जै० ए८० गिरधर,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

३ असकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव सदीक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने कायालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक भितम्बर, 1981

को पूर्णीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वैकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँहूँ किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाञ्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिलिया के लिए।

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षीत :—

१. श्री हरदेव सिंह पुत्र मुन्नी रिह,

वासी गांव सदीक तहू फरीदकोट।

(अन्तरक)

२. श्री राम सरूप, घारा लाल, दीवान चन्द व मदन लाल पुत्र चानन गम, ए८-२, माल रोड, फरीदकोट।

(अन्तरिती)

३. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

४. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधिहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कों यह सूचना जारी करके पूर्णीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहर्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लब्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अरगजी 120 कनाल 9 मरला का 1/2 हिस्मा जांकि गांव सदीक में स्थित है तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेखन नं० 2848 दिनांक भितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने भिखा है।

जै० ए८० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीखः 12-5-1982

मोहरः

प्रस्तुप आर्ड नं. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1982

निवेश सं. 3154—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ३० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मितम्बर 1981

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था एवं किया जाना चाहिए था, लिखान में सुविधा
के लिए;

1. श्री हरगजन मिह पुत्र धामेना गिह, प्रिनीगां,
जी० जी० एस० पब्लिक स्कूल नजदीक
एस० डी० एम० कोटि, मुक्तसर।

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर नाल पुत्र जै राम दास, गुरचरन मिह पुत्र
अतर सिंह
वासी अरोड़ा स्ट्रीट, कोट कपूरा-मुक्तसर रोड,
मुक्तसर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं. २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

मम्पति प्लाट 2 कनाल जो मुक्तसर में स्थित है तथा
व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं. 2151, दिनांक सितम्बर, 1981
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12-5-1982

मोहर :

अत. अद्व., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नरूपित व्यक्तियों, अर्थात् ---

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
दार्यालय, सहायक आष्टकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्थर
जालन्थर, दिनांक 12 मई 1982

निवेदन नं 3155—यत मद्रे, जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
तारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जैशा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तमर
में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तमर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक निम्नवर, 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाण गया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्धित में
वास्तविक स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आमिनयों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम 1921 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 श्री राविन्द्र गिह पुत्र ईशन मिह पुत्र मुल्ली सिंह, भण्डारी
वामी मुक्तमर, भण्डारा गोड, नजदीक गोदो हड्डीजे
मुक्तमर।

(अन्तरक)

2 श्री बलगत दीर्घ पत्नी रुधि सिंह, व गुरजीत कोर पत्नी
बलबीर मिह, वामी गोदी मगर, तहो मुक्तमर।

(अन्तरिती)

3 जैमा कि ऊपर नं० 2 म लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुच रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रोता हस्ताक्षरी
नाना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति का अजें न के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 2 कनाल, जो मुक्तमर में स्थित है तथा व्यक्ति
जैमा कि विलेखन नं० 2161, दिनांक सितम्बर, 1981 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तमर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्थर

तारीख 12-5-1982
मोहर

प्रकल्प बाई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
श्रीमंति रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई 1982

निदेश नं० 3156—यनः मुझे, जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' बता गया है), की धारा
269-ग के अधीन सधार्थ प्राधिकारी को, यह विश्वास दरने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,010/- ल. से अधिक है
प्रीति जिसकी सूची जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (प्रीति इसमें उपायदृष्टि अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्णता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए उत्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथात् वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दर्शमान प्रतिफल से ऐसे दर्शमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतेशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) एवं बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, जिसलिएक्त उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से संचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी भाय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या जन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृद्धि था, छिपाने में स्विधा
के स्विधा;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, जिसलिएक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—
7—106GT/82

1. श्री उत्तम मिह पुत्र हरवंश सिंह
व जालन्धर कौर पत्नी उत्तम मिह
वासी बी.आई./810-बी-12, न्यू लक्ष्मीपुरा, (लक्ष्मीपुरा)
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती संगोप कुमारी पत्नी वेद प्रकाश
वासी, बी.आई./810-बी-12, न्यू लक्ष्मीपुरा, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके प्राधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह पमति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां दरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाइंद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हित-
बृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास सिलित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकाण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० बी.आई./810-बी-12, का दिन्मा जो
कि न्यू लक्ष्मीपुरा, में स्थित है तथा व्यक्ति, जैसा कि विलोक्त नं०
4057 दिनांक मितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर

सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
श्रीमंति रेंज, जालन्धर

तारीख . 13 मई, 1982

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई, 1982

निशेष नं. 3157 —यत् मझे, जो ० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
यारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. रुपयोगी है

और जिनकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
नहिं है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
प्रतिफल का कारण है कि इथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
गत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूष
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्राप्ति, अन्तरिति उद्दरश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में गलत रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायत्व में कमी करने वा उससे बचने में मूर्चिका
के लिए; और/या

(म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आय
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के इयांसाथ अन्तर्गत स्थान प्रवर्त नहीं होया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मूर्चिका के लिए;

अनु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमति
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री उत्तम सिंह पुत्र हरबंस सिंह व
जसवन्त कौर पत्नी उत्तम सिंह
वासी बी.आई./810-बी-12, मुहल्ला न्यू लक्ष्मीपुरा,
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री वासदेव पुत्र राम प्रसाद
वासी बी.आई./810-बी-12, न्यू लक्ष्मीपुरा,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें हवा रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यपालियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसंधी

सम्पत्ति मकान नं० बी.आई./810-बी-12, जो कि न्यू
लक्ष्मीपुरा में स्थित है तथा व्यक्ति, जैमा कि विलेखन नं० 4463
दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
में लिखा है।

जो ० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 12 मई, 1982

मोहर :

प्रस्तुप बाई^१, टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेंज, जालन्दर

जालन्दर, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं० 3158—यतः मझे जै० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बरयाना
में स्थित है (और इससे उपादद्व भनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्दर में
रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने व्ये
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मांगे राम पुत्र भूलाराम

बासी गांव बरयाना, तदृ जालन्दर।

(अन्तरक)

2. जय भारत ट्रेडिंग कंपनी,
कपूरथला मंडी।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रपता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई आधेष्टः—

(क) इस दृचता के राजपत्र में प्रकाशन की दारांख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-के परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भराजी 10 कनाल, जो गांव बरयाना में स्थित है
तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4173, दिनांक सितम्बर, 1981
को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्दर में लिखा है।

जै० एल० गिरधर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्दर

तारीख 13 मई, 1982
माहेतु :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई 1982

निदेश सं० 3159—यतः मुझे जै० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा
महिला मिहू में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक पितम्बर 1981
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अनुरण के लिए तथा याय याय याय प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्धरेय से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अंतरण से हूँ रुप जैसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुधार
के लिए छौट/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुधार वै लिए।

अतः वाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरखंस सिंह पुत्र जगीर सिंह
वासी मोगा महिला सिंह, मोगा।

(अन्तरक)

2. श्री अमृतलाल गप्ता, पुत्र मिलखी राम
वासी अकालसर रोड, मोगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्धित दा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में तमाद्द होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
दिल्ली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1 कनाल, 1 मरला, जोकि मोगा महिला सिंह में
स्थित है तथा व्यक्ति, जैसा कि यिलेक नं० 5413, दिनांक
सितम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा
है।

जै० एल० गिरधर
सम्म अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13 मई, 1982
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आदिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई 1982

सं० ऐ० पो० 3160—यत्. मुझे ज० एल० गिरधर

आदिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा
महिला सिह में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में
रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1 रितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पूर्व ह्रास उक्त सम्पत्ति के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पात्र गया प्रतिफल,
निम्नान्वयित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वान्तरिक
रूप से कीथत नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन वर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आदिकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृहए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम को भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

1. श्री हरवंस सिह पुत्र जग्नार सिह,
वारी मोगा महिला सिह,
मोगा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शशी कान्ता पति श्री रोमेश कुमार,
आकालसर रोड, मोगा ।

(अन्तरिती)

3. जना कि ऊर नं० 2 में लिखा है)

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति
है)

4. जो भी व्यक्ति सम्पत्ति पर राँच रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके दारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति 1 कनाल 1 मरला जो कि मोगा महिला सिह में
स्थापित है । तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5206, दिनांक
पिंतबर, 1981 को रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है ।

ज० एल० गिरधर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आदिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर ।

तारीख : 13-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप् आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहगंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई, 1982

निवेश सं० ए०पी० 3161—उत्त: मुझे, जे० ए० ए० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन संख्या अधिकारी को, यह विवरास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा
महिला सिंह में स्थित है (और इसके उपावद अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय मोगा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मूर्भे यह विवरास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्राप्त-
फल निम्नालिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण तं हर्द लिखी थाए की बाबत, उक्त
लिखितम् के अधीन कड़ हों के अस्तुक के विवित
में कही कहुए या उससे दूसरे में सुविधा के लिए;
जाह/वा

(ख) पुंछी लिखी थाए या लिखी थाए वा वृष्ट जाइस्याँ
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उत्त: लम्ब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

1. श्री हरप्रसाद सिंह पुन जगीर सिंह
वासी मोगा महिला सिंह, मोगा।

(अम्तरक)

2. श्रीमती शीला रानी पत्नी जगदीश राय,
वासी अकालसर रोड, मोगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचि रखता है।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वान्धी व्यक्तियाँ पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
लिखितम् के अन्तर्गत 20-के में परिभ्राष्ट हैं,
नहीं वर्ण होता जो उस अन्तर्गत में विद्या गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति प्लाट 1 कनाल 1 मरका, जोकि मोगा महिला सिंह
में स्थित है तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 5413, दिनांक
अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी मोगा ने
लिखा है।

जे० ए० ए० गिरधर

संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13 मई, 1982

मोहर:

प्रस्तुप धाई० टी० ५८० पृष्ठ०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई, 1982

निदेश सं० ऐ० पी० 3162—यतः मुझे जै० ए८० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेतास करने का कारण है कि उत्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि आनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध आनुसूची में प्रैरं जो पूरी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे इविवेतास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे तरह मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और पन्द्रह (प्रतिशतों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिखित में वात्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर के के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

अन्तःश्रव, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्तयों, अवृत :—

1. श्री हरबंस सिंह पुत्र जगीर सिंह
वासी मोगा महिला सिंह, मोगा।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार पुत्र मिलखी राम
वासी अकालसर रोड, मोगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उत्थावर सम्पत्ति के अर्जन के लिए भी आक्रमणः—

- (क) इस मूचना के राजाव भी अवाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितरणों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तयों में से किसी अवितरण द्वारा;
(म) इस मूचना के राजपत्र में प्रवाशन भी तारीख से 45 दिन के भीतर उत्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए अन्य अवक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किये जा सकेंगे।

प्रष्टोक्तरग :—इसमें नयुक्त घटनों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधायाय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1 कनाल 1 भरला जोकि मोगा महिला सिंह में स्थित है तथा व्यक्ति, जैसा कि विनेख नं० 5414, दिनांक अक्टूबर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा है।

जै० ए८० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13 मई, 1982
मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी० टी० एम० एस०—

आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुर्क (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3163—यतः मुझे जे० एल० गिरधर, आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मोगा में स्थित है (और इससे उपावद में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में राजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पत्रिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप्त पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उसमें अन्तरण लिखित में बारतीय कप से कृपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयतन अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपषारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति:—

(1) श्रीमती सवरना देवी पत्नी देसराज पुरी, वासी बाग धनपत राय गली, मोगा महिला सिंह, मोगा।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती चरनजीत कौर पत्नी सुरजित सिंह, ओल्ड पोस्ट आफिस, गली बाग धनपत राय, मोगा महिला सिंह, मोगा।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है फि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई दो आमेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ हो गा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० बी०एक्स०प्राइंटी०/507 का हिस्सा जो कि मोगा में स्थित है। तथा व्यक्ति जैसा कि लेख नं० 5163 दिनांक सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा है।

दिनांक : 14-5-1982

मोहर :

जे० एल० गिरधर

सभाम प्राप्तिकारी

सहायक आधकर आयुर्क (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालंधर

प्रकल्प बाई.टी.एन.एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 मई, 1982

निदेश सं० ए० 3164—यतः मुझे जै० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा मोगा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक
दिसंबर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्डह प्रतिक्रिया से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और
प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(अ) प्रस्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए,
पौर/या;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम, द्वी धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—106GI/82

(1) सुरिन्द्र मोहन जौ० ए० बालाराम पुत्र खुर्सीराम
टिम्बर मर्चेट्स, प्रताप रोड, मोगा।
(अन्तरक)

(2) श्री मुरजीत सिंह पुत्र गुरबख्न सिंह, ओल्ड पोस्ट
फ्रांकिस, गर्वी बाग धनपत राय, मोगा।
(अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० BXI / 507, का हिस्सा, जो कि मोगा में स्थित
है, तथा युक्त जैसा कि विलेख नं० 6447 दिनांक दिसंबर,
1981 का रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी मोगा ने लिखा है।

जै० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक : 14-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 मई, 1982

निदेश सं. ए० 3165—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर,

1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सतप्रकाश, देविन्द्र नाथ पुत्र फकीरचन्द व राजरानी
विधवा व भूपिन्द्र कुमार, प्रदीप कुमार, राजेश कुमार
पुत्र व सरोज, सुमन, पुर्वीयां, ओमप्रकाश वासी-83
संत नगर लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री शक्तिपाल पुत्र वेसराज व देसराज पुत्र द्वार्गाम
ओल्ड पोस्ट ऑफिस गली बाग धनपत राय, मोगा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति नं० BXI/506 का विस्ता जो कि मोगा में स्थित
है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5416 दिनांक अक्टूबर,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर।

दिनांक : 14-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई, 1982

निदेश सं० ए० पी० 3166—पतः मुझे, जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-ए के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से
अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मोगा
में स्थित है (और इससे उपावद्व में अनुसूची और पूर्णरूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मोगा में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

पतः प्रब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-ए के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की ओरा 269-ए की उपलापा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री सतप्रकाश, देविन्द्र नाथ पुत्र फकीरचन्द व राजेशनी
विधवा व भूपिन्द्र कुमार, प्रदीप कुमार, राजेश कुमार
पुत्र व सरोज, पुष्पा, सुमन, पुत्रीयां और प्रकाश,
वासी-83-संतनगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सवरना देवी पत्नी देसराज पुरी, औल्ड
पोस्ट ऑफिस, गली बाग धनपत राय, मोगा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुच रखता है। (यह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अस्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० BXI/506 का हिस्सा जो कि मोगा में स्थित
है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5417 दिनांक अक्टूबर,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी मोगा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक : 14-5-1982
मोहर :

प्रस्तुप बाहौदर, टॉ. एन. एस. -----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 मई, 1982

निवेश सं० ए० पी० 3167—यतः मुझे, जे० ए० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उड्डेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्दृश्य किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगिता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए-की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सतप्रकाश, देविन्द्र नाथ पुत्र फकीर अन्व व राजरानी विधवा भूपिन्द्र कुमार, प्रदीप कुमार, राजेश कुमार पुत्र व पुणा, सरोज सुमन, पुष्पीया श्रीमप्रकाश बासी 83, संतनगढ़, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चरनजीत कौर पत्नी सुरजीत सिंह, ओल्ड पोस्ट अफिस गली बाग धनपत राय, मोगा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० BXI/506 का हिस्सा जो मोगा में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5418, दिनांक अक्टूबर-1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा है।

जे० ए० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालंधर।

दिनांक : 14-5-1982

मांहर :

प्रकृष्ट प्राई. टो. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 मई, 1982

निवेश नं. ए. पी. 3168—यतः मुझे, जे. एल. गिरधर, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का फ़न्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी:—

(1) श्रीमती सवरना देवी उर्फ सवरनमता पर्ती देसराज पुरी, वासी बाग धनपतराय, मोगा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अरनजीत कौर पत्नी सुरजीत सिंह, वासी बाग धनपत राय, ओल्ड पोस्ट अफिस, मोगा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह, सम्पत्ति में हितबद्ध है)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कांडे भी शाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्मबद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं. BXI/506, जो मोगा में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5595 दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मोगा ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालंधर।

दिनांक : 14-5-1982

माहर :

प्रह्लप धाई० टी० एन० पस :-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-ब (1) के बंधों सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 मई, 1982

निवेश में 3169—यत मुक्ते जे एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इन हथात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ब
के अंतर्गत मशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि व्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है।

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो महला
प्रेमगढ़, होशियारपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1981
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में रूप के ५३ मान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्में यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निपातन पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस प्रतिशत लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के प्रतिरक्त के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अध्य आरितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री उदय चन्द्र पुत्र सुन्दर दास,
वारी फगवाड़ा रोड, होशियारपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरमीत कौर परनी पुथपारा सिंह व
पुथपाल मिह पुत्र श्री राम सिंह, वारी गांव बजाड़ा
खुरद, जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन बी अवधि या उसमध्ये व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन बी अवधि, जो भी
अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा फि विनेख नं० 2622, दिनांक
मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने
लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालंधर

दिनांक : 12-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कोर्टीलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 14 मई, 1982

निदेश सं. 3170—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन रक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नवां
शहिर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवा शहिर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार में कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

(1) डा० काबूल सिंह पुत्र शिवचरन सिंह,
वासी मकान नं० 654, गुरु नानक स्ट्रीट, नवा शहिर।
(अन्तरक)

(2) श्री बूजमोहन सिंह व शिवचरन सिंह पुत्र सरूप सिंह,
वासी 457 ग्रादर्श नगर नवा शहिर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रहता रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2371, दिनांक
सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवा शहिर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 14-5-1982
माहर :

प्रसूप बाई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 मई 1982

निकेश सं० ए० पी० 3171—यतः मुझे, जे एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार में कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(इ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सबरन लता विधवा अवनाश चन्द्र पुत्र
बनारसी दास, वासी एन० वी०-15, टाङ्गा रोड
जालंधर।

(अन्तरक)

(2) एम० एस० मलहोत्रा बुक डिपो नजदीक अड्डा टाङ्गा
रोड जालंधर/मार्फत अशोक कुमार (पार्टनर)
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

कर्ते यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी नं० BI-82 का 1/3 हिस्सा जो गांव रेल
नजदीक के० एम० वी० कालिज स्थित है तथा व्यक्ति
जैसा कि विलेख नं० 3823 दिनांक मितम्बर, 1981 को रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जै० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर।

दिनांक : 14 5-1982

मोहर :

प्रस्तुप जाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1982

निदेश सं० ए० 3172—यत्. मुझे, जे० एल० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के ग्राहीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
ग्राहीन सितम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल तिम्लिसित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे भवने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के वर्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात्:—

9—106GT/82

(1) श्रीमती सवरन लता विधवा ग्रवनाश चन्द्र पुत्र बनारसी
दास एन० बी०-15, टाडा रोड, जालन्धर।
(अन्तरण)

(2) माइन पब्लिशर्स, अड्डा टाडा, जालन्धर
मार्फत अशोक कुमार (मालिक)

(अन्तरिती)

(3) जैमार्कि पैरा न० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिर्भाग में सम्पत्ति है)
(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीपूर्ण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० बी०आई०-82, का 1/3 हिस्सा, जो कि गांव
बेह में स्थित है, तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3868 दिनांक
मितम्बर-1981 का रजिस्ट्रीकर्ता-प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर।

दिनांक : 14-5-1982

मोहन

प्रलेप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 मई 1982

निवेश मं. 3173—यतः मुझे, जे० ए० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अन्तसूची में लिखा है। तथा जो जालंधर
में स्थित है (और इससे उपरांड में अन्तसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालंधर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक सितम्बर, 1981,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उच्चतर से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्द, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती सवरन लता विधवा अबनाश चन्द्र पुत्र
बनारसी दास, वासी-एन० बी०-15, टांडा, रोड
जालंधर।

(अन्तरक)

(2) एम० बी० ई० इन्टरप्राइजेम प्रा० लि० नजदीक
अमूर टांडा रोड, जालंधर/ मार्फत श्रीमती सतीश
बाला (डायरेक्टर)

(अन्तरिती)

(3) जैसाकि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में शब्द रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
नीतियम, के अध्याय 20-क में वर्णित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममृता

सम्पत्ति कोठी नं० बी० आई०-८२ का 1/3 हिस्सा जो गांव
रेह नजदीक के० एम० बी० कालिङ्ग स्थित है तथा व्यक्ति जैसा
कि विलेख नं० 3876 दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे० ए० गिरधर
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक : 14-5-1982
मोहर

प्रकल्प आई० ई० एस० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 मई, 1982

निदेश सं० 3144—यतः मुझे, ज० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संरचना, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो खुरला
में स्थित है (और इस उपावद्व में अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक सितम्बर, 1981,

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति
फल के सिए अवधिरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तर (प्रत्यक्षरकों) और अन्तरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के निए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण विविध तंत्रात्मक रूप से नहिं किया गया
है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
पौर/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम' 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :--

- (1) श्री दिलबाग सिंह पुत्र ऊधम सिंह वासी-300-एल०
माडल टाउन, जालंधर।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती जगतार कोर पत्नी गुरबख्हा सिंह व परमजीत
कोर पत्नी नविन्द्र सिंह व गुरबख्हा सिंह पुत्र जैमन
सिंह-वासी, ई० बी०-23, काजी मोहना, जालंधर।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपर्क के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी वाक्येप :--

- (क) इस सूचना के राजगढ़ में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, स भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में कियो अप्रक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगढ़ में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त संपत्ति में
हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अड्याय 20-क में
परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 2 कनाल 6 मरला 6 सर० जो कि गांव खुरला
में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख व न० 4194 दिनांक
सितम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा
है।

ज० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक : 12-5-1982

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बैरो० रेंज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,

इन्डप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू-2/एस० आर०-2/9-81/
5515:—अतः मुझे, नरेन्द्र मिहि,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यद्युविश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इयरे प्रति है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-टिकी कलां, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह
दिशनाम करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसा
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे ग्रन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उदाहरण से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया यात्रा है:—

(क) ग्रन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाथं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः, प्रब्ले, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-
सार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:

(1) श्री भोदेव सिंह, महिन्दर सिंह, प्रेम, सुखबीर सुपुत्र
श्री गिरधारी निवासी—ग्राम-टिकी कलां, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम किरपाल सिंह, निवासी—5829, गली
मटका बाली, सदर बाजार, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना नीरो हरेन्द्र पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की यत्क्रिया नवसंबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि इवां में
मापाण होती है, 5 मोहर यूर्वेसा अवित्यों में ने
किसी अवित्य द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोड़स्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रब्लोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम न अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनूत्तमी

कृषि भूमि 1 बीघे 17, 1/2 बिल्डे, स्थापित—ग्राम-टिकी
कलां, दिल्ली ।

भरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1982.

मोहर :

प्रधान प्राइंट ऑफ़ एन॰ एस॰—
ग्रामीण प्रविनियम, 1981 (1981 का 43) को
धारा 269-ग (1) के अधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ब्रजन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निवश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-2/एस०आर०-2/9-
81/5662:—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

प्रायकर प्रविनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम, कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमिका हिस्सा तथा, जो ग्राम-टिकरी कलां,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का अन्तह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तरण में उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रविनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्रयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धनकर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जहाँ अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुभ राम, रिसल सिंह, केनरी, हजारी कली, प्रस्ताव इत्यादि, निवासी-ग्राम-टिकरी कला, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीना सेठ पत्नी श्री शिव सेठ, निवासी-413, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में लाइन भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

कृषि भूमि 13 बिल्के, ग्राम-टिकरी कला, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सकाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
नई दिल्ली-2, नई दिल्ली।

तारीख : 14-5-1982.
मोहर .

प्रकृष्ट प्राप्ति ३० एवं ५०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०-२/एस०आर०-२/९-
८१/५४७४:—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की भारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं. कुषि भूमि है तथा जो ग्राम-हस्तसाल, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावन अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अस्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व वें कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री याद राम मुपुत्र श्री बुध राम, निवासी ग्राम-धोर
पौ०-हस्तसाल, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार तनेजा, मुपुत्र श्री गणेश दास तनेजा,
निवासी-सी-3, कृष्ण पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयाद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

कुषि भूमि 4 विधे और रेकटेंगल नं० 54, किला नं० 3,
स्थापित-ग्राम-हस्तसाल, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1982.

मोहर :

प्रकृष्ट आहूँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन मूच्चा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०-२/प्र०प्रार०-२/९-
८१/५४७९:—अतः भुमि, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि ग्रामवाला मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बकरवाला, दिल्ली,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीड
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरू किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
द्वारा दूसरे में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी दून या अन्य आमिनयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

(1) श्री दया नन्दा सुपुत्र श्री छानो, निवासी—ग्राम-बकरा-
वला, दिल्ली ।

(2) श्री ईश्वर सिंह सुपुत्र श्री गुरदयाल सिंह, श्रीमती
यशवान्ती पत्नी श्री दया नन्दा निवासी—ग्राम-बकरा-
वला, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुव
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अन्तसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 13 बिल्डे और 10 बिल्डे, ग्राम बकरवला,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1982.
माहर :

क्रमसंख्या: दी. पर. वृत्त. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाषुक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/९—
४१/५४६६:—ग्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-टिकरी कलां, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूली में पूर्व रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमाल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमाल प्रतिफल से, एसै इसमाल प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित
(अंतरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्री सुल्तान और अन्वर प्रकाश सुपुत्र श्री शिव नरायण,
निवासी—ग्राम—बरारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रमुतसर इन्जीनियरिंग वर्क्स, 1932/147, वी
नगर, दिल्ली-35, डारा पार्टनर एस० छतर सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अन्मूली

(क) एसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

कृषि भूमि 7 बिंशे, किला नं० 709, एस० एन० ओ०-३१,
ग्राम-टिकरी कलां, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम जाधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

अन्त अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षा :—

तारीख : 14-5-1982.

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एव०-२/ए० आर०-२/९-८१/

5516:—ग्राम, मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहै), की
धारा 269-ब्र के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिमकी मं० कुवि भूमि है तथा जो ग्राम-टिकारी कला दिल्ली
में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्वारा अनुसूची में पूर्व स्थ में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तरीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र बास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकल्प नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—106GI/82

(1) श्री भींदी देवी गिर्ह, महिन्द्र सिंह प्रेम सुखबीर नुपुत्रगण
श्री गिरवारी निवासी—ग्राम-टिकारी कला दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) गोकुल द्वन्द्वप्राद्वंजेज, 2936 बहादुर गढ़ रोड़, दिल्ली
मदस्य श्री जनार्दन राज और मनोहर नाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याप्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिसिंग में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनेयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि 1 विधा 7, 1/2 विधे, ग्राम-टिकारी कला दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली।

तारीख : 14-5-1982.

मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामारू, रहने वाला कर अग्रदृश (निरीक्षण)

अंतर्राजनीति और संविधान सभा

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एड०-२/ए० आर०-२/७-
४/५४९५-अन्तर्राजनीति, नरेन्द्र प्रियः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पद्धति 'संवत् आईनोंम' कहा गया है), की धारा
269 वाले अधीन प्रदृश इनी-गानी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि आयकर अधीन, निर्मल चंद्र गांधी मल्य
25,00/- के अधिक है

अब आईने की रूपी भूमि है तथा जो ग्राम-निरीक्षण दिल्ली में
स्थित है (प्रोटोइनोवड नगरपाली से छोर पूर्वी है जिसका नाम है)
रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के नाम नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीर्ड अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
प्रारंभित 1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल ८, १०४ रुपये रुपये दो दिनों हैं और भूमि द्वारा विश्वास
द्वारा, दो दिनों हैं कि द्वारा दो दिनों तक उत्तराह याजार
मल्य. उस द्वयमान प्रतिफल के, एक द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत या अधिक है और अन्तर्गत (अन्तर्राजनीति) और
उन्हें गानी (प्रतिरिक्षित) के बीच ग्राम-नियम के लिए तथा
प्रादान गानी प्रतिरिक्षित, निर्मल चंद्र गांधी के लिए उक्त अन्तरण
प्रतिरिक्षित गानी के लिए ग्राम-नियम के लिए गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे पर्याजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना नहीं था इप्पने में समिधा के लिए;

(1) श्री विजय सिंह सुपुत्र जग लाल निवासी—ग्राम-रियल
दिल्ली द्वारा जेनरल सहायत मदन लाल सुपुत्र श्री
चंद्रगी राम, ग्राम-रियल, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री शिशन कुनार सुपुत्र श्री हीरा लाल, शिव कुमार
सुपुत्र श्री राम धन राम दास सुपुत्र श्री राम धारी और
मदन लाल सुपुत्र श्री चंद्रभान मर्फत गोयल ग्राम
द्वारा जिला लारेन्स रोड नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षरेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की उचित या तत्संयोगी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त संगवर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिस्तादारी के
पारा लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 बघे खसरा न० 1141/2 ग्राम-रियल, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
मक्तम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंतर्राजनीति-2, नई दिल्ली ।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मौजूदा उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निर्माणित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-5-1982
मोहर :

प्रह्लाद आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) वाई
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत प्रबन्ध

कार्यालय भारतीय आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० अ० ई० ए० सी०/एक्य०-२/एस० अ० २०-२५०-
८१/५४८७ - अनु मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके 'अवृत्त' 'उन्नत अधिनियम' ग्रहा गया है), धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, वृषभास करने का कारण
है कि 'थावर सम्पत्ति, विभाग उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी स० छुपि भूमि है तथा जो शाम अमलन पुरखादर,
दिल्ली से देखा है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची न पूर्व रूप रो बर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्न अप्रिकारी के कालिक, नई देल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन,
तारीख रितम्बर, 1981

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकूल
के लिये अन्तर्हित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि धारा 269-घ सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत न
अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षको) और अन्तरिक्ष (अन्तरितों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी नहीं या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहें था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कृषि भूमि 10 विंग्टे, गाम-न्यायालय, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-5-1982
मोहर

(1) श्री नन्दन निंदु चुम्बु श्री छात्र शिल्पी ग्राम
असलतपुर खादन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उम्मला देव पत्नी श्याम राम, निवासी
ए२/१५ जनस्तपुरी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना ग्राम कोठे मूदे के सम्मान के लिए काम करने के
लिए लायेंगी हिंदी शरता ।

इकूल सम्मान के लिए कोठे मूदे का लायेंगा ।

(ख) इन दो वार्षिक दूरी के लिए अवधि वा अन्तरिती लायेंगा या
सूचना दो तारीख 130 दिन लेवरी, 130 मी
अवधि वार्षिक में उम्मला नामों के सातर पुनर्कृत
शासामा में लिपि लायी गया,

(ख) इन दोनों के लिए या अन्तरिती लायेंगा या
15 दिन के भीतर उक्त दावर सम्पत्ति पर निवाल
लियी गयी वर्तमान लायाप्तिकी के लाये
किए गए लिए जा सकते ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्राम या, जा० उक्त लायें
पिया, न अद्याव ८००+ लिखित है वही
जा० जा० उक्त लायेंगा में लिया गया है।

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्य०-२/एस० आर०-२/९-८१/५६४५.—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी गं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व स्वप से वर्णित है), रजन्ट्रोहरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख मित्रवद, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हैं दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ग्राम प्रतिफल निर्मालित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्चत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उच्चत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उच्चत अधिनियम को धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन, निर्मालित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भारत श्री, रघुवार श्री, सुपुत्र श्री रत्न राम, निवास-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं महेश्वरी इलेक्ट्रिक मैनुफेक्चरिंग (प्रा० लि०) 505 हेमकन्त हाउस, राजिन्दर पैलेस द्वारा एम० जी० श्री घनश्याम महेश्वरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उच्चत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति से द्वारा,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हितबूष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 विधा 7, 1/2 विश्वे, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली ।

तारीख : 14-5-1982.

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री सरदार सिंह और मारे गाम, मुपुन्न श्री लंजी,
निवासी—ग्राम—ठिकरी कला, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रामनी सलोचना पत्ता, धरम नाल, निवासी—596
नांगलोई, दिल्ली।

(अन्तरितो)

आयकर संसद

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/४५०-२/एम० आर०-२/९-
८१/५४६८----अतः मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० कृषि भूमि है नथा जो ग्राम—ठिकरी कला, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में पूर्य स्वप्न में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मित्तन्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(घ) पूर्णे किसी बाद या किसी धन या बन्ध आमतर्या
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना जारी था छिपाने में
सुरक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्सरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकतः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कार्य प्र० प्री नालैप०।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

कृषि भूमि 1 बिधा भाग खसरा का-831, 832, ग्राम—ठिकरी
कला, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह,

सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1982.

मोहर :

पर्याप्त आदेश, दृष्टि, उत्तम विकास

अस्पकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की
धारा 269 वा (1) न अधोन संचया।

३५४

कार्यालय, सहायक आमंत्रक दायुक्त (निरीक्षण)
श्रीराज रेड्ड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिसंबर 14 गई, 1982

निर्देश रां० आदौ० प० री०/प्रक०-२/एम० आर०-२/९-
 81/5461-- अन्॒ तुले, नरन्द्र पि॒,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उत्तम अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-के अंतिम संकलन प्राप्तिकारी को यह क्रियास करने का
 कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूलम
 25,000/- रु. में ओप्पव है

श्रीराजस्की में ० ठुणि भूमि है तथा उस भूमि के बाहरीला, दिल्ली में स्थित है (याँ : उसे उपायकार्य अनुसंधानी में पोः पूर्ण रूप में धर्मित है), एकिस्ट्रीकर्फ अर्थात् राजीव नदी दिल्ली में रजिस्ट्रीरण आधिकार्यम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख पितृ व्रत, 1981

को पूर्ववित भभात्त के उचित बाजार मूल्य से दम्भ के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तर्राष्ट्रीय की गई है और मूँहे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्षण संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल वा पन्ध्रह प्रतिशत % अधिक है और अन्तररक (अन्तररक्त) और अन्तररेती (अन्तररक्तमा) के 100% 4 का 100% द्वय मूल्य प्रतिफल निर्णयिता कर द्या जा सकता है इसके अन्तर्विता मूल्य से कमित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए:

अतः अब, उक्त उपर्युक्तिगम की धारा 269-ग के दानुसारण में, मैं, उक्त उपर्युक्तिगम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लक्ष्मी राम सुपुत्र श्री चमन, तिवासी-ग्राम-बररौला,
दिल्ली । (अन्तर्रक)

(2) श्री प० पं० मेहरा सुपुत्र श्री अमर नाथ, तिवासी-
35, पश्चिम मार्ग, बसन्त बिहार, नई दिल्ली । (अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उबत रम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आधेप :-

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भारत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(३) दूर क्षेत्र के राजपत्र में भक्ति की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोकस्ताक्षरी के पास लिखित से हिए जा सकेंगे।

स्पर्द्धीकरणः—इसमें प्रथमता शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही जर्त होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

४५८

कृषि भूमि 4 बीघे 16 बिश्वे, ग्राम-बपरौला, किल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सप्तम प्राधिकारी

तारीख : 14- 5- 1982.
मोहर :

प्रस्तुत अड्डे दी पट्टा पर्स -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सचमा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ५० भी०/पकू० २/०८० ग्रा००-२/९-
४/१५४९७:—अतः मुझे, तरेन्द्र पिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) तिथे
इसमें इपके प्रवाने 'अक्त अधिनियम' दर्शाया गया है) कि भारा
269-घ के अधीन सम्म प्राप्तवारी को एहे विवराम करने का
कारण है कि स्थावर नम्पात्ता, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ब्राण्ड है तथा जो ग्राम-माहिवाला, दौनतपुर
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसन्धी में एवं रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के बादीय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मित्रवर, 1981

को पूर्णत संपर्कित के उचित बाजार मूल्य से का के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत को गहरे है और अभी यह प्रवाना
करने का कारण है कि यथावौंके संपर्कित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह इंग्रजन म अधिवाय है और अतर क (अतरपर) और अपरीती
(अतरिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाठा गया प्रतिफल
निम्नांकित उद्दीपन से उत्तरान का तात्पुर म दा अवक
रूप म कार्यित नहीं किया गया है:—

(१) अन्तरण में हृद किसी आय को बाबन, अक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
द्वारा अन्य कमी करने या उसमें बचाने में भावधा
के लिए; और/ए

(२) एसे किसी आय या दिसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) श्री रामधीर पिह गुप्त भी लाल राम, निवासी-ग्राम-
माहिवाला, दौनतपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) श्री जय नरायण देवेन्द्र कुमारगन, 4854 चौक बारा
टूटी, दिल्ली द्वारा सदम्प श्री देवेन्द्र कुमार ।

(अन्तरिती)

को गहर संवना जारी करके प्रवोक्त सम्पर्क के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

‘क’ सम्पर्क के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी धार्थरेः—

(क) इस संचना के अंतर्गत में प्रकाशन की तारीख से
५५ दिन की अवधि या रात्सम्बली व्यक्तियों पर
नूचना की तारीख वे १० दिन की अवधि, जो भी
अवधि छाड़ में समाप्त हाती हूँ, के भी-र पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ‘किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस संचना के गजपत्र में काशन भी तारीख से
५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क में हितबूद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा धर्महस्ताक्षरी के पास
लिखित में विए जा सकेंगे ।

रणनीतिकरण ---इसमें प्रयत्न भज्जो और पदा का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-के परिमाणित
हैं, उही लाई होते जाएं सु अध्याय १८ दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि ४५० वर्गगज, ग्राम-माहिवाला, दौनतपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र मिह;
सदम प्राप्तिकारी
सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, २ नई दिल्ली ।

तारीख : 14-5-1982.
मोहर .

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982.

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकू०-२/एम० आर०-२/९-
४१/५४६:- अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. .से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-लिंगापुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से अण्डित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख
सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जीत राम एन्लीयम जीतु सुपुत्र श्री छाजु, निवासी-
लिंगापुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार गर्ग, सुपुत्र श्री निहाल चन्द गर्ग,
निवासी-299 ए, कुचा संजोगी आम, नया बांस,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि तक तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस भूमि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि का माप-1200 वर्गगज, खमरा नं० 28/28 ग्राम-
लिंगापुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1982.
मोहर :

प्रत्येक प्राप्ति 210 एवं 40 एवं 40

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश मं० आई० ग० म० भ० अ०-२/प्र० २०४०-२/८१/५४७०—अलं० मुझे, नरेन्द्र मिह०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभाप्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरमन्त्रिति, उत्तिवाचार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिर्की, ग० भूमि है तथा जो ग्राम-वार्ग, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपबढ़ अनुसूची में पुर्ण स्थैतिक विभिन्न है), रजिस्टर-कर्ता प्रधिकार के बायालिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टर कर्त्ता प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख मित्तमवर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्तरक (प्रतिरक्तों) और अन्तरिती (अक्षरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिम्न उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में वासन-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रमत्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अनुत्तरके बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य प्राप्तियों को, जिभैं पारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मूल्यांकित के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—

11 105G1/82

(1) श्री मल्हार सुपुत्र श्री मोहन लाल, ग्राम-वार्गी (अन्तरद)

(2) मै० अनश इन्जीनियरिंग बंडल 10402/7 गली नं० 13 मुलवानी घन्डा पहाड़ गज, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रमत्तन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रमत्तन के संबंध में कोई भी आंशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से 1 जीव व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अमूसूची

भूमि का माप (0.15.1/2) विष्वे खस्ता नं० 476
ग्राम-वार्गी दिल्ली।

नरेन्द्र मिह०
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 नई दिल्ली।

तारीख 14-5-1982.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन पूछना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-२/एम० आर०-२/९-
८१/५४४४---अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन मशम प्राधिकारीको भह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये वा अधिक है और जिसकी मूल भूमि है तथा जो लाल डोरा ग्राम-मिरमपुर दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्न अनुसूची में पूर्व स्वप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मित्तवर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयावरक पर्याप्ति तो उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल तो अद्वितीय से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रबन्धन लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृढ़ि हिना प्राय की बाबत आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में स्थी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) लेमी किसी आय या किसी भ्रत या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभव में, मैं, उक्त अधिनियम वा धारा 269-ष की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती वीना देवी पत्नी श्री मरायण दास निवासी- 71-
गुजरातवारा। टाउन, शाहग-1, जी० टी० रोड, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० अजीत अर्दग, 111 गफार मार्केट, वारोन वाग,
नई दिल्ली हारा श्री अजीत सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गाँव के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त समानि के अर्जन के अन्वन्ध में कोई भी आवेदा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताशरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में निर्मायित है, बहुत प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का माप-360 वर्गगज, खसरा नं० 1026, लाल डोरा,
ग्राम-मिरमपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
स्थाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली।

तारीख : 14-5-1982.

मोहर :

प्ररूप आदौ.टी.एन एस.-

(1) श्री शावी राम, देवी सिंह और लष्टी सुपुत्रगण श्री राम जीत सिंह निवासी—ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०-२/प्र०श्न०आर०२-२/९-८१/५४५५—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि धारा ८० मप्ति, त्रिपक्ष उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कुषि भूमि है तथा जो ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक नपति का उचित बाजार मूल्य, उम्मेद दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अतरक) और अतरारती (अन्तर्गतिया) के बीच एम अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेण में उक्त अतरण निम्नित में वास्तविक रूप गाया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(घ) एसी किसी आय या एसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(2) श्री जगवीश गुप्ता सुपुत्र श्री चुनी लाल, निवासी—४/१२, रूप नगर, विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मा काइ आक्षण

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि का एरीया 3 बिथे और 4 बिथे, ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याख्यातयों, धर्षत् —

तारीख : 14-5-1982.
मोहर .

प्रलेप आई० एन०ए०—
प्रायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

पिंडेश सं० आई० ए० भी०/एस०-२/एस० आर०-२/९-
८१/५४९२:—ग्रन्त: मूल्य, नरेन्द्रमिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वाश करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि का भाग है, तथा जो ग्राम मिरसपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय
राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सतम्बर, 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री सरदार सिंह और लाल मुपुव श्री नन्दलाल,
निवासी—ग्राम—सिरस पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र भान, मुपुव श्री पन्ना लाल, निवासी—66-
ए०, टीचर्स कालौनी, शामपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्तक्षारी के पान
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होता है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट का क्षेत्र 555 वर्ग गज, खसरा नं० 572, ग्राम—मिरसपुर,
दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 14-5-1982.
मात्र

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उर्जन र ज-2 नंबर दिल्ली

नंबर दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश स आई.ए.सी./एन्यू /2 एम-आर-2/9-81/
5778.—उत्तर: मुझ, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मंस्या कृपि भर्म है तथा जा ग्राम-मन्डका, दिल्ली
में स्थित है (और उसमें उपावदार उन्नतांच में से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, नंबर दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीर्ड अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मित्रवद्वारा 1981।

वां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक भपतित वा उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतर्गत (अंतरकों) और अंतरिती
(प्रतिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
क्षय निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निमित में शास्त्रिक
रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण संहीकरण की आय की बायात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहो किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री सिरि लाल सुपुत्र श्री माम चन्द निवासी-ग्राम
मुन्डका, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरी राम सभरवाल सुपुत्र श्री जगन नाथ सभरवाल
आगे विष्णु कुमार सभरवाल सुपुत्र श्री हरी राम सभर-
वाल, निवासी-सी-69 कीनि नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें स्थावर शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वह वापर उपर्याप्त विवरण में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 7 विधे, ग्राम-मुन्डका, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नंबर दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम, 'की भारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-5-1982

11५२

प्रस्तुप आई टो एन एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं ० आई० ए० सं०/एक्य०-२/एस० आर०-२/९-
४१/५७७९—अस. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं ० कृपि भूमि है तथा जो ग्राम-मुन्डका, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपांडि अन्सूची में पूर्वी रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मितम्बर, 1981

का पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि इथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अतिरिक्त (अतिरीतयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमिट में
बार्तायना रूप से वर्धित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
क्षमित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त इकारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

(1) श्री सिरि लाल सुपुत्र श्री माम चन्द निवासी—ग्राम-
मुन्डका, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरी राम सभरवाल सुपुत्र श्री जगत नाथ सभरवाल,
और विना साहनी पत्नी श्री कैनांग चन्द निवासी।—
सी-69, कीर्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिक्त)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्राई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूग / बिधे और 14 विष्णु, स्थापित—ग्राम-मुन्डका,
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, दो उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नान्वित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 14-5-1982.

माहूर

प्रलेप आई० टी० एन० एम०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के पद्धोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्य० 2/एम०आर०-2/9-81/

5776—अत्. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पपगवत, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के बायालिय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक गिरिमल्ल, 1981

को पूर्खोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है और अन्तररु (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) तो बीच तेजे अन्तरण है जिस तरफ यह ग्राम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तितिरि से वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(५) अन्तरण ने हूई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्री हरी सिंह और चामड़ी राम सुपूत्र श्री चित्तारी निवासी ग्राम पपगवत, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती गुरनाम कौर, पत्ती श्री कुलचरी भिंह औहनी निवासी एन-30, गजोरी गाहेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इन सूचनाको प्राप्ति के अन्तर्वध में कोई भी पालना।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(उ) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्ति की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संषोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों सह, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप प्रधानमें दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 5 बीघे और 12 बिल्के, ग्राम पपरावत, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 14-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आर्ह नी. एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०-२/एम०आर०-२/९-८१/
५७७५—यत मुझे, नरेन्द्र मिह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० कृपि भवि है तथा जो ग्राम पपरावत दिल्ली
में स्थित है (ग्री. इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक मिनस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में दुई किमी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मुविधा के लिए;

नरेन्द्र मिह

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली-11000

प्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी; घर्यतः—

1 श्री हरी मिह पौरा मान्दीराम मुमुक्षु विहारी,
निवास-याम पारा रा, १०००।

(अन्तरक)

2 श्री कुलबीर गिह मुमुक्षु श्री ईश्वर मिह,
एच०-३०, गजोरी गार्डन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकते।

उपलब्धीकरण 1—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर्वे का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रद्याय 20-क में
परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस
प्रद्याय में दिया गया है।

कृपि भूमि 5 बीघे और 12 बिल्बे, ग्राम-पपरावत, दिल्ली,

दिनांक 14-5-1982

माहूर :

प्रश्न आई-टी-एन-५८-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं. आई.ए.ग.म.०/प्रकृ०-२/प्रम.आ.०-२/९-८।/५७७।—यह मुझे, नरेन्द्र मिहं,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संवित तिवारी उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है।

और जिनकी सं. कृष्ण भूमि है तथा जो ग्राम श्रीनीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसर्ना में शीर्ष जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-फर्म प्रधिकारी के द्वारा नई दिल्ली में रजिस्ट्रेक्शन प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन हितांक मिलभव, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिरूप के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापार्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिरूप से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया जाता है।—

(क) अन्तरण में दूर्दि किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करो या उस बचो में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पांचतार्पण अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बताएँ अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अवधि :—

12—106GI/82

1. श्री सच्चा नन्द पुत्र श्री मयूरा राम,
निवासी 4/12, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2 श्री शामलाल सुपुत्र दी धनर्सीगम,
निवासी 17/16, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धि अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्ती द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, उनीं प्रथा होता, जो उम अध्याय में विद्या गया है।

भूमि तादादी

भूमि तादादी, 4 बीघे 16 बिश्वे, खसरा नं. 965,
ग्राम श्रीनीपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्यू-२/एम०आर०-२/१०-८१/
५७४९—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भिरसपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुमती में और जो पूर्ण रूप से
घणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्घारण से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कर्त्तव्यत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अमृसूची

कृषि भूमि 3 बीघे, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति-

तारीख : 14-5-1982

माहूर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश मं० आई० प० मी०/एव्यू-2/एम०आर०-2/९-८१/
५५०४—अतः मुझे, नरेन्द्र मिहं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० कृपि भूमि है तथा जो ग्राम मसुदाबाद,
तहसील नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-
सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाग व्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, एकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कीमती लाल मुपुत्र श्री ठाकर दम
निवासी-7/25, ओल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री एस. तरलोचन सिंह चावला मुपुत्र एम. सूजान
एम० मुजान मिह चावला,
निवासी-एल-43, न्यू कालोनी, गुरगांव, हरयाणा,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि का तादादी, 4 बावे और 16 फैष्वे, ग्राम-
मसुदाबाद, सब तहसील-नजफगढ़, नई दिल्ली खसरा नं० 118
मिन (3-0), 117 पि(1-16)।

नरेन्द्र मिहं

सद्गम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2,

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०-२/एस०आर०-२/९-८१/
३४८४—अतः सुझे नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि तथा जो ग्राम लिवासपुर, दिल्ली
में स्थित है (अग्र दससे उपाख्य अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्येक विवरण से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूँ एक किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थातः:—

1. श्री जीत गम एलीयम जितु, सुपुत्र श्री छाजु
निवासी ग्राम लिवासपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुर्जील तुमार सुपुत्र श्री ठान्डी राम,
8347/48, फिल्मस्टान, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पुर्यो। मम्पति के अर्जन के
लिए कार्यवाचियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से
45 दिन की अवधि या लसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की ताजील रो 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रह्म
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का शेष 600 वर्ग गज, खसरा नं० 28/28, स्थापित
ग्राम लिवासपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 14 मई, 1982
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश मं० आई० प०सी०/एव्य०-२/एस०आर०-२/९-८१/

अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि २२।१८ अगस्त, १९५६ ताँचन बाजार मूल्य 25,000/ रु से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम निवासपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावन्द अनुमूली में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितंबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायरेत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्त्ति :—

1. श्री जीत राम गलीयस जीतु, सुपुत्र श्री छानू ग्राम लिवास पुर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री मुभाष चन्द्र सुपुत्र श्री ओमप्रकाश, 191, मत्या निकेतन, मोती वाग, 2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में दिया जा सके ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में पर्याप्ति है, वही उर्ध्व होंगा, जो उग अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि की तादादी 600 वर्ग गज, खमरा नं० 28/28, ग्राम निवासपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

तारीख 14 मई, 1982
मोहर :

प्रकल्प आई०टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश नं० आई०ए० सी०/एक्य० 2/एस०आर० 2/9-81/
5482—अतः मुझे नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुन्डका, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौंर जो पूरी रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीगकर्ता अधिकारीके कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक मित्रबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अंतरिती
(अतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उचित रूप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने में अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मार्ग सुपुत्र श्रीलाल चन्द्र,
निवासी मुन्डका, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री इदर जीत सुपुत्र श्री वेम राज,
निवासी जी-27/6, राजोरी गाँड़ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि की तादादी 6 बीच, स्थापित ग्राम मुन्डका, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

तारीख 14-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2,

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०-२/८८०आर०-२/९-८१/
५४८३-ग्रतः मुझे नरेन्द्र मिहै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की वारा
269-ष के अधीन संप्रभाव प्राप्तिकारी को; यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो ग्राम मुन्डका, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अन्नसूची में और जो पूर्ण रूप
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वाचिक में कमी
करने या उससे बचने में बुविधा के लिए। और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अथ आस्तियों
को, जिन्हें पारंपरीय पाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रमोजनार्थ प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की वारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री मांगे सुपुत्र श्री लाल चन्द्र
निवासी ग्राम मुन्डका, दिल्ली

(अन्तरक)

2. मती भरोज सुरी पत्नी श्री द्वन्द्रजीत सुरी
निवासी जी-27/6, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आभेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित है, वही अर्थ होगे जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मनुसूची

भूमि की तादादी 6 वीचे 17 विश्वे, स्थापित ग्राम मुन्डका
दिल्ली।

नरेन्द्र सिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 14 मई, 1982
मोहर :

प्रधान माहौली.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायरल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2,
 नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1082

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस०आर०-2/9-81

5714—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'अक्तूर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, पिंडका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवराला, दिल्ली
 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथा पूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एले दृश्यमान प्रतिफल का
 परद्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
 रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
 विक रूप में कथित नहीं किया गया है—

1. श्री रूप मिह और राम पाल सुपुत्र श्री मंशी;
 निवासी ग्राम देवराला, दिल्ली राज्य दिल्ली
 (अन्तरक)

2. श्री धर्मपाल, सतपाल, शिश पाल, सतीश, मुकेश
 सुपुत्र गण, श्री मुख राम,
 ग्राम शामपुर, खालसा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीहृष्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वासेपुः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
 किसी बात अवैध इवारा अभोहस्ताकरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कभी कहरें या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

अनुसूची

कृषि भूमि का सावादी 20 बीघे 19 बिष्टे, ग्राम देवराला,
 दिल्ली रेक्ट नं० 32, खसरा नं० 17/2/2, 24, 25/1
 रेक्ट नं० 38, खसरा नं० 6/2, 38/5/1, 38/4, 7

नरेन्द्र सिंह
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 14 मई, 1982
 माहूर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
 में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाया (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षादः—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

व्यार्थालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश मं० आई.ए० स००/पक्ष्य०-२/पक्ष्य०-२/१९८१/
५७१५—प्रत मुझे नगद मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स०० कृपि भूमि है तथा जा ग्राम देवराला, दिल्ली
मे स्थित है (और इसमे पउबद्ध अनुसूची मे और जा पूर्ण रूप मे
बर्णित है) रजिस्टर्कर्ता अधिकारी के लायर्निय नई दिल्ली मे
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक मितम्बर, 1981

के पूर्वक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अंतरिती
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदादेश से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक
क्षप से काथित नही किया गया है :—

(क) अन्तरण मे हृद्द किगी आय की नावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी वन या शन्य वासियों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे
सविधा के लिए;

1 श्री राप पाल और गिरवर सुपुत्र श्री प्रहलाद,
निवासी ग्राम देवराला, दिल्ली

(अन्तरक)

2 श्री धर्म पाल, श्री रमेश पाल, शिंज पाल, मतीश और
मुकेश सुपुत्र श्री सुख राम
निवासी ग्राम शामपुर, खालसा, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जागी करके पूर्वान्त मंपाल के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि तादादी 16 बीघे, 1 विश्वा, रेक्ट नं० 32,
खमरा नं० 18/1, 23, रेक्ट नं० 38, खमरा नं० 3 और 8,
ग्राम देवराला, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 14 मई 1982
माहर

प्रस्तुप आईटीपन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की द्वारा
268-व (1) व प्रधीन सूचना

भारत नगरपालिका

कार्यालय, राहगांव आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०-२/एस०आर०-२/९-८१/
५७४।—यह: मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 268-व के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० छठ्यं भग्नि है तथा तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में हित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मित्रवर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत प्रधिक है और प्रतिशत (प्रत्यक्षी) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षित) के बीच इसे अनुसरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण निखित में वास्तविक रूप से स्थित किया नहीं गया ।

(क) अन्तर्गत से डर्ड इक्सा आय की वावन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दाधित्व में कभी करने वा उससे बचने में मुविषा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, क्रियाने में सुविष्टा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 268-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 268-व की उपस्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मत्य देव सुप्रत श्री भगवान माहाय,
निवासी छदोदा कला, ग्राम बुरारी, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल मुँहुत्र श्री नरमिह दास,
निवासी बी-15, भगवान दास नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

मा. प० मूवा तारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के तरीके मंबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्तंधी व्यक्तियों पर मूवा की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में छिपे जा सकेंगे।

धर्षटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के पद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस पद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

छृषि भूमि 16, 1/विश्वे, मुन्जुमलसालिम भूमि का क्षेत्र 5 विधे 7 विधे मुस्तातील नं० 6, खसरा नं० 452, ग्राम बुरारी दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 14 मई, 1982

मोहर :

प्रस्तुत बाइंटी एवं एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं ० आई० ए०सी०/एक्यू-२/एस०आ००-२/९-८१/
५७२१—आत. मुझे नरेन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० छाँप भर्मि है तथा जा ग्राम टिकरी कला,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप में वर्णित है) नजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतिरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य गे उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक
रूप में कार्यान्वयन किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आण्कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहाए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

1. श्री प्रनाल सिह सुपूत्र श्री भगवान सिह, अनार सिह, चरन
सिह, राजपाल, अर्जीत सिह, ओमवती, पत्नी और सिह,
सुरेन्द्र, जोगेन्द्र, इत्यादि,
निवासी ग्राम टिकरी कला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कुण कमिका सुपूत्री श्री ली राम,
निवासी ए/63, नगरणा, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के द्वारपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के द्वारपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी वस्त्र व्यक्ति द्वारा अभावसाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रथम सम्बन्धी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन २०-क में परिभागित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भर्मि का 1/4 भाग, 7 वीघे और 1 बिश्वा, ग्राम
टिकरी कला, दिल्ली, खसग न० 901 और 846

नरेन्द्र सिह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली।

तारीख 14 मई, 1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभासा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

प्रस्तुप आई० टौ० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८१/
५७५५—अतः मुझे, नरेन्द्र मिहू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य का भाग है तथा जो ग्राम लिबासपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदादेश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में गविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
गविधा के लिए;

1. मोहनलाल सुपुत्र श्री नेतराम, विरबल सिंह सुपुत्र श्री
भीष्म राम, निवासी ग्राम और पौ० शामपुर, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री जगवन्त राय बगा सुपुत्र श्री देवी दत्त बगा,
निवासी-92, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूल्यांकन का हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिका द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, उन्हीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्रमी की नादादी ग्रामिया, 1060 वर्ग गज, छसरा न० 29/1
ग्राम लिबासपुर, दिल्ली।-

नरेन्द्र सिंह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भ्रमी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, कथितः—

तारीख : 14 मई, 1982
मोहन

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं००/एक्य०-२/एस०आर०-२/९-८१/
५७१८—यतः मुझे नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ग के प्रधीन स्थान प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थान संपत्ति ब्रिस्क उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो आम टिकरी कला, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णस्पृष्ट से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और ब्रन्टरक (अन्तरको) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में
व्याख्यातिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृश्य किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरण के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रताप सिंह, सुपुत्र श्री भगवान सिंह, अनार सिंह,
चरन सिंह और राजपाल, सुरेन्द्र सिंह, ओम वर्ती,
सुपुत्र श्री जीवन, अर्जीत सिंह इत्यादि
ग्राम टिकरी कला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री यशपाल सुपुत्र श्री बेली राम,

निवासी 47-डी, नरायण विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तस्वीरियी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्षियता, अद्वैताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

टाईटीफरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1/4 हिस्से 7 बिंचे, और 1 बिंचे, ग्राम—टिकरी
कला, दिल्ली, खसरा नं० 901 और 846।

नरेन्द्र सिंह,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 14 मई, 1982

मोहर :

प्रारूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आर्द्ध० ए० सी०/एक्य०-२/एस०आर०-२/९-८।

5578—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नरेला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण निर्णय मा दार्याधिकरण से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री जगें सुपुत्र श्री सीता, निवासी ग्राम नरेला, दिल्ली ।

(अन्तर्गत)

2. श्री राम कन्वर सुपुत्र श्री रतन सिंह और श्री बलबान सिंह (माइनर) सुपुत्र श्री रतन सिंह, अंभभावक के अधीन, श्री रतन सिंह ।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्परी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितावद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/4 भाग 48 बिघे, और 19 बिघे, ग्राम नरेला, दिल्ली ।

(ख) ऐसी किसी आग या किसी अन्य आर्द्धितयों को, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक 14 मई 1982
मोहर

प्रस्तुत गाई दी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के स्थीन सूचना

भागत मंगकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एव्य०-2/एम०आर०-2/9-81/

5496—अन्न: मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का हिस्सा है तथा जो ग्राम साहिबाबाद,
दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टरीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्टरीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मिनम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
काप से कार्यकृत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधृ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः —

1. श्री रणधीर सिंह सुपुत्र श्री लाला राम,
निवासी ग्राम साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली

(अन्तरद्व)

2. मैं देवेन्द्र कुमार जैन एण्ड कॉ.
4854, चौक बाराटुटी, मदर बाजार दिल्ली,
द्वारा सदस्य श्री देवेन्द्र कुमार जैन।

(अन्तरिती)

दोनों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि का माप 450 वर्ग गज, ग्राम साहिबाबाद, दौलतपुर.
विल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 14 मई 1982
माहर :

प्रलुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं. आई.ए. सी.०/क्यू०/२/एम० -आर०-२/९-

५४६२—अन्तर्क्रिया: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बपारीला, दिल्ली
में स्थित है और (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नारीख सिनम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय या बालत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता के
लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजेन्द्र सिंह, सुमेश और विरेन्द्र सिंह सुपुत्र
श्री रिजल सिंह निवासी-ग्राम बपारीला, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर नाथ सुपुत्र श्री जय नारायण निवासी-10
(प्रथम मंजिल) सोपिंग मैन्टर, लारेस रोड,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बिघे और 13 विश्वे, स्थापित-ग्राम-बपारीला,
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002.

दिनांक : 14-5-1982
माहर

प्रस्तुत बाहरी टी.एन.एस.-----

(1) श्री लखोदारी सुपत्र श्रीं चमन निवासी, ग्राम-बपरीला
दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री अमर नाथ सुपत्र श्री जय नरायण
निवासी-10 (प्रथम मंजिल) सोरिंग सेण्टर लारेंस
रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-९-८१/
५४६३—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बपरीला, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981को बूर्झेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
नहरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निर्मालित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
संविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जानकारी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भवित्व बदल
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भवित्व बदल
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 विधे और 19 विश्वे, स्थापित-ग्राम-बपरीला,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 14-5-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की आपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रत्येक आई० टी० एन० रुप०—

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/७१

४१/५७००,—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

काँ पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करके या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेश सुप्रद्युष श्री नेतृत्व
निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री शादी राम, लष्टे सिंह और देवी सिंह सुप्रद्युष श्री
रणजीत, सभी निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बिल्ड, 17 बिल्ड, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-110002

दिनांक 14-5-1982

माहेर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री दीपचन्द्र सुपुत्रश्री भाई राम, ग्राम-नवाबा, दिल्ली।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शान्ता शर्मा, पत्नी श्री रतन लाल शर्मा,
निवासी-176, एम० आई० जी०, फ्लैट्स, परसाद
नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/
९-८१/५५०८,--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नवाबा, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

कृषि भूमि कि तादादी 60 बिश्वा, स्थापित-नवाबा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 14-5-1982

मोहर :

प्रकृष्ट श्राइँ. टी. एन. एस. ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली

दर्ढे दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एस्य०/२/एस० आर०-२/५-

८१/५०१३,—आय भूमि, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन संभास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि का भाग, है तथा जो ग्राम-टिकरी कला
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में पूर्व स्थान
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्के यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृड़े किसी भाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिलत
में कहीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(1) श्री करनार मिह सुपुत्र श्री मूल चन्द निवासी-ग्राम-
टिकरी कला, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊपा रानी पत्नी श्री एल० भाटिया और
पदम कृमार सुपुत्र श्री के० एल० भाटिया, निवासी-
५६ रोड, न० ४३, पजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ८
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य व्यक्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसा जाना चाहिए था, छिपाने से संविधा
के लिए;

कृषि भूमि के तालादी 2 बिघा और 3 बिघे, में से भूमि
1 बिघे, और 4 बिघे, है जो ग्राम-टिकरी कला, दिल्ली में है।

नरेन्द्र सिंह
संभास प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अस अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 14-5-1982

मांहूर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं ३० आई० ए० म००/एक्य०/२/एस०-आर०-२/७-
८१/५४४—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मध्ये कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-कादीपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उगावद्व अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कापिलिय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाला गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण
तिसित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हठ किसी आग का वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी कहने या उससे बदले में सूचिधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तीयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ६—

(1) श्री पिंडारे सुपुत्र श्री भूह प्रांग श्री रण सिंह सुपुत्र
श्री मगतु, दोनों निवासी-ग्राम-ओर पो० मुखमेलपुर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० चौधरी सुपुत्र श्री जे० जे० चौधरी,
निवासी-बी०-९/२२, वमन्त बिहार, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बदल में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृभू
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि की तादादी 9 बिंदे और 12 बिंदे खसरा नं०
1064 (4-16), और 1067 (4-16) जिसका खाता/खतौनी
नं० 33/1, है जो ग्राम-कादीपुर, दिल्ली में है ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14-5-1982
माहेन्द्र

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर बिल्डिंग,
इन्हंप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्य००/२/ एस० आर०-२/९-
८१/५४५०, —अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कुछ भूमि है तथा जो ग्राम-कादिपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इसे उपायदूषनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वार्तात्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सरदारसिंह सुपुत्र श्री भूल, निवासी-ग्राम और
पौ० मुख्यमंत्री, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० एन० चौधरी, सुपुत्र श्री जमना दास, निवासी
श्री-9/22, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि की तादादी 12 बिंदे खसरा नं० 1061
(4-16), 1062(4-16), और 1070(2-08), जिसका
खाता/खतौनी नं० 86 है स्थापित-ग्राम-कादिपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-1982

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री हरलाल सुपुत्र श्री भूरु, निवासी-ग्राम-ओर पो. मुखमेलपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर बिल्डिंग
इन्ड्रेप्रेस्ट स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/क्य०/2/एस० आर० -2/9-
9-81/5451—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या कुषि भूमि है तथा जो ग्राम-कादिपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुमूली में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मेंभारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—(ए) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;बताते थे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्ननिम्नित व्यक्तियों, अर्थात्:—(2) श्री एस० एन० चौधरी, सुपुत्रश्री जे० एन० चौधरी,
निवासी-बो०-9/22, बसवत बिहार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

कुषि भूमि 7 विधे, 14 विधे, खसरा नं० 1065 (2-15),
और 1066 (4-19), खाला/खतीनी नं० 80, स्थापित-ग्राम-
कादिपुर, दिल्ली।नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14-5-1982

मोहर :

प्रकृष्ण आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर बिल्डिंग,
इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्य०/२/एस०-आर०-२/
९-८१/५४५२—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी और यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-कादिपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उगावद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीफार्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ इसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावास प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पियारे सुपुत्र श्री भूल, और रण सिंह सुपुत्रश्री
मंगतु, निवासी-ग्राम और पो० मुख्यमेलपुर, विल्ली ।
(अंतरक)

(2) श्री प्रेम चौधरी पत्नी श्री जे० एन० चौधरी, निवासी-
बी०-९/२२, बसन्त बिहार, विल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मनूसनी

कृषि भूमि का क्षेत्र 11 बिल्डे और 12 बिल्डे खसरा नं० 1063
(4-16), 1068 (4-16) और 1075 (2-00), खाता/खतीन
नं० 33/1, स्थापित-ग्रा-कादिपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-1982
माहेन :

प्रस्तुत आर्द्ध वी गा। ग्राम 269-

(1) श्री सरदार खिल्ह और सिरी लाल सुपुत्र श्री जन्द भाल
निवासी-ग्राम-मिरमारु, दिल्ली ।

(अन्तर्क)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 वा 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन मुच्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982
निवेश सं० आई० ए० सं०/एक०/२/एम०/आ०८०/-२/
९-८१/५४९०—अतः मुझे, नरेन्द्र गिर्ह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसके मध्या भूमि का हिस्सा, तथा जो ग्राम-मिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्तालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्छह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस मुच्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधोय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर द्वारे के उन्नरण के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्कार था, लिपाने में सहायता
के लिए;

भूमि का माप-555 वर्ग गज, खसरा नं० 572, ग्राम-सिरसपुर,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयत्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14-5-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमतण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

15-106GI/82

पत्रांग वाहन और इलाज आदि — — — — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर संस्था (निरीक्षण)

ब्रजन रोड 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्स०/२/एम० आर०-२/९-
८/५४९४—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पूर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम मिरसपुर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व स्वप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन
दिनांक मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल में, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पलटह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अध्याय-प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उसमें बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — —

(1) श्री सरदार सिंह और मिरी लाल सुपुत्र श्री नल्ल लाल
निवासी-ग्राम-मिरसपुर, दिल्ली।

(2) श्री बणशर्मा लाल जैन सुपुत्र श्री मुरजीत मिह जैन
निवासी-2206/169 वी नगर, दिल्ली।

(2) श्री सुशील कुमार जैन, सुपुत्र श्री गुलाब सिंह
जैन, निवासी-4 ए०/३० गीता कालोनी,
दिल्ली-31,

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधियां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का माप 555 वर्ग गज, खमगा नं० 573, ग्राम-
मिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह

मक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ब्रजन रोड दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14-5-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. पं. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 264 पर (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निवेश सं० आई० पा० सी०/गक्य०/2/एम०-आर०२/९-८१-५
५४९—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सदस्य प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी मंजुरी भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में
स्थित है (अर्थात् उपायकर अनुसूची में पूर्व स्थप ऐ वर्णित है),
राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक गिनत्वर 1981

को उत्कृष्ट संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने वा कारण है कि यथापवित्र मम्पति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्गत (अन्तरकों) और अन्तर्गती
(अन्तर्गतियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कृतित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, एंसी में संशिधा के लिए;

भूमि का माप 555 वर्गगज, खसरा नं० 572, ग्राम-सिरसपुर,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 14-5-1982
मोहर

(1) श्री सरदार मिहू और मिर्जा नाल मुपुत्र श्री नन्द लाल,
निवासी-ग्राम, सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सवानी गुप्ता (नवालिक), सुपुत्री कृष्ण
चन्द्र गुप्ता, निवासी-20/19 शक्ती नगर, दिल्ली,
द्वारा मही अधिभावक और माँ श्रीमती कुमुम लता ।

(अन्तर्गती)

का यह सूचना जारा करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं 1 आई.टी.एन.एस. 2/एक्यू०/२/एस० आर०-२/१८१/५७२--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सख्ती कुप्रिय भूमि है तथा जो ग्राम लिवासपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अस्यमान प्रतिफल से, एसे अस्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री अग्नवानी शर्मा सुपुत्र श्री हरबंस लाल निवासी-
ग्राम-शामपुर, दिल्ली द्वारा जी० ए० मनकूल सिंह
सुपुत्र श्री दीप चन्द निवासी-ग्राम-लिवासपुर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) न्यू डूरेक्स इण्डस्ट्रीज, गली नं० 3, ग्राम-शामपुर,
दिल्ली द्वारा पार्टनर श्री प्राण नाथ सुपुत्र श्री जगपत
राम ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

कुप्रिय भूमि क्षेत्र 13, 1/2 विघ्ने, (666 वर्गगज), खसरा
नं० 27/25, ग्राम-लिवासपुर, दिल्ली ।

(ख) एसी तकसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तया
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

प्रियांका । 4-5-8 ।
मोहर

प्र० र० जाहू० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269 घ (1) व अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं 1961 प्र० स००/एक्यू०/२/एम०-आर०-२/९-८१/
५४७२--ग्रत. मुझे, नरेन्द्र चिह्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी ना, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या 2174 है तथा जो प्लाट नं० बी-113, रानी
बाग, शनुर बस्ती, मै स्थित है (श्रौत इसमें उपवड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन का प्राधिकारी के कार्यालय, गली
पुलिस चौकी, नई दिल्ली में भारतोयर जिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981 का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल
के लिए अनुसूचित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए न तर पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य न उक्त अनुरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के भवीत कर देने के अस्ताइक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन्हें
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री चुनी लाल बर्मा सुपुत्र स्वर्गीय श्री सैन दास
मायदान, मकान नं० 2174, रानी बाग, शनुर बस्ती,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० कृष्ण बहादुर सिंह, और उनकी
पत्नी श्रीमती गुरवचन कौर, बिनपुरा, गली नं०
13, करील बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितधद्दि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक बना हुआ मकान नं० 2174, प्लाट नं० बी०-113,
स्थापित-रानी बाग, शनुर बस्ती, गली पोलीस चौकी, नई दिल्ली,
भूमि का माप-111 वर्ग गज ।

नरेन्द्र चिह्न

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-5-1982
माहूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ...

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1982

निवेश में आई० प० मी०/एक्य०/1/एम० आर०-3/9-
81/998—अत मुझे, एम० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सूचना प्राधिकारी के यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम०-100, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली में स्थित है (अग्र इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में पूर्व स्वप्न
में वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मित्रब्रह्म 8।

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्राप्तफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या उक्सी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्येकार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम द्वा भारा 109-ष की अपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री रामा काल्प पी० भट और श्रीमती प्रतभा पी०
भट, निवासी-एन-100, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री हरदयाल यागर और श्रीमती कृष्णा योगर,
निवासी-मी-141, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।
(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
मूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
में दिया गया है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

वना हुआ प्रा० नं० 100, ब्लौक 'एन' ग्रेटर कैलाश-1, नई
दिल्ली एस्ट्रिया 300 वर्ग गज।

एम० आर० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 17-5-1982
मोहर

प्रकरण नं. ३१० एम० एम०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व(1) के अधीन मकान

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० भी०/एक्य०-२/गम०-आर०-२/
९-८१/५५८०—अतः मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभीन सभीम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

प्रौढ़ जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम लिबासपुर, दिल्ली में
स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परदृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं लिया गया।

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम के बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
परिवर्त्तन में कमी करने या उससे बचने में मुश्विदा
के सिए। और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्विदा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८--

(1) श्री एक चतुर प्रौढ़ विहारी सुपुत्र श्री व्यव लिकासी-
याम-पां० लिबासपुर, दिल्ली ।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमनी रेखा आनन्द पत्नी श्री ई० मदन भोहत आनन्द
प्रौढ़ मस्तर अरुण आनन्द सुपुत्र श्री मदन गोहत
आनन्द निवासी-16 कौटेज, वेस्ट पटेल नगर, नई
दिल्ली ।

(अन्तर्गत)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितमद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहृष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि नादादी 4 बिल्डे खसरा नं० 20, रेक्ट०
नं० 9, खाला /खतौनी नं० 10, स्थापित ग्राम—लिबासपुर,
दिल्ली ।

नरेन्द्र मिह
मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 18-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्य०/२/एम० आर०-२/
९-८१/५६५३—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम है सभी
कलों, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसे मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
भविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री भरत सिंह अमर सिंह धरम सिंह सुपुत्रगण
श्री सोहन लाल, भास्ती, शिवनो, प्यारी सुपुत्री श्री सोहन
लाल, शोमो देवी सुपुत्री श्री दलीप सिंह निवास,
ग्राम होलम्बी खुंद, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वर्षन लाल सुपुत्र श्री गग मन्द निवासो—
17/2 शक्ति नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
नियंत्रणालयान्तर्गत करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रबन्धन में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोमुक्ताधीनी के पास
विवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उच्च-
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि की तादादी 16 बीचे 2 विश्वे, स्थापित-ग्राम-होलम्बी
कला, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राप्तिकारी
महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2 नई दिल्ली,

तारीख : 14-5-1982
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस आर०-२/
9-८१/५५२२—ग्रत. मुझे, नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
यात्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के दृश्य किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रदोषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जहाँ: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्हातः:—

16—106GI/82

(१) श्रीमति उषा गुप्ता सुपुत्री श्री शार्दी लाल, निवासी—
156 भाग-2, गुजरनवाला टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)
(२) श्री कुल मिह धीमा सुपुत्र श्री लक्ष्म राम धीमा, निवासी
पाफ 14/51, माडन टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
प्रदाता किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

कृषि भूमि 19 विम्बे, खसरा नं० 737/3(0-4), 787
4(0-5), 737/0(0-5) और 737/6(0-5), ग्राम बुरारी
दिल्ली।

मरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 14-5-1982

मोहरः

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 14 मई 1982

निवेश सं० आई० ए० स०१०/एक्य०/२४स० आर०-२/
९-८१/५६९३—श्रीमति नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन भक्षण प्राप्तिकारी वार्ता, यद्य प्रियदर्शन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के लिए

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम घेवगा,
दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपावन अनुसूची में और पूर्व रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16), के अधीन जिम्मेदार 81

को पूर्ववित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूल्य के यह विषयाल
करने का कारण है कि यथापूर्ववित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसी दृश्यमान प्रतिफल का
वृद्धि अन्तर्गत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और प्रतंरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच जो अन्तरण के दिए जय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में है किमी आय की बाइत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मदिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने से सूचिता के लिए;

अन्तरण, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के उक्त अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(1) श्री गम विश्वन सुपुत्र श्री शिव सिंह निवासों ग्राम
घेवगा दिल्ली।

(अन्तरिती)

(2) श्री मन मोहन बाम सुपुत्र श्री नम दाम, निवासी,
14/32, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना आरी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 5 बीघे और 15 विश्वे, खसरा नं० 81/
5/1, और 15, स्थापित ग्राम घेवगा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1982

गोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/2/एस० आर०-2/
9-81/5694-अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० वृद्धि भूमि है तथा ग्राम घेवरा, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन सिलस्बर 1981

को पूर्णांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूषक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) न बीच एवं अन्तरग के लिए तथा पाय-
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त प्रतिरक्षण नियित में
वास्तविक का में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहिता के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) जयलाल सुपुत्र श्री शेर सिंह निवासी ग्राम घेवरा
बादली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मन मोहन दास सुपुत्र श्री राम दास, निवासी
14/32, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

मैं इस सूचना जारी करना प्रवान्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए
तार्यालियों करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना जो तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांक
अर्जितों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ब) इस तुलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्ताक्षरी के पास
लिखित न किए जा सकेंगे।

लाइटो द्वारा:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ
अर्थ होगा, जो उक्त प्रधारा में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्र 3 बोघे और 11 बिश्वे, स्थापित ग्राम
घेवरा, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14-5-1982।

मोहर :

प्रधन बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आद्यक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक, 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस आर-२/
९-८१/५७४—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफ गढ़ दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबृंह अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
के इन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कर से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से ही किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रोशन लाल सुपुत्र श्री विश्वन सिंह निवासी ग्राम
नजफगढ़, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. फादर अन्थोनी सुयुन श्री वर्दी आई परभिल, निवासी
रेक्टर डन डोस टी० इन्टीच्यूट, ग्रोवला, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

भूमि तादादी 4 बीघे 16 बिल्डें, खसरा नं० 11/11
स्थापित ग्राम नजफगढ़, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आद्यक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज २ नई दिल्ली

दिनांक 18-5-1982।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी.टी.एन.एस.-----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एम० आर० २
९-८१/५३४५—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि का भाग, है तथा जो ग्राम पालम,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती
(अंतरितियों के बीच गांव से अंतरण के लिए तर यांगा गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) दूसी किसी बाय या किसी धन या अन्य लास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयुक्त अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः बूद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मौजूद, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा(1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदार सिंह सुपुत्र श्री गोकल, सुखबीर सिंह
सुपुत्र श्री धीध राम, निवासी ग्राम और पो० पालम,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जय चन्द्र सुपुत्र श्री गनपत निवासी ग्राम और
पो० साहिबानाद मोहमदपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधेहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 16, 1/2 विल्ड, क्षेत्र 825 घर्गंगज, ग्राम
पालम, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आगंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 18 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० /२/एम० आर० २/९-८१/५५५५—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम मिरासपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981।

को पूर्वावृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अतर मिह, करनार मिह, दरीयाओं सिंह, सुपुत्रगण श्री धरमे राजेन्द्र मिह पुत्र श्री सरदार सिंह, मुख्तीया सिंह, नबी मिह, सुपुत्र श्री दातारामन, निवासी ग्राम मिरास पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम लाल सुपुत्र श्री मधुरा प्रसाद निवासी—बी-१७५१, शास्त्री नगर दिल्ली, और गुरुद्वारा दास सुपुत्र श्री बारू सिंह निवासी ४६५ शास्त्री नगर, दिल्ली-५२

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हासील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिका:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध इक्सी अन्य व्याकुन द्वारा अधारूपताकरणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि दादादी २ बीघे १० विश्वे, स्थापित ग्राम सिरासपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज २ नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस०-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग
269 घ . ; के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० प० सी०/एव्य०-२/एस० आर० २/
९-१/५६६७—ग्रन्ति, सूचना, नरेन्द्र मिहि,

आयकार अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सबम प्राप्त हो, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मन्दिर, विधान उच्च बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में धृष्टिक है

और जिसकी मंजूरी की भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन सितम्बर 81 को

प्रार्थक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथाप्रवैक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ये हड़ि किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्रस्तियों
को, जिसे भारतीय बाजार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या फिर जाना जारी शिल्पाने में
संतुष्टि के लिए;

अतः नब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश और श्री नन्द येमसीलवास और
जनरल अटार्नी श्री जहानो, श्रीमति नाथो, श्रीमति
नन्दर पांत ग्राम बुरारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री महाबीर और नाथू राम, निवासी ग्राम बुरारी,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
सार्वयाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवृत्ति या वसम्बद्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी
ग्रन्ति बाद में वसान नीनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त दृश्यमान सम्पत्ति में हिस्तवृक्ष किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोप्रस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रबिनियम के प्रध्याय 205 में परिचालित
हैं, वहीं प्रध्याय 205, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मूलसूची

कृष्ण भूमि 4 बिंधे और 16 बिंधे, खसरा नं० 118/
24, स्थापित ग्राम बुरारी, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

तारीख 14-5-1982

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-2/एस० आर०-2/
9-81/5702—प्रतः मुझे, नरेन्द्र मिहं,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी वरे यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिन है और अन्तरन (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरन
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसो आग या किसी भ्रन या अन्य स्थानियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा न हो ;

प्रतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसार ये, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपभारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अन्त :—

(1) श्री शादी राम, देवी मिह और लड़ी सुपुत्रगण श्री रणजीत,
निवासी ग्राम और पो० सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजीत मोटर्स, द्वारा पार्टनर श्री हरजीत सिंह
बजाज, निवासी रोड नं० 64, पंजाबी बाग, नई
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितरणों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवास बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितरणों में से
किसी अवितरण द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य अवितरण द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि नादादी 1216 वर्ग गज, 1 बीचा 4, 1/3 विश्वे
खसरा नं० 155, ग्राम सिरसपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-II, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एम० आर० २/
९-८१/५७००—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् ‘उच्चत अधिनियम’ कहा गया है); की धारा 269-घ के प्रधीन
संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वा० से अधिक है
और जिसकी मू० कुप्रिय भूमि है तथा जो ग्राम भिरसपुर
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

(1) श्री शादी राम, देवी सिंह, लड़ी सुपुत्र श्री रणजीत,
निवासी ग्राम और पो० सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० ए० के० एस० इन्टरप्राइमेज, 132 विरतगर,
जैन कालोनी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भूमि तादादी 1393 वर्ग गज, (यानी 1 बीघा 8 विश्वे,
खसरा नं० 155, ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,

संक्षेप प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17—106GI/82

प्रकृष्ट आई. टी. एम्. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, क्रितांक 18 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्य०-२/एम० आर०-२/
९-८१/५५३०—ग्रन्त, मुझे, नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिमकी संख्या भूमि भाग है तथा जो ग्राम सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल ज्ञा
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाश गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

(1) श्री ओम प्रकाश और रघुवीर सिंह सुपुत्र श्री
देवीदास और जानकारी दास सुपुत्र श्री कुरोया,
निवासी ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री० एस० चीड़ा श्री आर० एस० चीड़ा
निवासी वी 14, शक्ति नगर, दिल्ली श्रीमति
रहसा बेगम शाबिर अहमद, निवासी-1407
बालीमारन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपेहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होता है जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादावी 10 बिल्डिंग, स्थापित ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एम० एस०--
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एस० आर०-2/
9-81/5529—ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सख्त प्रांधिकारी को, यदि विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम सिरसुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरक
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देवे के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश और रघुबीर सिंह सुपुत्र श्री
देवी दास और जानकी दास सुपुत्र श्री कुरिया,
निवासी ग्राम सिरसुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सरोज सिंघल पत्नी श्री एच० सी० सिंघल,
निवासी 390 म्यूनिसिपल कालोनी, दिल्ली-52।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाचेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिया तरसम्बन्धी अस्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी
प्रबंधिया द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अस्तियों में से किसी अस्तिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अस्तिया द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 10 विश्वे, ग्राम सिरसुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्रांधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 18-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई० ही० एवं एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली। दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-२/एस० आर०-२/
9-८१/५५२८—आतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
बारा 269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम सिरासपुर, दिल्ली
में स्थित है (और उससे उपावढ़ ग्रन्तुमौदी में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय

नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 8।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। घोषणा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया या या किया जाना चाहिए वा,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की बारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश और रघुबीर सिंह सुपुत्र श्री देवी
दास और जानकी दास सुपुत्र श्री कुर्याया,
निवासी ग्राम सिरासपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश सुपुत्र श्री कैलाश चन्द निवासी स। 126
शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी वापेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर^{पर} सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 10 विवे, स्थापित ग्राम सिरासपुर, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं । आई. ए० सी०/एक्य०-२/एस० आर०-२/
१-८ /५५५९—अतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि भाग है तथा जो ग्राम सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्यों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसंरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।।।

(1) श्री लक्ष्मण सुपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी ग्राम
सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विलोक नाथ पंज सुपुत्र श्री हरबंस लाल
शर्मा, निवासी 4424 जय माता भार्केट लोनगर,
दिल्ली-35 ।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिका करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।।।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

भूमि तादादी 555 वर्ग गज, खसरा नं० 637, ग्राम सिरस-
पुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

प्रसूत वाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री नक्षमण सिंह सुपुत्र श्री हरी मिह, निवासी
ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

(2) श्री कपुर चंद्र सुपुत्र श्री प्यारे लाल, निवासी
39/15 शक्तिगगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एथ्य०/२/एस० आर०-२
९-८ /५५६५—श्रावी, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और (जैसकि सं० कृषि भूमि है तथा जा ग्राम सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (अर इससे उपायक अद्युमूर्ति में और
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रारण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सिनम्बर 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी
(अन्तरिरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

कैं प्रयोग सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से है इसी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अन्तसूची

भूमि तादादी 555 ब्रग्गज, खसरा नं 575, ग्राम
सिरसपुर, दिल्ली।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरीरी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
कुक्षिभा के लिए;

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

तारीखः 18-5-1982

माहूरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/२/एस० आर०-२/
१८१/५७०१—अन्तर्मुक्त, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन भक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
ग्रौं जिसकी संष्टया कषी भूमि है तथा जो ग्राम बिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (ग्रौं इससे उपावढ़ ग्रनुमूची में ग्रौं पूर्ण
रूप में विनियत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

(1) श्री शादी राम, देवी सिंह और लछी सुपुत्र श्री
रणजीत निवासी ग्राम ग्रौं पू० सिरसपुर, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) कोहली अटो एजेंसो, 1238 बारा बाजार,
काश्मारी गेट, दिल्ली द्वारा पार्टनर श्री गुरबीर
सिंह।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 1412 वर्गगज यानी (1 बीघा, 8, 1/4
विश्वे), खसरा नं० 155, ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982
मोहर .

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 18 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२
९-८१/५५५८—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संलग्न कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब्र) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवातः :—

) श्री लक्ष्मण मुमुक्षु श्री हरी सिंह, निवासी-ग्राम-
मिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति प्रकाश वती पत्नी श्री मुभाष चन्द, निवासी-
2685 द्वारी मंजिल-नयावाजार, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा अवोद्धुस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सफाईकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि लादादी 1110 वर्गगज, खसरा नं 575, स्थापित-
ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दाता : 18-5-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर० २/
३-४/५५६१—ग्रन्त: मुझे, नरेन्द्र सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या भूमि भाग है तथा जो ग्राम-सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(1) श्री लक्ष्मण सुपुत्र श्री हरी सिंह निवासी- ग्राम-
सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति निमेल गुप्ता, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमंत्रणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि की तादादी 555 वर्गगज, खसरा नं० 638 ग्राम-
सिरसपुर, दिल्ली।(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीमा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीभाओं
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
18-106GI/82

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई टी.एन.एम.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं० १०/पक्ष्य०/२/पक्ष्य० १००-२/
९-८१/५५६८—ग्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसके सभ्या भूमि है तथा जा ग्राम-साहिवाबाद दौलत-
पुर, दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी वे कार्यालय, नई
दिल्ली में भाग्यवर्णनीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मित्रस्वर 1981

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भ-
वास्तविक हृष्ट से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुन्द्र मिह सुमुन श्री रमान सिंह निवास। ग्राम-
साहिवाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति रामी देवी। पत्नी। श्री गोदल चन्द निवासी
12-ई, अगांव नगर दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तादाद 3 बोधे 3 विश्वे, मित इस्ट मिनजुमले,
भूमि तादादी 4 बोधे 16 विश्वे, मुनदरजे मुस्लिमोल न०
37 किला न० 11, साहिवाबाद दौलतपुर, दिल्ली प्रणासन
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख 18-5-1982
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली;

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निरेश मं० ग्राई० ए० मा०/ए क्य०/2/एस० आर०-2/
9-81/5569—अतः मुझे नगद गिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन संधार अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीग जिम्मा संस्था युपि भूमि है तथा जो ग्राम साहिवाबाद
टौनतुरु, दिल्ली में स्थित है (श्रीग जिम्मा उपावड़ अनुगृह, में
पूर्व स्था से बर्णित है), जिसीसी अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में शार्टवे अंडर्सन अंडर्सन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन गिनत्व 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतिरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
पास्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाग
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुन्द्र सिंह मुपुव श्री रसाल सिंह निवार्सी,
साहिवाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रुत्तना पंथर पत्ना श्री राम अत्रतार, 12-ई
कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूष्ठना की
तारीख ते 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि आद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर ममात्ति में हितमद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

पाठीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 7 बिघे 12 विश्वे, प्रथम भूमि तादादी
3 बिघे 4 बिघे, मुमदर्जे खसरा नं० 37/12, व भूमि
तादादी 4 बिघे 8 बिघे, मुस्तातील नं० 37 किला नं० 9,
वाक्या साहिवाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
संधार अधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982।

मांहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० १/२/एस० आर०-२/
९-८१/५५७०—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम साहिबाबाद,
दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन मित्तम्बर 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती
(अन्तरीतीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथ से कभी करने या सस्ते बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था छपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(6) श्री सुन्दर सिंह मुपुल श्री रसाल सिंह निव
साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली ग्रामांशन दिल्ली।

(अन्तरक)

(7) श्रीमति मंजू पत्नी श्री ब्रजमोहन गोयल, निवासी
12ई, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 बिघे 1 बिघे मुनिदरजे मुस्तातील नं०
37, किला नं० 20, 3 बिघे 13 बिघे मिन इस्ट भिन-
जुमले 6 बिघे 10 बिघे भूमि तादादी मिन मिनजुमले 3 बिघे
2 बिघे, मुनदरजे मुस्ताती नं० 37 किला नं० 21, साहिबाबाद
दौलतपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

दिनांक 18 मई 1982
मोहर :

प्रस्तुप आइ०.टी.एन.एस. -----

(1) श्री सुन्दर सिंह सुपुत्र श्री रमान सिंह निवासी साहि-
बाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना(2) श्री राम ग्रवतार सुपुत्र श्री गोहन चन्द निवासी 12-
कमला नगर, विल्सो।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० ग्राइ० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/
९/८१/५५७१—अतः मुझे नरेन्द्र सिंहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो ग्राम साहिबाबाद
दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के वार्या-
न्य, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मितम्बर 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्क्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतर्गत) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,भूमि तावाबी 3 बिघे 4 बिघे, मिनजुमले 4 बिघे 11
बिघे, मुनदरजे मुस्ताती नं० 37, फिला नं० 10 मिन इस्ट
वाक्या साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 नई दिल्लीअतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, भूमि उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 18-5-1982।

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० आर०-२/

9-81-5572—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपावधि अनुभूति में पूर्व स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तिम्बर 1981

को यूवोंवेत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायौवेत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :—

(1) श्री सुन्दर सिंह सुपुत्र श्री रसाल सिंह निवासी साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बृज मोहन गोयल सुपुत्र श्री गोकल चन्द निवासी 12-ई, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्यप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख रो 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

भूमि तादादी 5 बीघे 18 बिश्वे, हस्ते भूमि तादादी 2 बीघे 17 बिश्वे मिन बेस्ट, मिनजुमले भूमि 5 बीघे 10 बिश्वे, मुमदरजे मुस्ताती नं० 37, किला नं० 20 भूमि तादादी 3 बीघे बाक्या साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

तारीख 18-5-1982।

मोहर :

प्रकृष्ट प्रभावी दी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य० 2/प्रम० आर०-2/
9-81/5639—अत मुझे नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त आधिनियम रहा गया है'), की धारा
269-व के अधीन भक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिरक, सरगा वृष्टि भूमि इथ ज ग्रम फृः । निर्दे
मे स्थित है (अंर इ० रपावड इनसूच मे वृ वृ वृ पे
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तिम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त 'सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पक्कह प्रतिशत मे ग्राधिक है और
बाहरक (अन्तरक) और अनाग्री (प्रन्तरितियों) दे दीन
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित मे बास्तविक रूप से कमित
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या इक्षण जाता चाहिए था, हिन्दा ॥ ८८ सविक्षण के लिए;

अत श्र उक्त अधिनियम नी धारा 269-व के अन्तरण
मे सौ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् .—

(1) श्री मौर्जा राम और हरफूल सिंह सुपुत्र श्री भेत
राम, और केहर रिह सुपुत्र श्री कैमहा, निवासी
ग्राम और पो० बदली, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० टचन्द मिस्ट्रेस एच-75, रोड नं० 45,
पजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित मे किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथा पीरभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि की तादादी 2 बीघे स्थापित ग्राम रिथला, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

तारीख 14-5-1982 ।
मांहर

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-थ (1) के 'अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई.टी.एन.एस. 2/ए० आर-2/9-
81/5527—अत मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-थ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कुप्रिय भूमि है तथा जो ग्राम घेवरा
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में पूर्व रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का उत्तरण है कि यथापवेदन सम्पत्ति ना उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्दृष्टेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्री वाली राम, सूरत सिंह सुपुत्र श्री सुरजान, श्री
चन्द्र र भान, सूरज भान सुपुत्र श्री मुर्णी गम, श्रीमति
मुख देवी विद्वान पत्नी मुर्णी गम, निवारी ग्राम
घेवग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री शाम सुन्दर, घनश्याम दास सुपुत्र श्री जेरा
गम, मतीश कुमार सुपुत्र श्री लक्ष्मन, राम प्रकाश
सुपुत्र श्री खान अन्द, और मेहर सिंह निवा सी पंजाबी
बस्ती, नागलोई, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि की तादादी 7 बीघे और 15 विश्वे, स्थापित ग्राम
घेवरा, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
मकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख 14-5-1982 ।

मोहर

प्रस्तुत आड़ नी एन प्रम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाया

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नियन्त्रित, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश गं. आई० ए० सी०/ग्र०१० २/प्रम आर० २/
९-८/५५२१—अतः मुझे नरेन्द्र गिहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी मूल्या छूपि भूमि है, तथा जो ग्राम तेजपुर,
खुदूद दिल्ली में स्थित है (आँग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में आँग पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कायलिय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीलरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित नियमों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी भारतीय नियम विवरण में नहीं था तो न हो, और 'या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अवित्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में संविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—106GI/82

(1) श्री पारम राम सुपुत्र ईश्वरान, निवासी ग्राम रोशन-
पुर नामांगन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बालकिशन जूलका सुपुत्र श्री रोशन नाल जूलका,
मी-53, छठपांच पार्क, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यान्वयन
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिलित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तसूची

भूमि की नावादा 2 बीघे और 7 विघ्ने, ग्राम तेजपुर
खुदूद, दिल्ली।नरेन्द्र सिंह,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-२, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1982

माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री हरौं छुश्च दाम मुपुत्र श्री गुह मान मोहन दाम,
निवासी प-40 राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एव्ह० २/एम० आ०८०-१/
९-८१/८३५—अतः मुझे नरेन्द्र मिहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर गंपति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० ए-४०, है तथा जो राजोरी गाँड़न, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981को पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की रही है और मुझे यह। विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप में किया नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकल नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा
के लिए;

अमृसूची

मकान नं० ८० ४०, राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली।

दरबन्द मिह
मध्यम प्राधिकोरी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-२, दिल्ली, नई दिल्ली-110002अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जगह (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 18-5-1982

संहार :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आपका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सुचाइ

कार्यालय, सहायक आपकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर०-१/

9-81/8403—अतः मुझे नोट्स भिन्न

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्या ए-20, है तथा जो जी० टी० करनाल रोड, इन्डस्ट्रियल एरिया में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुगृहीत में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्टा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन मिन्म्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल में, एग्रे दरमान प्रतिफल एन्ड्रह प्रतिफल में अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा परिवर्तन, निम्नलिखित उद्देश्य में उपर अन्तरण सिर्फ़ वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(५) अन्तरण से हार्दिक किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी कुनौ या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(६) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अग्रीत—

(1) श्री केजल अहमद सुपुत्र श्री नूर इलाही, नीसर अहमद और मुमताज अहमद सुपुत्र श्री केजल अहमद निवासी 790 शिश महल, आजाद मार्केट, दिल्ली पार्टनर मै० एस० एफ० अहमद एण्ड सन्स।
(अन्तरक)

(2) श्री देवराज जैन सुपुत्र श्री रुद्र राम जैन, सुरेश चन्द्र ग्रोवर सुपुत्र श्री सी० एस० ग्रोवर एण्ड श्रीमति शिला रानी पत्नी श्री चमन लाल ग्रोवर, निवासी 27/19 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

75/100 द्विसे मै० एस० एफ० अहमद एण्ड सन्स, ए/20, जी० टी० करनाल रोड, इन्डस्ट्रियल एरिया, विल्ली प्लाट नं. ए-20, जी० टी० करनाल रोड, इन्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली।

तरंग द्वारा
सशम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-5-1982
गांधूर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वा.
269-घ (1) के प्रभान्न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर०-2/
9-81/5518—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें-
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० कुप्रिय भूमि है तथा जो ग्राम रियला, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में पूर्व स्पष्ट से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित मम्पति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत भी अधिक है और अन्तरक (अन्तर्भूतों)
और अन्तरिती (अन्तर्भूतियों) के दीर्घ एवं अन्तरण के लिए तरा एवं
ग्राम प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
मा वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः गंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित विवरण—

(1) श्री हर्ष पाल, नाहर सिंह और धरम सिंह सुपुत्रगण
श्री अमर सिंह और श्रीमती ग्राम वती पत्नी रत्न
सिंह निवासी ग्राम रियला, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल सुपुत्र श्री लालु राम और भागीरथ
सुपुत्र श्री बुध राज निवासी 770-ए, रिशी नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी नहीं तुर्बोक्त सम्पत्ति के पर्वत के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्वत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रत्यधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की नामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रत्यधि बाजार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के प्रत्यधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृतवद
किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सांकेतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भी उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ आर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 विधे ग्राम रियला, दिल्ली।

नर नद्र सिंह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 18-5-1982
गाहा

प्रस्तुत आदृ.टो.एन.एम.-----

(1) श्री शत्रुघ्नि स्वरूप सुपुत्र श्री गिव दयाल, निशासी ग्राम बुगारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजिन्दर नूभार सुपुत्र श्री गिव प्रसाद, निद सी सी-5/4 राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ नई, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं आदृ. ८० सी०/एक० २/एम० आद०-२/९-८१/५७५२—अर्जन मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कुप्रीय भर्मि है तथा जो ग्राम-बुगारी, दिल्ली प्रशासन दिल्ली में स्थित है (आंद्रडमन उपायद्वारा अनुमूल्य में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकृता अधिकारी के पाठ्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन नारीख मिनस्टर 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (अन्तर्गती) और अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरश्य से उक्त अन्तरण लिखित मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्द/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के संबंध में कोई भी आक्षय —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों अंग ददो वा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुप्रीय भर्मि क्षेत्र 19 बिस्ट्रे, खसरा नं. 475, ग्राम बुगारी, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

भक्षण अर्द्धकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260 वा वर्ती उपायारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 18-5-1982

माहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 18 मई 1082

निवेदण म० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एम० आई० २/
१-८१/५७२८—अत् मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्राधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-१ के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का लालन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु सं अधिक है

और जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गिराम पूरा
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपवन्न अनुभूमि में पूर्ण
मूल्य से कमिहा है), रजिस्ट्र कंस्टी अधिकारी के द्वारा लिया, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्टर करण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन सिनेम 1981।

का पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें वचन में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आँखाया-
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः —

(1) श्री लक्ष्मी नारायण गर्मा, सुपुत्र श्री रामजी लाल,
निवास १-२२९, शास्त्र नगर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री राम नारायण गुप्ता, सुपुत्र श्री गुरुदयाल गुप्ता
निवासी २३-वे ज० ज० वालोनी, वजीरपुर,
दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कृहं भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अमृसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 12 विल्ये (600 वर्गगज), खसरा नं०
२१५, ग्राम मिरामपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज २ नई दिल्ली

तारीख 18-5-1982 ।

गाहर :

प्रस्तुप श्रीह० दी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

२६९-ष(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महावक्र आयकर आयकर (नियन्त्रण)

अर्जन रेंज २, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/०क०१०/२०८० आर०-२/७-
४१/५७२५—अत मझे नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके विशेषता 'उच्च अधिनियम' भी गया है), की धारा २६९-ष(१)
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० कागि भूमि है तथा जो ग्राम मिरम्पुर,
दिल्ली में स्थित है (श्रीग इमें उप वडा अनूच्छी में पूर्व
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री नं० अधिकृती के नार्यालय,
नई दिल्ली से ग्रामीण रजिस्ट्री रण अधिनियम 1908
(1908 वा 16) के अधीन मिन्द्रवर 1941

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम नहीं दूरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एमें दूरमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिनी
(अन्तरिनियमों) के द्वितीय अन्तरण के लिए, नया पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण निर्दित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है—

(३) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उच्च अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनूच्छी

(४) ऐसी प्राय या किसी घटन या अन्य आमिनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1923

(1923 का 11) या उच्च अधिनियम,
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अनूच्छी

कुपि भूमि तालादी १ वीघ और 16 विस्त्रे, खमरा नं०
32, ग्राम मिरम्पुर, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह,
सद्गम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (नियन्त्रण)
अर्जन रेंज २, नई दिल्ली

अतः, अब, उच्च अधिनियम, धारा की २६९-ग के अनुसरण
में, उच्च अधिनियम की धारा २६९-प र० उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमः—

तारीख : 18-5-1982।
मोहर।

(1) श्री राम नरायण, मुमुक्षु भी शास्त्र, नाम जटिकरा,
लली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश भं. आई.० ए.० सी०/प्रक्ष० २/ए० आर००-२/
9-१/५७७४—अतः मुझे नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जटिकरा,
दिल्ली में स्थित है (और उसमें उपावरु अनुसूची में पुर्व स्पष्ट
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मिनम्बर 1981।

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, एसे वृद्धमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिक्ति
(अन्तरितियां) के बीच एक अन्तरण नहीं हिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
नहीं साथ नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूँ इन्हें किसी वाय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूल्यांकन के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या
भत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 11)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था गा किया जाना चाहिए था, हिपास मू
ल्यांकन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(2) श्री गंगा कुमार जैन मुमुक्षु श्री जे० आर० जैन,
निवासी-25 फेडम कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कां ही आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तामादवार्द्धी व्यक्तित्वों द्वारा
सूचना की तासीन में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्तिका द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थान अधिनियम में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तिका द्वारा अधोहस्ताकरणी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में विरभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि की तादादी 10 बीघे 16 बिल्कु, ग्राम जटि
करा, दिल्ली रेकट० 27 खसग नं० 4, 5, 7।

नरेन्द्र मिह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982
माहर :

प्रकृष्ट प्राई० ई० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 18 मई 1982

निवेश सं० प्राई० ई० सी०/एक्यू०/२/एम० प्रार०-२/
९-८१/५६२५—उक्त मुद्रे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिभकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अतरीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित
में वास्तविक रूप में नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए,

(1) श्री श्रम पाल मुपुव श्री विष्णु दत्त, निवासी
ग्राम और पी० छपरीला जिला गाजियाबाद
(अन्तरक)

(2) श्रीमति मन वती पत्नी मुरीन्दर सुरी, श्रीमति राजवती
पत्नी श्री वीरेन्द्र सुरी निवासी-1611/11, नविन
सहदरा, दिल्ली ।

(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए यह भी आवश्यक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

“मृत्तुची

कृषि भूमि 19 बिल्डे, खमरा न० 268 (न्य०), 875
(पुराना), ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी :—
20—106GL/82

तारीख 18-5-1982 ।
ओहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू २/एस० आर०-२/९-८१/

५५२६—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पीड़ी गढ़ी
दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ अनन्दनी में पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन अधीन मितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल में, एम्से दस्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एम्से अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कर्ता करने या उसने उचने में माध्यम
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में
माध्यम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की व्यधान (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री केहर सिंह मुपुल श्री रामजीलाल निवासी,
खसरा नं० 487, ग्राम और पो० पीरा गढ़ी
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश तुवेण लिं०, ५६-बी, रामा रोड,
नजफगढ़ रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुसूची

बना दुआ मकान एरीया 325 वर्गगज (अत्याधिक),
आवादी खसरा नं० 487, ग्राम-पीरा गढ़ी, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 18-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई.ए० सी०/एक्य०/2/एस० आर० 2/9-
81/5531—अतः मझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम साहिवाबाद
बौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्राप्तरण
लिखित मैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की 'बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 'या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रतिरक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए।

अप: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान ३—

(1) श्री जय सिंह सुपुत्र श्री प्रथी निवासी—ग्राम
साहिवाबाद बौलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमुराम सुपुत्र श्री के० सी० गुप्ता
प्रो० नं० 40/1, शक्ति नगर, दिल्ली, संजीव कनवाल
सुपुत्र श्री के० सी० गुप्ता निवासी 45 विवेका
नन्द पुरी, सरपेहिला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वा
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयं होगा जो उन प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खेत 18 विश्वे, खुसरा नं० 156, ग्राम
साहिवाबाद बौलतपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 18-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/
१८१/५४३—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जस इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
काउण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि भाग, है तथा जो ग्राम सिरसपुर,
दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तर्कृत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया ग्राम प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) सरदार सिंह और सिरी लाल सुपुत्र श्री नन्द लाल
निवासी ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं जैन इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन, गली नं० 8,
शामपुर, दिल्ली द्वारा सदस्य श्री सुरेश कुमार
जैन सुपुत्र श्री इ० सी० जैन।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष।--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तालीम से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूथ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का माप-555 वर्गगज, खसरा नं० 573, ग्राम
सिरसपुर, विल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1982।
माहूर।

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली विभाग 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य० /२/एस० आर-२/
१४-८१/५७५३—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम लिबासपुर, दिल्ली,
में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरवेश से उक्त अन्तरण विस्तृत
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री मोहन लाल सुपुत्र श्री नेत राम, विरबल
सिंह सुपुत्र श्री धीघा राम, निवासी ग्राम और
पो० शामपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति नीलम देवी पति श्री पवन कुमार,
निवासी 20 ए एण्ड 21, आनन्द पर्वत इडस्ट्रीयल
एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्र 1060 वर्ग गज, खसरा नं० 29/1, ग्राम
लिबासपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 14-5-1982।
मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). की धारा 269-ब(1) के अधीन सच्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ 2/एस० आर०-2/

४-८१/५४८८—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
एक प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
169-ले के अधीन हक्कम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
पारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि का हिस्से है तथा जो ग्राम, सिरसपुर दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रयजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

मों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संघ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उत्तम अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त व्यक्तिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सरदार सिंह और सिरी लाल सुपुत्र श्री नन्द लाल
निवासी ग्राम सिरसपुर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) कुमारी सुमित्रा गुप्ता (नाबालिंग) द्वारा उनकी
अभिभावक श्री रमेश गुप्ता, निवासी 3969 नया
बाजार, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पर्क के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधिकारिक विवरण नहीं है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्फूर्तीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय

भूमि का माप 555 वर्ग गज, खसरा नं० 637, ग्राम सिरस
पुर, घिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, 2 दिल्ली नंदी दिल्ली-110002

तारीख 14-5-82

मोहर १

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सांगी शम सुपुत्र श्री मिह शम निवासी ग्राम नवादा, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निवेश सं० आई० ए० सं०/ग्रंथ०/२/ग्रं० आ०२-
१-८१/५५५४-अतः मुझे, नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० क्रूपि भ्रमि है तथा जो ग्राम नवादा, दिल्ली
में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुसूचा में पूर्ण रूप से
बर्णित है), गजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन गिरिमवर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण
में भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थातः—

(2) श्री अजय कुमार सुपुत्र श्री बंशीधर और श्रीमती
लक्ष्मी देवी, भाटिया, पत्नी। श्री ग्राम चन्द्र और
बलवन्त लाल सुपुत्र श्री ग्राम चन्द्र भाटिया, निवासी
बलबीर नगर, शाहदरा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कर्ता यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि की तादादि 20 बिल्डे, स्थापित ग्राम नवादा,
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14 मई 1982।
मोहर:

प्रस्तुप आहू. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/प्रय०/२/एम०-आर०-२/
९-८१/५७५४—अतः मुझे नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भी है तथा जो ग्राम चिलामपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपादन के लिए अन्तरित की गई है और मृभै यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि तात्पुत्री एवं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 1---

(1) श्री मोहन लाल सुपुत्र श्री नेत राम दिव्वलि मिह
सुपुत्र श्री रामा राम, निवासी ग्राम शामपुर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मन्यवर्त अग्रवाल सुपुत्र श्री राणालाल अग्र-
वाल, निवासी सुप्रीम प्लास्टिक० प्रा० नि० 6/
13, इंडस्ट्रियल एरिया किर्ती नगर, नई दिल्ली ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
भाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताकारी के
पास निवित में किए जा सकते हैं।

प्रबंधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तात्पुत्री एरीया 1060 वर्ग गज, खसरा नं० 29/1,
ग्राम निवासपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र मिह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 18-5-1982

मोहर :

प्रध्य अटड़ २१ पा एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

दायीन्य, भारतीय आयकर अधिनियम (नियंत्रण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 18 मई, 1982

निर्देश सं० आई०ग० मी०/एक्य०/२/एग० आर०-२/९-
८१/५७४५—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर गम्भीर, उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मांग भूमि है तथा जो ग्राम बैकनर, रेवेन्ट
इस्टेट, दिल्ली में स्थित है (आंग इसमें उपावड अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रस्टॉनेशन अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री हेश्वर सिंह सुपुत्र श्री सूरज मल रिसेप्टर पुत्र
श्री मैरी, निवासी ग्राम और पो० बैकनर, दिल्ली-
४०।

(अन्तर्का)

(2) श्री ज्ञान राम और श्री पांडु राम सुपुत्रगण श्री हंसमेय
राम, निवासी ग्राम और पो० बैकनर, दिल्ली।
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास तिलिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में पर्याप्त अर्थों
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

पूरे भूमि 64 बीघे 5 विश्वे का 1/5 भाग, खसरा
नं० 6/5, 6, 15, 16, 25, 37/9/4, 63/1, 10, 11,
20, 64/4, 5, 6, 15 और 64/16 स्थापित रेवेन्ट इस्टेट
ग्राम बैकनर, दिल्ली-४०।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, संसदीय आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड़-२, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 म 1982
निर्देश सं० प्राई० ए० ग०/पक्ष०/2/प्र० 9-81/5743—ग्रन्त: मुझे, नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्विसे हस्तमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कुणिभवि है तथा जो ग्राम माहिवावाद दौलत-
पुर, दिल्ली में स्थित है (आंग हस्तमें ३ पाँच अनुपूर्वी में पूर्ण
रूप से वर्त द्वारा है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पर्याय गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्दरक वे
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों
या, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

(1) श्री सुन्दर सिंह सुपूर्व श्री रमान मिह निरामी
माहिवावाद दौलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्राविन गुप्ता सुपूर्व स्वर्गीय श्री नृजमल श्रग-
वाल, निवासी 22६, बंगला रोड, दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का 1/3 भाग नावार्ड 12 बैंधे 5 बिश्वे, खंभग
नं० 38/5, 4 बैंधे 1 बिश्वे, 38/6 मिन बेस्ट 2 बैंधे
8 बिंधे 3815 मिन बेस्ट 2-8 38/16 मिन बेस्ट 2-8
पाँच 25 बेस्ट भाग 1 बैंधे ग्राम माहिवावाद दौलतपुर,
दिल्ली।

नरेन्द्र मिह

मक्षम प्राधिकारी

संसदीय आयकर अधिकत (निरीक्षण)
अर्जन रोड़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखः 18-5-1982

संहारः

प्रकृष्ट प्राईटी एनो एसो—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/
१८-५७३०—यतः मुझे, नरेन्द्र मिह-

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि इस द्वारा सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम माहिबावद दौलत-
पुर, दिल्ली में स्थित है (आंग इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्टा अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में भुविका के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री राजेन्द्र पाल सुपुत्र श्री रामजी लाल, अजय
पाल मिह मुजुव श्री ब्रान मिह निवासी किंचा, जिला
नैनीनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री मंजुग विह, देव कुमार, विजय कुमार सुपुत्रगण
श्री ओम प्रकाश (अधिभावक) निवासी साहिबावाद
दौलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करने पूर्वान्तर गम्भीर अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में निम्न भी घासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 3 बीघे और 8 विश्वे, खसरा नं० 34/21,
36/16, और 26 बेस्ट भाग, 1/2 हिस्से, टोटन भूमि 6 बीघे
और 16 विश्वे, ग्राम साहिबावाद दौलतपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सकाम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली नई दिल्ली।

तारीख: 18-5-1982

भांहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/2/ग्रा० आर०-2/१-८१/

5769—अतः मुझे, नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम साहिवाबाद दौलत-
पुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन भित्तिकरण 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :--

(1) श्री अर्जयपाल सिंह सुपुत्र श्री केहर सिंह, राजेन्द्र
पाल सुपुत्र श्री राम जो जात निवासी ग्राम किठा,
जिला नैनीताल।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेण राणा, गंगा करन, हावा सिंह राणा
सुपुत्र श्री धरम पाल राणा निवासी ग्राम माहिवाबाद
दौलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

का यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि नादादी 3 बड़ी और 8 बड़ी, खमगा नं० 34/
21, 35/16, और 25 इम्टर्न भाग, ग्राम साहिवाबाद दौलत-
पुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
ग्राम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी. एन.एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश भंगो आडॉए०स००/एक्य००/२/एम० आ०२०-२/
९-८१/५७०५—अतः मुझे, नरेन्द्र मिह

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन समाप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है।

और जिसकी सम्भवत भूमि है तथा जो ग्राम मटियाला, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण स्थैतिक वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मितम्बर 1981

को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थायमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम को बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में दुष्कृति के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य घासितबों
को जिन्हें मारकर आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्ये प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
दुष्कृति के लिए;

प्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुतरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः:—

(1) श्री शिव चन्द्र, रघुनाथ, नन्द रूप, छोटे नाल,
ब्रजान मिह मुपुव्रग्ण श्री नन्हेय, निवासी ग्राम
मटियाला, दिल्ली और माम कीर मुपुव्री श्री नन्हेय
द्वारा जनरन अटार्नी था ब्रजान मिह।

(अन्तरक)

(2) था धरम मिह गुप्त वा जय नाल और टिका राम
मुपुव्र श्री छतर मिह निवासी नया बाजार, नजफगढ़
दिल्ली, नई दिल्ली।

(ग्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करना पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधैन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधैन के सम्बन्ध में कोई भी वारेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाज में नपात होनी हो, जो भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
निमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृश्यताकारी के पास
लिखित ने किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोटो पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मुमि नादादी 4 ब्राह्म, 16 विश्वे, का हिंसा मुस्तातील
न० 18, किनान० 9 ग्राम मटियाला, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
राधम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982

में हैं

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्य०/२/एम० आर०-२/९-
४/५७०४—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्या भूमि है तर्था जो ग्राम शामपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूचि में पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मितम्बर 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) । और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
द्वितीय में वास्तविक रूप से की गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी प्रति या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेश कुमार मुपुव श्री हरी चन्द वामी,
निवासा ११-एफ० कमला नगर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री भ्रश्नाक कुमार, विजय कुमार, सुनिल कुमार
मुपुवग श्री प्राननाथ भिवाल, और श्रोमति वेद
गनी पत्नी प्राण नाथ मिवल, निवासी-२५/६२,
प्रजाबी बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरियी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखदा किसी
पर्याय व्यक्ति द्वारा, प्रधानहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नादादी 1 बीघा खमरा नं०/रेकेंटेल नं० 33,
किला नं० 8/2, 9, 12, 13/2 ग्राम शामपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह;
मक्षम अधिकारी,
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नामांकन : 18-5-1982
मोहर :

ग्राम शाहू नं. एन. एम. -----

(1) श्री शशांक कुमार सुप्रत श्रीनाशवद्या मित्र निवासी दिल्ली दला, दिल्ली।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

(2) श्री जगेंगा मुप्रत श्री जीया गम निवासी दिल्ली दला, दिल्ली।

(अन्तर्गत)

ग्रजन रोड-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश मं. आई.ए.०.र्मी.०/एक्य०/२/ग.० आर.०-२/९-
४१/५५५६—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम दिल्ली कलां,
दिल्ली में स्थित है (अंग इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में पूर्व
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
(1908 का 16) के अधीन नारीख मित्रमव्य 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों और अन्तरितों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उसमें बचने वा मुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम गा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रदत्त नं. किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान
में मुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत्ता के पास
लिखित में किए जा सकेंगे :

स्थाईकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिमाणित है, वही
दर्ज होता है जो उस प्रश्नाय में विद्या गया है :

अनुसूची

भूमि नामादी 9 बोधे 12 विश्वे, स्थापित ग्राम-दिल्ली
कलां दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अड, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई.ए. ० सी०/एक्य०/२/एम० आर०-२/
९-८१/५७३९—अन्तः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृपि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी खुद
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामा नन्द सुप्रत शिंग शाम, निवासी ग्राम होलम्बी
खुद, निल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगल मिह सुप्रत श्री जगत मिह चढ़ा निवासी
एव-3, राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

(शान्तिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिधि-
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्पताभारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां वर्ण होगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 15 बिंवे और 9 बिंवे, खसग नं० 25/
14/2(0-16), 35/15/2(1-1), 25/16(4-16) 25/
17/1(1-8), 26/11/2(1-3), 20 (6-5), स्थानिय,
रेन्यू इस्टेट ग्राम होलम्बी खुद, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली

तारीख 18-5-1982

मूल:

प्रकाश आई. टी. ए. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निदेश सं ० आई. ए. सी.०/एस्य०/२/एस० आर०-२/९-
८१/५७२०—उक्त मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु— से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कला,
दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में कास्तीक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अत , अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

22—106GT

(1) श्री प्रताप सिंह सुपुत्र श्री भगवान सिंह और ग्रनार
सिंह, चरन सिंह इत्यादी निवासी ग्राम टिकरी
कला, दिल्ली।

(अन्तर्गत)

(2) श्री यश पाल सुपुत्र श्री बंडो राम और राम जी
दाम सुपुत्र श्री पलो राम, निवाई ई-11, नारायण
निहार, दिल्ली।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन्धे के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवन्धे के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कृषि भूमि तादादी 7 बीघे 1 बिघे, खसरा
नं. 901 और 846, स्थापित ग्राम टिकरीकला, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 18-5-1982
मोहर :

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०--
पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा
269-व (1) के प्रतीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 18 मई 1982
निर्देश स० आई० ए० मी०/कृ०/२/एम०-आर०-२/९-
८१/५७१९—अतः मुझे नरेन्द्र गिंग

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापार 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वाम फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कुपि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कलां दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावड़ इनसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वाम फरने का कारण है कि वथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरक) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(1) श्री प्रताप सिंह, चरन सिंह, राज पाल, अनार सिंह,
ओमवती इत्यादी ग्राम टिकरी कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) रामजीदाम मुमुक्षु श्रा पोलु गम, इ-II, नारायणा
बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोत्प्रस्ताविती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में वर्णित है, वही पर्याप्त होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरग ने नई निरा आप को बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध अस्तरिती व्यापा शकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की व्यापा 269-व की जब्तारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जात—

1/4 भाग भूमि ताकादी 7 वीवे, 8 विश्वे, खसरा नं० 901 और 846, स्थापित ग्राम टिकरी कलां, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं प्राई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० प्रार०-2/
9-81/5624---उक्त मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सख्त कुप्रभूमि है तथा जो ग्राम बंडौली, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवांशीरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म- वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रोम प्रकाश और इन्द्रजीत सुपुत्र श्री मथुरा प्राम अलीपुर दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं आशा गम मुकुन्द लाल, निवासी-5583 लाहोरी गेट, नया बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तालादी 8 बीघे 7 बिश्वे, स्थापित ग्राम बंडौली दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

प्रकाश बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोक्ता)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई०ए०म००/एक्य००/२८८० आर०-२९-
४१/५६४७—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कुछ भूमि है तथा जो ग्राम मिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में पूर्व सूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से हूँड़ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भरत सिंह रघुबीर सिंह सुपुत्र श्री रत्नी ग्राम,
निवासी ग्राम मिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सुरीन्द्रजीत बालीया पत्नी सरदार सरमुख
सिंह निवासी कू-12 माडल टाउन दिल्ली।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि की तादादी 1 बीघा, 7 1/2 बिंधे, ग्राम मिरसपुर
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 18-5-1982
मोहरः

प्रहृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

नाम मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर०-2/
9-81/5562—ग्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संज्ञा प्राधिकारी को, यह विवास करने
का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर्ह
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रम्य घासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए।

ग्रत: श्री, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1.)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लक्ष्मण सुपुत्र श्री हरी मिह निवासी ग्राम सिरसपुर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीन्द्र कुमार गुप्ता, निवासी-3969 नया
बाजार, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विर
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोद्वासाकारी के
पास सिविल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-व में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उप ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नामादी 555 वर्ग गज, खसरा नं० 638, ग्राम सिरस-
पुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रोज़ 2, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1982 ।

मोहर :

प्रकृष्ट बाईं.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्स०/2/एस० आर०-2/9-81/
5563—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मंडणा क्रिया भूमि है तथा जो सिरसपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सिरमद्दर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधारण प्रतिफल से ऐसे अवधारण प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरवेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आमकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

- (1) श्री लक्ष्मण मुपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी ग्राम
सिरसपुर, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रोमति विमला देवी गुप्ता जन्मी श्री श्रो० फी० गुप्ता,
निवासों ई-129 अशोक बिहार, भाग-1 दिल्ली
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संघर्ष के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त हानी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लाभित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

भूमि नादादी 555 वर्ग गज, खत्तरानं० 571, ग्राम सिरसपुर
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली नई दिल्ली।

तारीख 14-5-1982।

मोहर :

प्रस्तुत पाद, वी.०७८० एक०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर अधिकारी
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अई 1982

निर्देश स० प्राई० ए० मी०/एम्य०/२/एस० प्रार०-२/
१-८१/५५६०—प्रत. मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
में अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि भाग है तथा जो ग्राम सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृ
से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में नम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरू किसी आय की भावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में स्विधा
के लिए;

अत ऊब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तात्--

(1) श्री लक्ष्मण सुपुत्र श्री हरी सिंह निवासी ग्राम सिरस-
पुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत सिंह बोहरा सुपुत्र श्री कौ. एस०
बोहरा, निवासी 8879, मोहल्ला प्लबगम गली मोती
बाली, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-
बहू या अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सर्वे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

भूमि तादादी 555 बगं गज, असरा नं. 637 ग्राम सिरसपुर,
दिल्ली ।

नरेन्द्र मिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधिकारी
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1982
मोहर :

मुद्रण स्थाई टीके एवं दस्तावेज़—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० आर०-2/
9-81/5731—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संलग्न कृषि भूमि है तथा जो ग्राम साहिबाबाद
दौलतपुर दिल्ली में स्थित है (शीर इसमें उपायद्वारा अनुसूची में,
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन विनांक सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात
प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(न) अन्तरण से इसे किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायदि वे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि
अन्तरिती इरा प्रकट नहीं किया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुत्तरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थान (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

(2) श्री सुन्दर सिंह सुपुत्र श्री गिर्वल सिंह निवासी ग्राम
साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री भारत भूषण गुप्ता सुपुत्र श्री हरी चन्द गुप्त
निवासी जी-3/1, माइल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतरण
के लिए लार्डारिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतरण के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितव्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपर्युक्त दर्शाव :—इसमें ग्रामीण शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही अन्य होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग भूमि तावादी सम्पूर्ण भूमि 12 बीघे 5 बिल्हे,
खसरा नं० 38/5(4-1), 38/6 मिन वेस्ट (2-8), 38/15
मिन वेस्ट (2-8) और 25 वेस्ट भाग, 1 बीघा ग्राम
साहिबाबाद, दौलत पुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 14-5-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.ए.स.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० प० सी० /एक्य०/२/एम० आर०-२/
९-८१/५४६५-अतः मुझे, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या कुपि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूमि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायांलय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1981

को पूर्खीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्खीत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रबन्धण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल विस्तृति उपेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कितन नहीं किया गया है।-

(३) अन्तरण से हुई किसी याय की वापत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्यों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौढ़या

(४) ऐसी किसी आय या किसी धन या कम्युनिटी को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्ति अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(१) श्री तिलक राम सुपुत्र श्री राम चन्द्र निवासी
प्र० १०१, दिल्ली।

(अन्तरक)

(२) श्रीमनी रेनुका राज कुमार पत्नी श्री राज कुमार
निवासी १९-जयपुरीया बिल्डिंग, कमरा नगर, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यदि सूचना जारी करके पूर्वीत प्रमाणित प्रजेत के लिए कार्यशालिया करना हूँ।

उक्त प्रमाणिते प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन से ग्राहित या उत्तमवन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वा० में नपाल होती हो, के भीतर पूर्वीत व्यक्तियों में भी किसी अवधि द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोद्घासाधारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ एवं पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि 14 बिल्डिंग 1/6 भाग खमरा नं० 474
(4-4), ग्राम बुरारी, दिल्ली।

नरेन्द्र सिह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

वन्, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपषारा (1) के अधीन तिम्नलिलिन व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—106GI/82

तारीख : 14-5-1982
मोहर :

प्रधान आई० टी० एस० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० /२/एस० आर०-२/
९-८१/५५४८—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सभापत्र प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर समाप्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी संज्ञा कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्व स्पष्ट से अविंत है), रजिस्ट्रीकॉर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
दिनांक सितम्बर 1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वय प्रतिष्ठित प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बदल में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मांगे, अय भगवान, सुशाश कुमार और श्रीमोक
सुपुत्रगण श्री देसा, निवासी ग्राम बुरारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्धार मल अग्रवाल, युपुत्र स्वर्गीय श्री रेखराज
अग्रवाल शम्भुदयाल अग्रवाल सुपुत्र श्री रमेशवर लाल
अग्रवाल, कैलाण प्रसाद अग्रवाल सुपुत्र श्री मिवदत राय
अग्रवाल और विजय कुमार अग्रवाल सुपुत्र श्री मिवदत
राय अग्रवाल 521, लाहोरी गेट दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्य चाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में
से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा अधोहृष्णाक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों ता, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अन्तसूची

भूमि तादादी (0-5) बिश्वा खसरा नं० 714/2, ग्राम
बुरारी, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 14-5-1982
माहूर :

प्रस्तुत आदि. टी. पन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री मांगे, जय भगवान, सुबास और अशोक सुपुत्र श्री
देसा कुमार, निवासी ग्राम बुरारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हनुमान प्रसाद अग्रवाल सुपुत्र श्री रमेश्वर दास अग्र-
वाल

(अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य० २/२/५८० आर०-२/९
४१/५५४७—अतः सुन्ने, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कुप्रिय भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संघटक के दस्यमान
प्रतिफल के द्वारा अन्तरित की गई है और उसके द्वारा उक्त सूचना करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
वायवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वमन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

प्रबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तावादी (0-5) खसरा नं० 714/2, एरीया ग्राम
बुरारी, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 14-5-1982
माहूर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निवेश सं. आई.ए. ५० सी.० /एक्यू०/२/एस० आर०-२/९
८१/५५६४—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपयोग बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या कुपि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे १२ माह प्रतिपल हा ग्राम प्रतिशत अधिक है और अन्तररक (अन्तराल) प्रांद प्रभारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा ग्राम गया प्रतिफल, निम्नलिखित तदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसारेण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन, [निम्नलिखित अधिकारी], वर्तमान—

(1) श्री लक्ष्मण सुपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी ग्राम सिरसपुर दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमाति माया देवी पत्नी श्री राम गोपाल गुप्ता निवासी 25/103बी, शक्ती नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त नियन के प्रत्येक सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्राम-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही गर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यों

भूमि लालां 555 बर्गगज, खसरा नं. 571, ग्राम सिरसपुर दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1982 ।

गोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य००/२/एम० आर०-२/९-८१/
५५६—ग्राम: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संलग्न कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दूर्घातमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकायूवौक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घातमान प्रतिफल में, ऐसे दूर्घातमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा गाया गया प्रतिफल निर्मालित उद्देश्य ने उक्त प्रतिरण निखिल में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य औसतियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री लक्ष्मी सूपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कलावती पत्नी श्री रघुनाथ प्रसाद, निवासी-25/39, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीराद्यी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, औं उम प्रधाय में दिया गया है।

बनाती

भूमि तादादी 555 वर्ग गज, खसरा नं० 575, ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 14-5-1982
गोदूरः

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अन्तर्गत, गिरन्दिविता व्यक्तियों, अस्ति :—

प्रस्तुप् आशै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/2/एस० आर०-2/9-81/
5751—अत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जे-6/118 है तथा जो राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
स्व. से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय [नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16)] के अधीन दिनांक सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वारतात्त्विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, नरेन्द्र सिंह को धारा 269 वाली अधिनियम (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे एन० कपूर, होनी से० एस० वी० आई०
नई दिल्ली स्टाफ कोपरेटिव होनी सोसाइटी लि० नई
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री सी० पी० विरगार्ना जे-6/118 राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जे०-6/118 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, एरीया तीतारपुर,
क्षेत्रफल 160 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह,
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

तारीख : 18-5-1982
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 6th April 1982

No. A.32014/1/82-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad hoc basis for the periods mentioned against each or until further orders whichever is earlier :—

S. No. Name -Period for which promoted

1. Shri O. C. Nag—8-3-82 to 30-6-82
2. K. G. Nair—9-4-82 to 30-6-82
3. S. R. Ghelou—13-3-82 to 30-4-82
4. Shri K. P. Sen—1-4-82 to 16-5-82

The 19th April 1982

No. A.12025(ii)/3/78-Admn.III.—Consequent on their having been nominated to U.P.S.C. for appointment as Section Officers on the basis of Combined Limited Departmental Examination 1980 vide Department of Personnel & Administrative Reforms OM No. 5/2/82-CS (I) dated 20th February 1982, the President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of the UPSC, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre from the forenoon of 23rd February 1982 until further orders:—

S. No., Name and Remarks

1. Shri Vijay Bhalla—Presently on deputation
2. Shri P. K. Kailasa Babu—Granted proforma promotion.

2. These appointments shall be subject to the results of the GWP No. 1194/78 pending in the Delhi High Court.

The 30th April 1982

No. P/136-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri B. S. Kapoor a permanent Section Officer of Central Secretariat Service Cadre & officiating in Grade I of Central Secretariate Service as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1982.

No. P/1042-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri T. M. Kokel, who was re-employed as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of 3 months with effect from 1-2-1982, to be relieved of his duties with effect from 30-4-82 (AN) on the expiry of the period of re-employment.

No. P/1371-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri B. B. Mehra, a permanent officer of Grade A of Central Secretariat Stenographer Service Cadre of Union Public Service Commission and officiating as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1982.

The 3rd May 1982

No. A.19013/1/80-Admn.I.—Consequent on his selection for appointment as Director in the Department of Coal the services of Shri S. Dutta, an officer of the Indian Administrative Service (W.B.:1967), on deputation as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission and at present on study leave with effect from 18-9-80, are placed at the disposal of the Department of Coal, with effect from the afternoon of 3rd May, 1982.

Consequent on his release from the office of Union Public Service Commission, the study leave granted to Shri S. Dutta is curtailed upto 3rd May, 1982.

The 10th May 1982

No. A. 12024/2/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Grade I officers of Central Secretariat Service and officiating as Under Secretaries in the office of Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretaries in the office of Union Public Service Commission on

ad hoc basis for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier:

S. No.	Name of the Officer	Period for which appointed as Deputy Secretary
1.	Shri B. S. Jain	28-1-1982 to 26-6-1982
2.	Shri R. P. Kukreti	28-4-1982 to 21-6-1982

No. A.32013/11/82-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri H. M. Biswas, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of Union Public Service Commission included at S. No. 12 of the Select List of CSS officers for the year 1981, for appointment to Grade I thereof, to officiate in Grade I of the CSS as Under Secretary in the same office on an ad-hoc basis, for the period W.E.F. 12-1-1982 to 30-6-1982 or until further orders whichever is earlier.

Y. R. GANDHI
Under Secretary,
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 16th April 1982

No. A.11/1/82.—Sh. S. C. Adlakha, Assistant Enforcement Officer in Headquarters office of this Directorate, is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Headquarters office of this Directorate w.e.f. 22-3-82(AN) and until further orders.

D. C. MANDAL
Special Director of Enforcement

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 17th May 1982

No. A.19019/1/82-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri G. Ramachandran, IPS (Gujarat-1955) as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector-General of Police, Special Police Establishment, with effect from the forenoon of 12th May, 1982 until further orders.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE.

New Delhi, the 17th May 1982

No. D.I-16/81-Estt.—Consequent on his deputation to the Government of Nagaland as S. P. (Wireless), Shri J. Choudhari, Assistant Commandant of CRPF relinquished charge of the Post of Assistant Commandant in the afternoon of the 6th May, 1982 with direction to report to the IGP Nagaland, after availing usual joining time.

The 19th May 1982

No. O.II-1609/81-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr (Miss) G. Chellakannu as Junior Medical Officer in the CRPF on adhoc basis with effect from 4-5-1982 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI.
Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 17th May 1982

No. E-32015(2)/2/81-PERS.—President is pleased to appoint Daljit Singh as Commandant, CISF Unit, BHEL Hardwar on re-employment basis, w.e.f. the forenoon of 24th March 1982.

SURENDRA NATH,
Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, (INDIA)

New Delhi, the 22nd May 1982

No. 11/31/80 Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned investigation as Assistant Directors of Census Operations (Technical) in the offices as mentioned against their names, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a further period upto the 31st May, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions :—

Sl. No.	Name of the officer	Office in which working
1.	Shri K. S. Rawat	Office of the Registrar General, India, New Delhi.
2.	Shri M. Tej Kishore Singh	O/o the DCO, Meghalaya, Shillong.
3.	Shri S. S. Bahri	O/o the RGI, New Delhi
4.	Shri M. N. Sarkar	O/o the DCO, West Bengal, Calcutta.
5.	Shri Samsher Singh	DCO, Rajasthan, Jaipur.
6.	Shri Ch. Purnachandra Rao	DCO, Andhra Pradesh, Hyderabad.
7.	Shri K. K. Akolkar	DCO, Maharashtra, Bombay.
8.	Shri M. L. Sharma	DCO, Madhya Pradesh, Bhopal.
9.	Shri K. R. Narayana	DCO, Karnataka, Bangalore.
10.	Shri H. S. Meena	DCO, Bihar, Patna.
11.	Shri A. C. Reddy	DCO, Andhra Pd., Hyderabad.
12.	Shri K. K. Sharma	DCO, Andhra Pd. Hyderabad.
13.	Shri S. S. Niket	DCO, Bihar, Patna.
14.	Shri Nirmal Bhattacharya	DCO, Assam, Gauhati
15.	Shri M. P. Jhala	DCO, Gujarat, Ahmedabad.
16.	Shri J. C. Dutta	DCO, Nagaland, Kohima.
17.	Shri P. K. Rout	DCO, Orissa, Bhubaneswar.
18.	Shri D. K. Chaudhuri	DCO, Tripura, Agartala.
19.	Shri R. M. Singh	DCO, U. P., Lucknow.
20.	Shri G. S. Gill	DCO, Punjab, Chandigarh.
21.	Shri Lakhan Singh	DCO, U. P., Lucknow.
22.	Shri M. L. Sharma	DCO, Delhi, Delhi.
23.	Shri J. Thomas Machado	DCO, Tamil Nadu, Madras.
24.	Shri C. L. Sharma	DCO, Himachal Pd., Simla.
25.	Shri S. P. Desai	DCO, Goa, Daman & Diu, Panaji.
26.	Shri M. S. Ramachandran	DCO, Karnataka, Bangalore.

2. The above-mentioned *ad-hoc* appointments shall not bestow upon the Officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations(T). The services rendered by them on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the Grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The afore-said *ad-hoc* appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India.

DIRECTORATE OF CENSUS OPERATIONS, DELHI

New Delhi-110054, the 20th May 1982

ORDER

No. A.20031/4/76-DCO/5833.—WHEREAS Shri Sham Sunder, Computer (Offg. as Statistical Assistant on *ad-hoc* basis) in the Office of the Director of Census Operations, Delhi, had been continuously absenting himself from duties

since 30-4-1980 without any permission of the competent authority;

AND WHEREAS his continued absence from duties constituted gross misconduct rendering the said Shri Sham Sunder liable to disciplinary action;

AND WHEREAS a charge sheet No. A.20031/4/76-DCO/5760 dated 18/19-3-81 was ultimately got served upon him on 25-6-1981.

AND WHEREAS disciplinary proceedings under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 were instituted against the said Shri Sham Sunder to inquire into the charges of deliberately and wilfully absenting himself from duty; and for deliberate defiance of lawful directions and orders of the competent authority.

AND WHEREAS an inquiry into the charges was held ex-parte, as the said Shri Sham Sunder did not participate in the proceedings except for one hearing held on 23rd June, 1981.

AND WHEREAS the undersigned had accepted the recommendations of the Inquiring Authority recording that the charges framed stand proved against the said Shri Sham Sunder w.e.f. 30-4-1980.

AND WHEREAS the undersigned dismissed the services of the said Shri Sham Sunder, Computer (Offg. as Statistical Assistant on *ad-hoc* basis) in the Office of the Director of Census Operations, Delhi, with effect from the 24th March, 1982;

AND WHEREAS the orders of dismissal of the said Shri Sham Sunder, sent to him by Registered Post A. D. at his last known addresses, have been returned to this office undelivered;

NOW, THEREFORE, the undersigned under the circumstances announce the dismissal of services of the said Sh. Sham Sunder w.c.f. 24th March, 1982 through this notification.

V. K. BHALLA,
Director (Census)

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the June 1982

The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base : 1960=100 increased by two points to reach 459 (four hundred and fifty nine), during the month of April, 1982. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of April 1982 works out to 558 (Five hundred and fifty eight).

A. K. MALHOTRA,
Dy. Director Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

(BANKING DIVISION)

REHABILITATION FINANCE ADMINISTRATION UNIT

New Delhi, the 24th May 1982

No. RFAU/2(4)/82-Fst.—Shri B. Brahma, Superintendent, who on attaining the age of superannuation on 31-12-1981 was re-employed as Superintendent in the Rehabilitation Finance Administration Unit, Calcutta for a period of three months with effect from the 1st January, 1982 upto the 31st March, 1982, was re-employed as Superintendent in the same office for a further period of one month with effect from the 1st April, 1982 upto the 30th April, 1982.

N. P. RAI ASUBRAMANIAN,
Administrator

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, N.F. RAILWAY

Gauhati-781011, the 5th December 1981

O. No. 63.—Sri S. K. Bhattacharjee, SRAS Section Officer of this office, at present working as Accounts Officer on Foreign service in the Central Inland Water Transport Corporation I.ltd. Gauhati has been granted pro forma promotion in the Audit Officer's Grade in the scale of Rs. 840-40-1000-

EB-40-1200/- under the Next Below Rule with effect from 17-81 (FN) until further orders.

The 27th February 1982

No. 90.—Consequent upon conversion of one Temporary post of Audit Officer into a permanent post of Audit Officer vide C.A.G's letter No. 3455/BRS/GE II/87-77 dt. 10-11-80, and this office S.O.O. No. 58 dt. 15-12-80 Shri S. M. Roy, an Officiating Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- is appointed substantively in the Audit Officers cadre with effect from 1-6-1979.

The 1st March 1982

No. 91.—Shri S. M. Roy, a substantive Audit Officer, retired on superannuation with effect from 28-2-82 (AN).

S. CHANDRASEKHAR,
Director of Audit.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUE

New Delhi, the 21st May 1982

No. Admn.I O.O. No. 62.—The Director of Audit has ordered under 2nd proviso to FR 30(1), the pro forma promotion of the following permanent Section officers of this office to the Grade of Audit officers in the time scale of Rs. 840-1200 from the dates shown against them, until further orders :—

1. Shri S. S. Lal—30-10-81
2. Shri M. B. Johri—30-10-81 A.N.
3. Shri K. L. Rajput—30-10-81 A.N.
4. Shri V. P. Dhingra—30-11-81
5. Shri D. K. Das—25-2-82 A.N.

No. Admn. I/O.O. No. 64.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shri V. N. Prashar, a permanent Section Officer of this office to officiate as Audit officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from forenoon of 15th May, 1982 until further orders.

No. Admn.I/O.O. No. 70.—The Director of Audit (CR), hereby appoints Shri K. C. Govil, permanent Section officer of this office to officiate an Audit officer, in Scale Rs. 840—1200 with effect from the afternoon of 17-5-1982 until further orders.

SAMAR RAY,
Joint Director of Audit (Admn.)

New Delhi, the 22nd May 1982

No. AN/H/2606/82-I.—The under mentioned Accounts Officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the dates shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from whi- ch trans- ferred to pension Estt.	Organisation
1	2	3	4	5
1.	Shri Jai Dev, O/NYA	Offg. Accounts Officer.	31-8-81	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
2.	Shri I. R. Jaidka, O/45	Do.	30-11-81	Controller of Defence Accounts, Central Command Meerut.
3.	Shri R. K. Sharma, P/251	Pt. Accounts Officer	31-12-81	Do.
4.	Shri H. C. Bawa, P/286	Do.	31-1-82	Do.
5.	Shri T. N. Khanna, O/NYA	Offg. Accounts Officer	31-1-82	Do.
6.	Shri Somnath Sapooro, P/136	Pt. Accounts Officer	31-1-82	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
7.	Shri Vasudev, P/583	Pt. Accounts Officer	31-1-82	Do.
8.	Shri Amal Kumar Mitra, P/74	Do.	31-1-82	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
9.	Shri V. S. Undale, P/472	Do.	31-1-82	Do.
10.	Shri Subrata Bhattacharya, O/23	Offg. Accounts Officer	31-1-82	Do.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 17th May 1982

No. AN/I/1172/1/I(PC-II).—The President is pleased to appoint the following officers of this Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that service on an ad-hoc basis, for a period of six months, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, with effect from the dates shown against their names :

1. Shri K. Sundarajan—28-2-1982 (FN)
2. Shri Sanjib Mukherji—29-4-1982 (FN)

No. AN/I/1183/1/I.—Reference this Department's notification No. AN/I/1403/4/I dated 12th March, 1982 & dated 23rd April, 1982. The President is pleased to allow the following Permanent Accounts Officers to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700-1300) on ad hoc basis for further period as noted against each :—

Sl. No.	Name	Date upto which ex- tension has been allowed
1.	Shri P. Banerjee	25-5-82
2.	Shri Om Prakash	28-2-82
3.	Shri Parimal Chatterjee	25-5-82
4.	Shri P. S. Balasubramanian	30-6-82
5.	Shri J. N. Agarwal	27-5-82
6.	Shri Amar Nath Gupta	31-5-82
7.	Shri P. S. Swaminathan	28-6-82
8.	Shri D. Krishnamurthy	12-7-82
9.	Shri S. Bhagereathan	27-5-82
10.	Shri R. L. Sehgal	11-7-82
11.	Shri Jagdish Singh	28-5-82
12.	Shri Lachha Singh	28-5-82
13.	Shri Lachman Das Gambhir	27-5-82
14.	Shri Man Mohan Singh	4-6-82
15.	Shri C. R. Mazumdar	27-8-82
16.	Shri J. M. L. Sharma	30-6-82
17.	Shri Shyamal Deb	13-8-82
18.	Shri B. Narayana Rao	31-5-82
19.	Shri K. L. Makin	27-9-82
20.	Shri C. Suryanarayana	20-9-82
21.	Shri Janakiraman	2-8-82
22.	Shri P. K. Saighal	16-8-82
23.	Shri V. Sampath	19-8-82
24.	Shri D. K. Kar	3-8-82

R. K. MATHUR,
Addl. Controller Genl. of Def. Accts. (AN)

1	2	3	4	5
11.	Shri B. M. Sarkar, P/525 . . .	Pt. Accounts Officer	31-1-82	Controller of Defence Accounts Patna.
12.	Shri S. B. S. Chauhan, P/561 . . .	Do.	31-1-82	Do.
13.	Shri G. M. Nandargikar, P/232 . . .	Do.	31-1-82	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
14.	Shri V. Krishnamurthy, O/NYA . . .	Offg. Accounts Officer	31-1-82	Do.
15.	Shri A. S. Bhatia, P/298 . . .	Pt. Accounts, Officer	28-2-82	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
16.	Shri I. J. Bhatia, P/547 . . .	Pt. Accounts Officer	28-2-82	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
17.	Shri P. R. Latta, O/150 . . .	Offg. Accounts Officer	28-2-82	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut.
18.	Shri T. V. Radhakrishnan, O/44 . . .	Do.	28-2-82	Do
19.	Shri Banarsi Lal Sharma, P/356 . . .	Pt. Accounts Officer	28-2-82	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
20.	Shri Biswanath Banerjee, O/161 . . .	Offg. Accounts Officer	28-2-82	Do.
21.	Shri Mohan Singh O/141 . . .	Do.	31-3-82	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
22.	Shri V. Krishnamurthy, P/238 . . .	Pt. Accounts Officer	31-3-82	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
23.	A. R. Chandrasekhararaju, P/40 . . .	Do.	31-3-82	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras.
24.	Shri D. K. Akut, O/359 . . .	Offg. Accounts Officer.	31-3-82	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
25.	Shri R. G. Joshi, O/NYA . . .	Offg. Accounts Officer	31-3-82	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
26.	Shri T. P. Nanda, P/302 . . .	Pt. Accounts Officer	31-1-82	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
27.	Shri T. R. Neelakantan, O/NYA . . .	Offg. Accounts Officer	28-2-82	Do.
28.	Shri K. T. Ramanujachari, P/452 . . .	Pt. Accounts Officer	31-3-82	Do.
29.	Shri R. Swaminathan, P/253 . . .	Do.	31-3-82	Do.
30.	Shri O. P. Malhotra, O/187 . . .	Offg. Accounts Officer	28-2-82	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
31.	Shri N. C. Jain, O/NYA . . .	Do.	31-3-82	Do.
32.	Shri R. N. Gupta, P/247 . . .	Pt. Accounts Officer	31-3-82	Do.
33.	Shri Braham Dutt, P/366 . . .	Do.	31-3-82	Do.
34.	Shri S. L. Sikka, P/295 . . .	Do.	31-1-82	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
35.	Shri R. C. Mehta, P/434 . . .	Do.	28-2-82	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
36.	Shri S. R. Gulati, P/311 . . .	Do.	31-1-82	Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu.
37.	Shri S. N. Sharma, O/19 . . .	Offg. Accounts Officer	28-2-82	Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu.
38.	Shri Sohan Lal, P/289 . . .	Do.	7-1-82 (voluntary retire- ment) 26-2-82	Controller of Defence Accounts Central Command Meerut.
39.	Shri V. V. Arole, O/12 . . .	Do.	(voluntary retire- ment) 26-2-82	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.

"The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officer".

Sl. No.	Name, with Roster No.	Grade	Date of death	Struck off strength	Organisation
1	2	3	4	5	6
1.	Shri A. Dutta Gupta, O/NYA . . .	Offg. Accounts Officer	2-12-81	3-12-81 (FN)	Controller of Accounts (ORs) North, Meerut.

A. K. GHOSH,
Dy. Controller General of Defence Accts.(AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES
ORDNANCE FACTORY BOARD
Calcutta, the 15th May 1982

No. 24/82/G.—Shri M. R. Kurrey Subst. & Permt. Asstt. Manager retired from service w.e.f. 30th May, 1974 (FN) consequent on his permanent absorption in Bharat Aluminium Company Ltd., with effect from the same date.

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS
New Delhi, the 19th May 1982
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1057/74-ADMN(G)3157.—On attaining the age of superannuation, Shri S. K. Mondal, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports Calcutta, has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st March 1982.

No. 1/2/81-ADMN(G) 3165.—The President is pleased to appoint Shri Dalip Chand, (CSS Grade I Select, List—1980) to officiate in grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports New Delhi for a period of three months with effect from 1st January, 1982.

J. K. MATHUR
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 19th May 1982

No. 9.19018(337)/78-Admn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri D. P. Popli, Hindi Translator in the office of the D. C. (SSI), New Delhi as Assistant Editor Hindi on ad-hoc basis at the same office with effect from the forenoon of 26-4-1982 until further orders.

The 22nd May 1982

No. A.19018(552)/82 A(G).—The President is pleased to appoint Dr. P. G. Adsule as Dy. Director (Food) at Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 19-4-1982 until further orders.

No. A.19018(564)/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Partha Roy, Small Industry Promotion Officer (L/F), Small Industries Service Institute, New Delhi, as Assistant Director (Gr.I) (L/F) at SISI, Cuttack with effect from the forenoon of 7-4-1982 until further orders.

No. A.19018(567)/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Keval Ram Bhadhan, Small Industry Promotion Officer (Leather/Footwear), Small Industries Service Institute, Bombay as Assistant Director (Gr.I) (Leather/Footwear) at Small Industries Service Institute, Jaipur with effect from the forenoon of 3-4-1982 until further orders.

The 24th May 1982

No. A-19018(220)/75-A-G.—The President is pleased to appoint Shri C. H. Subramanyan, Asstt. Director (Gr.I) (G/C), E.C., Papanaidupet under Small Industries Service Institute, Hyderabad as Dy. Director (G/C) on ad-hoc basis as SISI, Solan with effect from the forenoon of 17-12-1981 until further orders.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 14th May 1982

No. A-1/1(1045).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Ram Kishan, J.P.O. to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade-II) in this Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of 1-5-1982 and until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri Ram Kishan as Assistant Director (Grade-II), will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

N. M. PERUMAL
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals.

New Delhi-1, the 5th May 1982

No. A-1/1(838).—The President is pleased to appoint Shri Girdhari Lal, Deputy Director of Supplies (Grade II of

Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Director of Supplies (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the office of Director of Supplies & Disposals, Madras, on purely ad-hoc basis, with effect from the forenoon of 12th April 1982 and until further orders.

2. Shri Girdhari Lal relinquished charge of the post of Dy. Director of Supplies on 31-3-82 (AN) in Dte. General of Supplies and Disposals, New Delhi and assumed charge of the post of Director of Supplies in the Directorate of Supplies and Disposals, Madras with effect from the forenoon of 12-4-1982.

The 14th May 1982

No. A-1(739).—The President is pleased to appoint Shri L. C. Wadhawan, Assistant Director of Supplies (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director, of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 24-4-1982 and until further orders.

2. Shri L. C. Wadhawan relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies and assumed charge of the post of Deputy Director of Supplies in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 24-4-1982.

The 21st May 1982

No. A-1/1(1052).—The President is pleased to appoint S/Shri R. K. Saxena, N. Roy, Senior Economic Investigators and J. K. Malhotra, Assistant Programmer in DGS&D to officiate as Assistant Director (Statistics) (Grade I) included in Grade IV of ISS (Scale of pay Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300) in this Directorate General, on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 12-4-1982, for a period of 3 months or till direct recruits or regular promotees become available, whichever is earlier.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 25th May 1982

No. A-6/247(206).—Shri S. R. Chakraborty, substantive Assistant Inspecting Officer (Engg.) officiating in the grade of Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Engineering Branch) in the Office of Director of Inspection, Calcutta has retired from service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 30th April, 1982.

N. M. PERUMAL
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPARTMENT OF STEEL)

(IRON & STEEL CONTROL)

Calcutta-20, the 12th May 1982

No. EI-12(42)/82(.).—On attaining the age of superannuation Shri S. C. Sarkar, Assistant Iron & Steel Controller has relinquished the charge of the post with effect from 30-4-82. (A.N.).

S. N. BISWAS
Joint Iron & Steel Controller

DEPARTMENT OF MINES
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 22nd May 1982

No. 360613/A-32013(4-Driller)/78/19B.—Shri M. K. Roy Choudhury, Senior Technical Asstt. (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with

The 17th May 1982

No. A.38012/3/81(HQ)Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri D. R. Sharma, Senior Architect in the Directorate General of Health Services, retired from Government service on the afternoon of the 28th February, 1982.

The 21st May 1982

No. A-32014/5/81(AIIPMR)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. A. Deshpande, Workshop Manager, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay to the post of Superintendent, Prosthetic and Orthotic Workshop at the same Institute with effect from the forenoon of the 5th September, 1981 on a purely *ad hoc* basis until further orders.

No. A.35014/1/80(NTI)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. Narayana to the post of Administrative Officer at the National Tuberculosis Institute, Bangalore with effect from the forenoon of the 23rd April, 1982 and until further orders.

No. A.35014/1/80(NTI)Admn.I.—Consequent upon reversion to his parent office, Shri Y. Vijaya Simha relinquished charge of the post of Administrative Officer at the National Tuberculosis Institute, Bangalore with effect from the forenoon of the 23rd April, 1982.

No. A. 38013/4/81(HQ)Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri R.S.L. Dutta Chaudhry, Section Officer in the Directorate General of Health Services retired from Government service on the afternoon of the 28th February, 1982.

T. C. JAIN
Deputy Director Administration (O&M)

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION

AGRICULTURAL PRICES COMMISSION

New Delhi, the 18th May 1982

No. F-2-1/82-Admn.—Mrs. Sushma, Research Investigator Grade I (Econ.) has been appointed to officiate as Hindi Officer in the Agricultural Prices Commission in a temporary capacity w.e.f. 17-5-82 (Forenoon) and until further orders.

R. N. HANSRA
Administrative Officer

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMNT
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 20th May 1982

No. A.-19025/4/82-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Rajendra Kumar Sharma, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur w.e.f. 24-4-1982. (AN), until further orders.

G. S. SHUKLA
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 14th May 1982

No. PA.76(2)/80-R-III.—On transfer from PPED, Bombay of Department of Atomic Energy, Shri Shimoga Ramachandra Rao Ranganath Rao, Assistant Accounts Officer has assumed charge of the post of Accounts Officer-II in BARC with effect from the forenoon of May 10, 1982.

A. N. KATHI
Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 19th May 1982

No. V/659/FRD/Estd.II/1924.—Director, BARC has accepted the resignation from service tendered by Shri Chenemipilly Vijayaraghavan, a permanent Scientific Assistant 'C' and officiating SO/Engr-Grade SB of the B. A. R. C. with effect from the afternoon of March 16, 1982.

R. L. BATRA
Dy Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES
(MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT)

Madras-600006, the 13th May 1982

No. MRPU/200(9)/82Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, appoints Shri N. Rajagopalan, a permanent Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 on an adhoc basis in the Madras Regional Purchase Unit of the same Directorate with effect from April 17, 1982 to May 22, 1982 afternoon.

No. MRPU/200(15)/82Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, appoints Shri V. Sripatha Rao, a permanent Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an adhoc basis in the Madras Atomic Power Project Stores of the same Directorate with effect from March 11, 1982 to April 28, 1982 afternoon.

S. RANGACHARY,
Senior Purchase Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 8th May 1982

No. PAR/0704/1167.—In continuation of this Office Notification No. PAR/0704/1048 dated 17-4-1982, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Sri P. Venkata Rao, U.D.C. to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 16-5-1982 to 5-6-1982 or until further orders, whichever is earlier.

No. PAR/0704/1168.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri P. Rajagopalan, Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 3-5-1982 to 15-5-1982 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI
Manager, Personnel & Admn.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 24th April 1982

No. TAPS/1/34(1)/76-R(Vol. VII).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints the undermentioned officials of the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Station in a temporary capacity with effect from the dates as indicated against each and until further orders:

Sl. No.	Name & Designation	Date from apptd. to Grade SB
1.	Shri P. B. Mendekar Scientific Assistant (C)	1-2-1982
2.	Shri P. Thangavelu Scientific Assistant (C)	1-2-1982
3.	Shri P. S. Patil Scientific Assistant (C)	1-2-1982
4.	Shri S. B. Savc Scientific Assistant (C)	1-2-1982
5.	Shri D. P. Chaphekar Scientific Assistant (C)	15-2-1982
6.	Shri Natha Singh Rai Tradesman (G)	1-2-1982

D. V. MARKARI
Administrative Officer III

Thane, the 24th April 1982

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Shri P. Ganapathy, a permanent Personal Assistant in the Tarapur Atomic Power Station to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960), in the same Station with effect from the forenoon of April 6, 1982, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kulapakkam, the 13th May 1982

No. RRC/A.32023/1/77/R/6040.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri *MUTHIAH KRISHNAMOORTHY*, a permanent Senior Stenographer and Officiating Stenographer Grade-III of the Reactor Research Centre in an officiating capacity on an adhoc basis as Assistant Administrative Officer in the same Centre for the period from 10-5-82 to 11-6-82 vice Shri R. Narayanan, Assistant Administrative Officer proceeded on leave.

S. PADMANABHAN
Administrative Officer

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 15th May 1982

No. 608/189/82-Adm.—The Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune, hereby appoints on deputation for three years Shri K. N. Paulose, Officiating Accounts Officer of the Office of CDA (Officers), Pune-1 as Accounts officer in the Central Water and Power Research Station, Pune on a pay of Rs. 920/- per month in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of 31st March 1982.

Shri Paulose is also entitled to deputation (duty) allowance at the rate of 10% of basic pay Rs. 92/- per month with effect from the afternoon of 31st March 1982, in terms of Ministry of Finance, Department of Expenditure's Office Memorandum No. 10(24)/E.III/70 dated 4th May 1961 as amended from time to time.

M. R. GIDWANI,
Administrative Officer
for Director

DEPARTMENT OF SPACE

(ISRO SATELLITE CENTRE)

Bangalore-560058, the 3rd March 1982

No. 020/3(061)/82.—The Director, ISAC is pleased to accept the resignation from the service of Shri S. K. Vyas, Sci./Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre Bangalore of the Department of Space with effect from the afternoon 2nd February 1982.

The 12th May 1982

No. 020/3(061)/82.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Shri R. Ravindran to the post of Scientist/Engineer 'SB' w.e.f. 5-4-1982 (FN) in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders.

No. 020/3(061)/A082—Director, ISRO SATELLITE CENTRE is pleased to promote the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of

the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders :—

Sl. No	Name	Designation	Date
S/Shri			
1.	S. Sreeramamoorthy	Sci/Engineer SB	1-4-1982
2.	H. Purushothama Rao	Sci/Engineer SB	1-4-1982
3.	S. Mallikarjunan	Sci/Engineer SB	1-4-1981

S. SUBRAMANYAM,
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th April 1982

No. A.32013/12/82-E.I.—In pursuance of decision taken by the Director, Office of the Regional Director Madras, retired from Government services on the 31-3-1982 on attaining the age of superannuation.

The 14th May 1982

No. A.32013/12/82-E.I.—In pursuance of decision taken by the Director General Shri Kuldeep Singh Senior Technical Assistant (Aeronautics) is appointed as Scientific Officer on an adhoc basis for a period from 11-5-1982 to 29-7-82.

The 15th May 1982

No. A. 32013/11/80-E.I.—In continuation of this Office Notification No. A. 32013/11/80-E. I, dated the 27-11-80 the President is pleased to appoint the following Officers to the post of Director of Communication on an adhoc basis upto the period indicated against their names:—

Sl. No.	Name	Period		Station of posting
		From	To	
1.	Shri M. S. Krishnan	3-5-81	31-12-81	Madras
2.	Shri K. Tekchandani	1-5-81	31-12-81	Palam
3.	Shri S. K. Das	1-5-81	21-5-81	Dum Dum

S. GUPTA,
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 30th March 1982

No. A. 32014/4/80-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Communication Assistants at present working as Asstt. Comm. Officer on ad-hoc basis to the grade of Asstt. Comm. Officer on regular basis w.e.f. 23-1-82 and to post them to the station indicated against each:—

Sl. No.	Name	Station of posting
S/Shri		
1.	R. K. Modak	Aero. Comm. Stn., Nagpur.
2.	S. M. Kulkarni	Aero. Comm. Stn., Bombay.
3.	B. C. Ghosh	Aero Comm. Stn., Calcutta.
4.	T. S. Rekhi	Aero. Comm. Stn., Bhopal.

The 12th May 1982

No. A. 32014/2/81-FC(pi).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Techni

Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date of taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each:—

Sl. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
S/Shri				
1.	Arbind Singh	ACS, Hissar	ACS, Varanasi	7-4-82 (FN)
2.	M. L. Saini	ACS, Delhi	RCDU, N. Delhi	19-2-82 (FN)
3.	J. P. S. Channa	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	19-3-82 (FN)
4.	M. M. Chakraborty	ACS, Gaya	ACS, Rupsi	27-3-82 (FN)
5.	A. M. Gupta	ACS, Gauhati	ACS, Gauhati	22-2-82 (FN)
6.	M. K. Gupta	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	24-2-82 (FN)
7.	V. C. Kulshrestha	ACS, Kanpur	CATC, Allahabad	30-3-82 (FN)
8.	G. D. Dubey	ACS, Ranchi	ACS, Rourkela	4-3-82 (AN)
9.	L. R. Sachdev	RCDU, N. Delhi	RCDU, N. Delhi	19-2-82 (FN)
10.	N. D. Kapoor	RCDU, N. Delhi	RCDU, N. Delhi	19-2-82 (FN)
11.	S. N. Sengupta	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	17-2-82 (FN)
12.	B. N. Dutta	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	17-2-82 (FN)
13.	K. S. Debnath	ACS, Barachampa	ACS, Calcutta	24-2-82 (FN)
14.	Gopal Mishra	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	27-2-82 (FN)
15.	T. S. Dhunna	ACS, Bhopal	ACS, Bombay	11-3-82 (FN)
16.	M. K. Pardesi	ACS, Bombay	ACS, Bombay	19-2-82 (FN)
17.	A. N. Bhatia	ACS, Patna	ACS, Calcutta	26-2-82 (FN)
18.	H. D. Bengali	ACS, Jaipur	CATC, Allahabad	15-3-82 (FN)

The 17th May 1982

No. A. 31011/2/79-EC.—The President is pleased to appoint the undermentioned ten officers in the substantive capacity in the grade of Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. the dates mentioned against each:—

Sl. No.	Name	Date of confirmation
S/Shri		
1.	R. S. Ajmani	2-2-78
2.	K. Ramalingam	2-2-78
3.	H. V. Sudershan	2-2-78
4.	Suresh Chandra	2-2-78
5.	A. K. Misra	2-2-78
6.	P. R. Suryanandan (Retired)	1-4-78
7.	K. V. Rao	1-4-78
8.	N. K. Nanu (Retired)	19-5-78
9.	V. K. Verma	12-9-78
10.	A. Ramanathan (Retired)	1-5-79

No. A.32013/9/81-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. R. N. Iyengar, Technical Officer, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f 30-1-82 (AN) and to post him at Aero. Comm. St., Bangalore.

The 20th May 1982

No. A.39012/7/81-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Arvind Kumar, Technical Officer, Aero. Comm. Stn., Calcutta Airport, Calcutta from Government Service w.e.f 14-1-82 (AN).

PREM CHAND,
Asstt. Director (Admn.)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 20th May 1982

No. 1/515/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints, Shri A. S. Waman,

Technical Assistant, Poona as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 18-3-82 to 24-4-82, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 24th May 1982

No. 16/387/82-Ests.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, D. Dun has been pleased to permit Shri Bharat Singh Bist, Research Officer, FRI & Colleges to retire from service, on attaining the age of superannuation, on 30-4-82 (AN).

RAJAT KUMAR,
Registrar,
Forest Research Institute and Colleges

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 14th May 1982

No. 7/82.—S/Shri G. G. Kedar, M. S. Jog and A. B. Kulkarni, Superintendents of Central Excise Group 'B' of this Collectorate having attained the age of superannuation, have retired from Government service in the afternoon of 30th April 1982.

No. 8/82.—Having attained the age of superannuation, Shri G. S. Ahuja, Assistant Collector (Hqrs.) Central Excise of this Collectorate, retired from Government service in the afternoon of 30th April, 1982.

K. SANKARARAMAN,
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 20th April 1982

No. A-19012/1000/82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Prakash Chandra, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assitant Director, Assistant Engineer (Engineering) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 31st March, 1982.

A. BHATTACHARYA,
Under Secy.

New Delhi, the 21st May 1982

No. A-12026/2/82-Estt.I.—Chairman, C.W.C. extends the ad-hoc appointment of Shri A. K. Sinha, Sr. Professional Assistant (Publication) to the post of Extra Asstt. Director (Publication) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a further period upto 30-6-82 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

K. L. BHANDULA,
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s Microtec Castings Limited*

Madras-600 006, the 7th May 1982

No. DN/3748/560/82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Microtec Castings Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- **ILLEGIBLE**
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s. Chitrakoot Exports Ltd*

Bombay-2, the 22nd May 1982

No. 636/21502/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chitrakoot Exports Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

C. O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies.
Maharashtra, Bombay

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 15th May 1982

No. F.48-Ad(AT)/1982.—(1) Shri N. C. Chaturvedi, Substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 15-2-82 (Afternoon) vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/1982 dated 24th February, 1982, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi for a further period of 3 months with effect from the 16th May, 1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri N. C. Chaturvedi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F.48-Ad(AT)/1982.—(2) Shri Surendra Prasad, Substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 15-2-82 (Afternoon) vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/1982 dated 24th February, 1982 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore for a further period of 3 months with effect from the 16th May, 1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Surendra Prasad, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA,
President

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Lucknow, the 3rd April 1982

**ESTABLISHMENT—CENTRAL SERVICES—GAZETTED
ITOs (GR. 'B')—CONFIRMATION OF**

No. 32.—On the recommendation of the Committee constituted in pursuance of Deptt. of Personnel and Administrative Reforms OM No. 29014/75/Estt(A), dated 15-11-75 and Board's letter F. No. A-29011/28/78-AD.VI dated 7-10-78, Shri Mannu Lal Agarwal, ITO (Gr. 'B') is hereby confirmed as Income-tax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650—1200 with effect from 1-11-80. His date of confirmation is liable to be changed, if found necessary, at any subsequent stage.

DHARNI DHAR,
Commissioner of Income-tax,
Lucknow

Ranchi, the 15th April 1982

ORDER

Jurisdiction—Income-tax Act, 1961—Section 125A—Jurisdiction of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Assessment Range II, Ranchi in C.I.T. Ranchi Charge.

No. Jurisdiction/IAC.Asstt. II/82-83/862-921.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Ranchi, hereby directs that Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Assessment Range II, Ranchi shall exercise or perform all the powers or functions conferred on or assigned to an Income-tax Officer and he shall perform these functions in respect of such areas or such persons or classes of persons or such incomes or classes of incomes or such cases who are as on today under the jurisdiction of Income-tax Officer, Ward-A, Circle-I, Ranchi.

This order will take effect immediately.

No. Jurisdiction/IAC.Asstt.II/82-83/922-980.—The Income-tax Officer, Ward-A, Circle I, Ranchi is declared Head of the Office in respect of the Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Assessment Range II, Ranchi also, for the purpose of General Financial Rules. He will also be the Controlling Officer of all the Non-gazetted em-

ployees posted in the office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Assessment Range-II, Ranchi.

C. B. RATHI,
Commissioner of Income-tax
Ranchi

Bombay-20, the 11th May 1982

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

No. 2.—The following officers are hereby appointed substantively to the posts of Income-tax Officer, Gr. B, with effect from 1-4-1982 :—

S/Shri

1. S. S. Joshi
2. G. N. Joshi
3. H. V. Lakhiani
4. P. Babaprasad
5. R. P. Ochaney
6. Mani Rajagopalan
7. K. V. Sabnis
8. C. A. Raje
9. J. P. Mahajan
10. K. Gopal
11. V. R. Desai
12. V. M. Rao
13. Mrs. M. J. Kasbekar
14. Miss S. V. Mirchandani
15. U. G. Tahiliani

16. N. D. Joshi
17. U. Vishwakumaran
18. R. F. Purohit
19. V. N. Nargundkar
20. Y. Narayanan
21. G. K. Bhave
22. V. I. Yoosuf
23. Miss K. T. Randelia
24. N. K. Lalwani
25. G. A. Hegde
26. M. V. Nirgudkar
27. K. J. Chacko
28. Miss V. S. Sawant
29. Mrs. L. S. Murthy
30. B. A. Gangurde (S.C.)
31. S. M. Shringarpure
32. L. N. Joy
33. S. G. Matta
34. C. R. R. Menon
35. L. K. Athavle
36. T. K. N. Rao
37. V. D. Dubey
38. T. R. Prasad
39. Miss S. C. Chhatrapati
40. I. O. Gwalani
41. V. K. Nampoothiri
42. M. V. Gadgil
43. A. D. Menon
44. B. R. Sonkar (S.C.)

K. K. SEN,
Chief Commissioner of LT. (Admn.)
Bombay City, Bombay

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 30th April 1982

Ref. No. A.P. No. 3126.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Amar Kaur alias Raghra Gohal
D/o Shri Lasman Singh,
G.A. of Smt. Har Kaur
Wd/o Shri Lasman Singh,
1 o 289 Lajpat Rai Nagar,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Anil Nanda
S/o Shri Nanak Chand
r/o 82, Shaheed Udhampur Singh Nagar,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
1. Shri S. Joginder Singh, 2. Shri N. C. Nanda,
3. Shri Jaswant Rai, 4. Shri Gulzari Lal,
5. Shri Kishori Lal & 6. Shri Harnam Singh,
R/o W.G. 591, Nakodar Road, Jalandhar.

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. W.G. 591 situated at Nakodar Road, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4224 of September, 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 30th April 1982

Ref. No. A.P. No. 3127.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Amar Kaur alias Rachna Gohal
D/o Shri Lasman Singh,
G.A. of Smt. Har Kaur
Wd/o Shri Lasman Singh,
1/o 289 Lajpat Rai Nagar,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchan Nanda
W/o Shri Suresh Chander
1/o 82, Shaheed Udhampur Singh Nagar,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
1. Shri S. Joginder Singh, 2. Shri N. C. Nanda,
3. Shri Jaswant Singh, 4. Shri Gulzari Lal,
5. Shri Kishori Lal & 6. Shri Harnam Singh,
R/o W.G. 591, Nakodar Road, Jalandhar.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. W.G. 591 situated at Nakodar Road, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4265 of September, 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 30th April 1982

Ref. No. A.P. No. 3128.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Amar Kaur alias Rachna Gohal
D/o Shri Lasman Singh,
G.A. of Smt. Har Kaur
Wd/o Shri Lasman Singh,
1/o 289 Lajpat Rai Nagar,
Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Smt. Indra Rani
W/o Shri Nanak Chand
R/o 82, Shaheed Udhampur Singh Nagar,
Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
1. Shri S. Joginder Singh, 2. Shri N. C. Nanda,
3. Shri Jaswant Rai, 4. Shri Gulzari Lal,
5. Shri Kishorji Lal & 6. Shri Harnam Singh,
R/o W.G. 591, Nakodar Road, Jalandhar.
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. W.G. 591 situated at Nakodar Road Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4297 of September, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 30-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th May, 1982

Ref. No. A.P. No. 5J29.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Abohar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Bhagwant Kaur
Wd/o Shri Ujjagar Singh,
Shri Harcharan Singh
S/o Shri Prem Singh.
Smt. Gurdial Kaur
D/o Shri Prem Singh,
R/o Thana Road, Abohar.

(Transferor)

(2) Life Insurance Corporation of India,
Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2257 of September, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982

Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th May 1982

Ref. No. A.P. No. 3130.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at V. Talwandi Bhai
Teh. Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) M/s. Friends Rice & General Mills,
Talwandi Bhai
through Shri Jit Ram
S/o Shri Sunder Dass,
Shri Lakhwinder Singh
S/o Shri Gurdev Singh,
S/o Shri Baldev Singh & Darshan Singh
R/o Talwandi Bhai, Distt. Ferozepur.
(Transferor)

(2) Rice Mills Owner,
V. Talwandi Bhai
through Shri Raj Kumar
S/o Shri Sohan Lal,
R/o Anauj Mandi, Talwandi Bhai,
Teh. & Distt. Ferozepur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above
[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4553 of September, 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 5th May 1982

Ref. No. A.P. No. 3131.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Dan Singh Urs Smt. Devi
W/o Shri Brijendra Singh
R/o Kapurthala
through Shri Brijendra Singh
R/o 27-Sunder Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh
S/o Shri Teja Singh
R/o Vill. Machi Jowa, Teh. Sultanpur.
Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1805 of September, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th May 1982

Ref. No. A.P. No. 3132.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Usha Devi
W/o Shri Harmindra Singh
R/o Mal Road, Kapurthala
through Shri Brijendra Singh,
R/o 27-Sundar Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chopra
S/o Shri Suret Rai Chopra,
R/o House No. 72, Railway Road,
Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1814 of September, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 5-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th May 1982

Ref. No. A.P. No. 3133.—Whereas, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Dan Singh Urf Smt. Devika
W/o Shri Brijendra Singh
R/o Kapurthala
through Shri Brijendra Singh
R/o 27-Sunder Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kishan Chand
S/o Shri Ram Chand,
Smt. Gian Devi
W/o Shri Kishan Chand and
Shri Suresh Kumar
S/o Shri Swaran Kumar
R/o Moh. Soria, H. No. 182,
Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1815 of September, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 5-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—106 GI/82

FORM ITNS.**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 5th May 1982

Ref. No. A.P. No. 3134.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Usha Devi
W/o Shri Harmindra Singh
R/o Kapurthala
through Shri Brijindra Singh,
R/o 27-Sunder Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Balram Kumar
S/o Shri Bishan Dass and
Smt. Rupinder Kaur
W/o Shri Prabjit Singh
R/o Sadar Bazar, Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1821 of September, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th May 1982.

Ref. No. A.P. No. 3135.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kapurthala on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Dan Singh Urf Smt. Devika W/o Shri Brijindra Singh R/o Mal Road, Kapurthala through Shri Brijindra Singh R/o Mal Road, Kapurthala (Transferor)
- (2) Swaran Kumar S/o Shri Kishan Chand, Smt. Kamla Wanti W/o Shri Swaran Kumar and Shri Suresh Kumar S/o Shri Swaran Kumar R/o Moh. Soria, H. No. 182, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 1822 of September, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 5-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th May 1982

Ref. No. A.P. No. 3136.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Dara Singh Uif Smt. Devika W/o Shri Brijendra Singh R/o Kapurthala through Shri Brijendra Singh R/o 27-Sunder Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh S/o Shri Amar Nath R/o Kapurthala. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 1825 of September, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th May 1982

Ref. No. A.P. No. 3137.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Usha Devi
W/o Shri Harmindra Singh
R/o Mal Road, Kapurthala
through Shri Brijendra Singh,
R/o 27-Sunder Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ami Chand
S/o Shri Pjara Lal
R/o Moh. Khajanchian,
Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 1826 of September, 1981, of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 5th May 1982

Ref. No. A.P. No. 3138.—Whereas, I, J. L. **GIRDHAR**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dan Singh Urf Smt. Devika
W/o Shri Brijendra Singh
R/o Kapurthala
through Shri Brijendra Singh,
27-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Joginder Kumar, Sawraj Kumar
S/o Shri Nawal Kishore
R/o Sheihupura Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1839 of September, 1981, of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. **GIRDHAR**
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 5-5-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 5th May 1982

Ref. No. A.P. No. 3139.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Usha Devi
W/o Shri Harmindra Singh
R/o Kapurthala
through Shri Brijendra Singh,
R/o 27-Sunder Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Rani
W/o Shri Ami Chand
R/o Moh. Khajanchian,
Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1840 of September, 1981 of the Registering Authority Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 5-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM JTNS

(1) S/Shri Tara Singh, Jagir Singh
S/o Shri Dalip Singh
R/o V. Choggetti Tehsil Jalandhar.
(Transferor)

(2) Shri Tarsem Lal s/o Shri Mehanga Ram
67, Shaheed Udhampur Nagar,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S No 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR.

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No /3140.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1.3 Property No. 67 situated at Shaheed Udhampur Nagar, Jalandhar as mentioned in the registration sale No 4105 of dated September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 12-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./3141—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri Mohan Singh, Saudagar Singh
S/o Shri Dalip Singh
R/o V. Choggetti Tehsil Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Shri Tarsem Lal s/o Shri Mehanga Ram
67, Shaheed Udhampur Singh Nagar,
Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3 Property No. 67 situated at Shaheed Udhampur Singh Nagar, Jalandhar as mentioned in registration sale deed No. 4106 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—106 GI/82

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR.

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./3142.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri Sohan Singh, Hari Singh
S/o Shri Dalip Singh
R/o V. Choggetti Tehsil Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Tarsem Lal s/o Shri Mehenga Ram
r/o 67, Shaheed Udhampur Singh Nagar,
Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd Property No. 67 situated at Shaheed Udhampur Singh Nagar, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4107 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
**ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR**

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./3143.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As Per Schedule situated at Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Dilbag Singh s/o Shri Uddham Singh
R/o 300-L, Model Town,
Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Shri Gurbax Singh s/o Shri Jamal Singh and
Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Mohinder Singh and
Smt. Surinder Kaur w/o Shri Bhajan Singh
R/o E/B/23, Kazi Mohalla,
Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals and 6 Marlas & 6 Sars, situated at village Khurla Tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4029 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sharda Wd/o Shri Amar Nath
Village Dhogri, Teh. Jalandhar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982.

Ref. No. A.P. No./3145.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Dhogri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Harbhajan Kaur Wd/o Surat Singh and Gurpartap Singh s/o Rur Singh
R/o Link Road, Lajpat Nagar,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 24 Kanals situated at Village Dhogri Tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 3911 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sharda Wd/o Shri Amar Nath,
Village Dhogri, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./3146.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As Per Schedule situated at Dhogri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Harbhajan Kaur Wd/o Surat Singh and Gurpartap Singh s/o Rup Singh
R/o Link Road, Lajpat Nagar,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 24 Kanals situated at Village Dhogri as mentioned in the registration sale deed No. 3912 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./3147.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Kurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kartar Singh w/o Shri Kundan Singh R/o V. Khurla Kingra, Tehsil Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Karnail Singh s/o Shri Sadhu Singh R/o V. Kot Kalan Teh. Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 14 Kanals and 8 Marlas situated at Village Khurla Teh. Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 3949 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./3148.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As Per Schedule situated at V. Sant Garh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Lachman Singh, Pritam Singh
S/o Shri Sewa Singh and
Smt. Amar Kaur w/o Shri Sewa Singh and
Smt. Sant Kaur wd/o Siri Sachu Singh
Through Attorney Shri Saudagar Singh
S/o Suchet Singh.
Jalandhar.

(Transferor)

(2) The Vir Nagar Co-op. House Building Society Ltd.
Through S. D. Jain, President Bharon Bazar,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals and 5 3/4 Marlas situated at Village Santgarh Tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4183 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./3149.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Dilbar Singh s/o Udhram Singh R/o 300-L, Model Town, Jalandhar. (Transferor)
- (2) S/Shri Harvinder Pal Singh, Charan Pal Singh and Surinder Pal Singh S/o Shri Manmohan Singh and Harinderjeet Singh s/o Harkishan Singh and Mohinder Singh s/o Prem Singh R/o EO-79, Saidan Gate, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals 6 Marlas 6 Sarsai situated at Village Khurla as mentioned in the registration sale deed No. 4313 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./315).—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As Per Schedule situated at Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dilbag Singh s/o Udhram Singh
R/o 300-L, Model Town,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) S/Shri Harvinder Pal Singh, Charan Pal Singh and Surinder Pal Singh S/o Shri Manmohan Singh and Harinderjeet Singh s/o Harkishan Singh and Mohinder Singh s/o Prem Singh R/o EO-79, Saidan Gate, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals 6 Marlas 6 Sarsai situated at Village Khurla as mentioned in the registration sale deed No. 4064 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following

28—106GI|82

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 10th May 1982

Ref. No. A.P. No./3151.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Gurbax Singh, Gurdev Singh
S/o Shri Amar Singh
P. & P.O. Reru, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) M/s. Punjab Pipe Fittings
Bye-Pass Aman Nagar,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated at Bye-Pass, Aman Nagar, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 3834 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 10th May 1982

Ref. No. A.P. No./3152.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As Per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Jagmohan Singh s/o Shri Ishar Singh, 696, Mota Singh Nagar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Shanti Sarup Mehta s/o Shri Bachri Nath R/o 352 Master Tara Singh Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kothi No. 352 situated at Master Tara Singh Nagar, Jalandhar as mentioned in registration sale deed No. 4360 of September 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 10-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./3153.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As Per Schedule situated at V. Sadiq (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Hardev Singh s/o Shri Munshi Singh R/o Village Sadiq Tehsil, Faridkot. (Transferor)
- (2) S/Shri Ram Sarup, Pyara Lal, Dewan Chand and Madan Lal S/o Shri Chanan Ram, L-2, Mall Road, Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1/2 of 120 Kanals 9 Marlas situated at village Sadiq Tehsil Faridkot as mentioned in registration sale deed No. 2848 of September 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./3154.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule, situated at Muktsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Harbhajan Singh s/o Dhamala Singh, Principle GGS Public, near SDM Courts, Muktsar.
(Transferor)
- (2) Shri Mohan Lal s/o Jai Ram Dass, and Gurcharan Singh s/o Attar Singh R/o Arora Street, Opposite Kot Kapura-Muktsar Road, Muktsar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 2 Kanals situated at Muktsar as mentioned in the registration sale deed No. 2151 of September 1981 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 12-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A.P. No./3155.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As Per Schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Devinder Singh s/c Ishar Singh
S/o Munshi Singh Bhandari,
E/o Muktsar-Bhatinda Road, near Agro Industry,
Muktsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Balwant Kaur w/c Shri Ram Singh and
Smt. Surjit Kaur w/o Balbir Singh
R/o V. Gauri Sanger Tehsil Muktsar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals situated in Muktsar Had Basat No. 54, as mentioned in the registration sale deed No. 2161 dated September 1981 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A. P. No./3156.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Jalandhar on September, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (1) Shri Uttam Singh S/o Shri Harbans Singh and
Smt Jawant Kaur W/o Uttam Singh
R/o B.I/810-B-12, New Laxmi Pura, Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Smt. Santosh Kumari W/o Sh. Ved Parkash
R/o B-I/810, B 12, New Laxmi Pura, Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

House No. B-I-810/B-12 (P) situated at mohalla New
Laxmi Pura, Jalandhar as mentioned in the registration sale
deed No. 4057 dated Sept. 81 of the Registering Authority,
Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—
25—96GI/82

Date : 12-5-82.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A. P. No./3157.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Uttam Singh S/o Sh. Harbans Singh and Smt. Jaswant Kaur W/o Uttam Singh
R/o BI/810-B-12, Mohalla New Laxmi Pura, Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Shri Vas Dev S/o Ram Parshad,
R/o B-I/810, B/12, New Laxmi Pura, Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. BI/810-B/12(P) situated at mohalla New Laxmi Pura, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4463 of Oct., 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 12-5-82.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mange Ram S/o Bhulla Ram,
R/o V. Variana, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Jai Bharat Trading Co.
Kapurthala Mandi.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th May 1982

Ref. No. A. P. No. 3158.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Variana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kls. situated at village Variana as mentioned in the registration sale deed No. 4173 of Sept. 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—106GI/82

Date : 13-5-82.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th May 1982

Ref. No. A.P. No./3159.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-
and bearing

No. as per schedule situated at Moga Mehla Singh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Moga on September 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe, that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (1) Shri Harbans Singh S/o Jangir Singh
R/o Moga Mehla Singh, Moga.
(Transferor)
- (2) Shri Amrit Lal Gupta S/o Milkhi Ram,
R/o Akalsar Road, Moga.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Kl. & 1 Ml. situated at Moga Mehla
Singh, as mentioned in the registration sale deed No. 5205
of Sept. 1981 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-5-82.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th May 1982

Ref. No. A. P. No /3160.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Moga Mehla Singh (and more (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Harbans Singh S/o Jangli Singh
 R/o Moga Mehla Singh, Moga.
 (Transferor)
- (2) Shashi Kanta W/o Sh. Romesh Kumar, Akalsar Road, Moga.
 (Transferee)
- (3) as S. No. 2 above
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Kl. 1 Ml. situated at Moga Mehla Singh as mentioned in the registration sale deed No. 5206 of Sept. 81 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Date : 13-5-82.
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

- (1) Shri Harbans Singh S/o Jangir Singh
R/o Moga Mehla Singh, Moga.
(Transferor)
- (2) Sheela Rani W/o Sh. Jagdish Rai,
Akalsar Road, Moga.
(Transferee)
- (3) as S No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th May 1982

Ref. No. A. P. No./3161.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Moga Mehla Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 KI. & 1 MI. situated at Moga Mehla Singh as mentioned in the registration sale deed No. 5413 of Oct., 1981 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 13-5-82.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th May 1982

Ref. No. A. P. No./3162.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Moga Mehla Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Moga on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Harbars Singh S/o Jangli Singh
R/o Moga Mehla Singh, Moga.
(Transferor)
- (2) Sh. Vijay Kumar S/o Sh. Milkhi Ram,
R/o Akalsar Road, Moga.
(Transferee)
- (3) as S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 1 KL 1 MI. situated at Moga Mehla Singh as mentioned in the registration sale deed No. 5414 of Oct. 81 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-82.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 14th May 1982

Ref. No. A. P. No./3163.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Moga
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Moga on Sept. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shrimati Swarna Devi W/o Sh. Des Raj Puri
R/o Bagh Ganpat Rai Gali, Moga Mehta Singh,
Moga. (Transferor)

(2) Charan Jit Kaur W/o Surjit Singh,
Old Post Office, Gali Bagh Ganpat Rai,
Moga Mehta Singh, Moga. (Transferee)

(3) as S. No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion Property No. BXI/507 situated at Moga as men-
tioned in the registration sale deed No. 5163 of Sept., 1981
of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 14-5-82.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 14th May 1982

Ref. No. A. P. No./3164. Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per sch. d, situated at Moga and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Surinder Mohan, G. A. Sh. Bali Ram S/o Sh. Khushi Ram, Timber Merchant, Partap Road, Moga.
(Transferor)
- (2) Shri Surjeet Singh S/o Sh. Gurbax Singh, Old Post Office, Gali Bagh Ganpat Rai, Moga.
(Transferee)
- (3) as S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from this date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1925 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Potion Property No. BXI/507 situated at Moga as mentioned in the registration sale deed No. 6447 of 12/81 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-5-82.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 14th May 1982

Ref. No. A. P. No./3165.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Moga
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Sat Parkash, Devinder Nath S/o Sh. Faqir Chand and Smt. Raj Rani Widow & Bhupinder Kumar, Pardip Kumar, Rajesh Kumar S/o and Saroj, Sushma, Suman Ds/o Sh. Om Parkash R/o 83-Sant Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Shakti Pal S/o Des Raj and Des Raj S/o Durga Dass, Old Post Office, Gali Bagh Ganpat Rai, Moga.

(Transferee)

(3) as S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Portion BIX-506 situated at Moga as mentioned in the registration sale deed No. 5416 of Oct. 81 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhur

Date : 14-5-82.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ~

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar the 14th May 1982

Ref. No. A. P. No./3166.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Moga on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Sat Parkash, Devinder Nath S/o Sh. Faqir Chand and Smt. Raj Rani Widow & Bhupinder Kumar Pardip Kumar, Rajesh Kumar S/o and Smt. Sulma, Suman D/o Sh. Om Parkash R/o 83-Sant Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Swarna Devi W/o Des Raj Puri Old Post Office, Gali Bagh Ganpat Rai, Moga. (Transferee)
- (3) as S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion Property No BX1/506 situated at Moga as mentioned in the registration sale deed No. 5417 dated Oct. 81 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—106 GI/82

Date : 14-5-82.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar the 14th May 1982

Ref. No. A. P. No /—3167.—Whereas, I,
J. I. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Moga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Sat Parkash, Devinder Nath S/o Sh. Faqir Chand and Smt. Raj Rani Widow & Bhupinder Kumar, Pardip Kumar, Rajesh Kumar S/o and Saroj, Sushma, Suman Ds/o Sh. Om Parkash R/o 83-Sant Nagar, Ludhiana

(Transferor)

(2) Smt. Charanjit Kaur W/o Sunil Singh Old Post Office, Gali Bagh Ganpat Rai, Moga

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion Property No. BXI/506 situated at Moga as mentioned in the registration sale deed No. 5418 of Oct., 81 of the Registering Authority, Moga.

J. I. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Ass'tt Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 14-5-82
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May 1982

Ref. No. A. P. No./3168.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Swarana Devi alias Swaran Lata W/o Sh. Des Raj Puri R/o Bagh Ganpat Rai, Moga. (Transferor)
- (2) Charanjit Kaur W/o Surjit Singh, R/o Bagh Ganpat Rai, Old Post Office, Moga. (Transferee)
- (3) as S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the knows to be (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion property No. BXI-506 situated at Moga as mentioned in the registration sale deed No. 5595 of Oct. 81 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-5-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Udoy Chand S/o Sunder Dass
Phagwara Road, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th May 1982

Ref. No. A.P./3169.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Moh. Premgarh, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shrimati Gurmito Kaur W/o Prithpal Singh and Sh. Prith Pal Singh S/o Ram Singh R/o V. Bajwara Khurd Distt. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) as per S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2622 of Sept. 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th May 1982

Ref. No. A. P. No./3170.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Newanshahar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Newanshahar on Sept., 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Dr. Kabal Singh S/o Sh. Shiv Charan Singh
R/o H. No. 654, Guru Nanak Street, Nawanshahr.
(Transferor)
- (2) Shri Brij Mohan Singh and Sh. Shiv Charan Singh
S/o Sh. Saroop Singh
R/o 457 Adarsh Nagar, Nawanshahr.
(Transferee)
- (3) as S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3271 of Sept. 1981 of the Registering Authority, Newanshahar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May 1982

Ref. No. A.P.No./3171.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Swaran Lata Wd/o Abnash Chander S/o Banarsi Dass R/o NB-15, Tanda Road, Jullundur.
(Transferor)
- (2) M/s. Malhotra Book Depot, near Ada Tanda Road, Jullundur through Sh. Ashok Kumar Partner.
(Transferee)
- (3) as S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd of Kothi No. PL-820 situated at V. Rerur near K.M.V. College, Tanda Road, Jullundur as mentioned in the registration sale deed No. 3823 of Sept., 81 of the Registering Authority, Jullundur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shrimati Swaran Lata Wd/o Abnash Chander S/o Banarsi Dase, NB-15, Tanda Road Jullundur. (Transferor)
- (2) Modern Publishers, Adda Tanda, Jullundur through Sh. Ashok Kumar Proprietor. (Transferee)
- (3) as S. No 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May 1982

Ref. A.P. No. 3172. —Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/3rd of Koti No. Bl-820 situated at V. Reru near KMV College, Tanda Road, Jullundur as mentioned in the registration sale deed No. 3868 of Sept, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th May 1982.

Ref. No. A.P. No./3137.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule
Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shrimati Sawaran lata Wd/o Sh. Abnash Chander S/o Banarsi Dass R/o NB-15 Tanda Road, Jalandhar.
(Transferor)

(2) M.B.D. Enterprises Pvt. Ltd. near Adda Tanda Road, Jalandhar through Smt. Salish Bala, Director.
(Transferee)

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd of Kothi No. BI-820 situated at V. Renu near KMV College Tanda Road, Jalandhar as mentioned in Registration sale deed No. 3876 of 9/81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1982

Ref. No. A. P. No./3174.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—106 GI/82

(1) Shri Dilbag Singh S/o Sh. Udhaw Singh R/o 300-L, Model Town Jalandhar
(Transferor)

(2) Shrimati Jagtar Kaur W/o Sh. Gurbax Singh & Parmjeet Kaur W/o Sh. Navinder Singh and Gurbax Singh S/o Sh. Jaimal Singh R/o H No. EB/23, Kazi Mohalla, Jalandhar
(Transferee)

(3) as in 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kl. 6 Mls. & 6 Sarsai situated at V. Khurla, Tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4194 of Sept. 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 14-5-1982.
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/9-81/5515.—Whereas I,
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at September 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Bho Dev Singh, Mahinder Singh, Prem Sukhbir sons of Sh. Gurcharan R/o Vill. Tikri Kalan, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ram Kirpal Singh of 5829 Gali Matka Wali, Sadar Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. One Bigha 7, 1/2 Biswas at Vill. Tikri Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Subh Ram, Risal Singh, Kderl, R/o Vill. Tikri Kalan, Delhi
(Transferor)

(2) Smt. Neena Seth W/o Shiv Seth R/o 413, Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/9-81/5662.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land, 13 Biswas Vill. Tikri Kalan, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI
 New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/9-81/5474.—Whereas I NARINDAR SINGH being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Hastsal Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Yad Ram S/o Budh Ram R/o Vill. & PO Hastsal Delhi, State, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Kumar Taneja S/o Genesh Dass Tuncja R/o C-3 Krishna Park, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land, 4 Bigha out of Rect. No. 54, Killa No. 3 situated in the area of Vill. Hastsal Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-5-1982.
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Daya Nanda S/o Chhano R/o Vill. Baarwala,
Delhi State, Delhi
(Transferor)
- (2) Shri Ishwar Singh S/o Gurdyal Singh & Smt.
Yashwanti W/o Daya Nand R/o Vill. Bakarwala,
Delhi
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/9-81/5479.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Bakarwala, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1981.

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 13 Bighas 10 Biswas Vill. Bakarwala, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/9-81/5466.—Whereas I
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sultan & Chander Purkash sons Shive Narain of Vill. Burari, Delhi State, Delhi,
(Transferor)
- (2) Aaritsar Engineering Works, 1932/147 Tri Nagar Delhi-35 through its partner S. Chatter Singh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land, Mg. 7 Biswas, vide Killa No. 709 S. No. 31 of vill. Tikri Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II SR-II/9-81/5516.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sultan & Chander Purkash sons Shiv Narain Sukhbir sons of Ghildhari R/o Tikri Kalan, Delhi. (Transferor)
- (2) Gakson Enterprises, 2936, Bahadurgarh Road, Delhi partners J Janardan Raj and Manohar Lal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri land. Mg. 1 Bigha 7. 1/2 Biswas Vill. Tikri Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5495.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Rithala, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on Sept. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vijay Singh s/o Jug Lal
r/o Vill. Rithala, Delhi through his Gen. Att. Madan Lal s/o Chandgi Ram, Vill. Rithala, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Kumar s/o Hira Lal,
Shiv Kr. s/o Ram Dhan
Ram Dass s/o Ram Dhari and
Madan Lal s/o Chander Bhan
c/o Goel Gram Dal Mdl, Lawrence Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 2 Bighas Khasra No. 1141/2 Vill. Rithala, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kanwal Singh s/o Chhatter Singh
R/o Vill. Asalatpur Khader, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Jain w/o Shyam Lal
R/o A2/95, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5487.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Asalatpur Khaider, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10 Biswas Vill. Asalatpur, Khader, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32-106 GI/82

Date : 14-5-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5645.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Siras Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Sept. 81 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Bharat Sri, Raghbir Sri s/o Rati Ram
R/o VPO Siras Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Maheshwari Electric Mfg. (P) Ltd.
505 Hemkant House Rejinder Palace through M.G.
Sh. Ghanshyam Maheshwari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Me. 1 Bighas 7½ Biswas of Vill. Siras Pur Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S. —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5468.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Sept. 81for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(1) Sardar Singh & Mange Ram s/o Laju
R/o VPO Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Salochana w/o Dharam Pal
R/o 596, Nangloi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA, of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri land Mg. 1 Bigha part of Kh. Nos. 831, 832 of Vill.
Tikri Kalan, Delhi.NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New DelhiDate : 14-5-1982,
Seal :Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I have initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Shri Lakhi Ram s/o Chaman r/o Vill. Baprola, Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri A. N. Mehra s/o Amar Nath r/o 35 Paschmi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-II/9-81/5461.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Baprola, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Baprola, Delhi.

NARINDAR SINGH,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982.
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5497.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on Sept. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Randhir Singh s/o Lalu Ram
R/o VPO Sahibabad Daulat Pur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Jai Narain Davender Kumargan
4854 Chowk Bara Tooti, Delhi through partner
Sh. Devender Kr.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land, 450 Sq. yds. Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Jeet Ram alias Jitu s/o Chhajju
R/o Vill. Libas Pur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Garg s/o Nihal Chand Garg
R/o 299-A Kucha Sangogi Ram,
Naya Bans, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II.
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5486.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Libas Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on Sept. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parities, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1200 Sq. yds. out of Khasra No. 28/28 at Vill. Libas Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Ah. Malkhan S/o Mohan Lal,
Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5470.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 8-15 + Biswas vide Khasra No. 476, area of Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Act. II SP II 981/5444.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Vill. Siras Pur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Veena Devi W/o Sh. Narain Dass
r/o 71-A Gujran Walan Town, Part-I, GT Road,
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ajit Brothers,
144, Gaffar Market, Karol Bagh, N. Delhi through
Sh. Ajit Singh..

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property situated in the Lal Dora of Vill. Siras Pur, Delhi Mg. 360 sq. yds. out of Khasra No. 1026.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-5-1982.

Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shadi Ram, Deru Singh & Lacchy S/o Sh. Ranjit Singh R/o Vill. P.O. Siras Pur, Delhi .
(Transferor)

(2) Shri Jagdish Gupta S/o Sh. Chuni Lal R/o 4/12, Roop Nagar, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5455.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill. Siras Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 3 bighas 4 biswas of Vill. Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :
33—106 GI/82

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sardar Singh and Siri Lal sons of Nand Lal
1/o Vill. Siras Pur, Delhi State, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chander Bhan s/o Panna Lal
1/o 66A Teachers Colony Samepur, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5492.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill. Siras Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afores and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 555 sq. yds. out of Khasra No. 572 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Date : 14-5-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 569D of the said Act to the following person, namely :—

FORM ITNS—

((1) Shri Sirilal S/o Sh. Mam Chand
r/o Vill Mundka Delhi

(Transferee)

(2) Shri Hari Ram Sabharwal s/o Jagan Nath Sabharwal
& Sh. Vippon Kumar Sabharwal s/o Hari Ram
Sabharwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5778.—Whereas, I
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot of land situated at Vill Mundkas, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
on Sept., 1981
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bighas situated at Vill Mundkas, Delhi

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely —

Date 14-5-1982
Seal

FORM ITMS

(1) Sri Lal S/o Mam Chand
R/o Vill. Mundka, Delhi.

(Transferor)

(2) Hari Ram Sabharwal s/o Jagan Nath Sabharwal &
Veena Sahni w/o Kailash Chand
R/o C-69, Kirti Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5779.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Vill. Mundka Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bighas 14 biswas situated at Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5776.—Whereas, J. NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Agri land situated at Vill. Paprawat, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Sh. Hari Singh & Chandigram
S/o Sh. Behari Both
R/o V&PO Paprawat, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Gurnam Kaur w/o Sh. Kulbir Singh Kohli,
R/o H-30, Rajouri Garden, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1 and measuring 5 bighas 12 biswas of Vill. Paprawat, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Hari Singh & Chandgi Ram S/o Sh. Behari,
Both R/o V&PO Paprawat, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5775.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated at Vill. Paprawat, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas 12 biswas of Vill. Paprawat, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 14-5-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5771.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated at Vill. Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sacha Nand s/o Mayur Ram
1/o 4/12, East Patel Nagar, N. Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Shyam Lal s/o Sh. Daniram
1/o 17/16, Shakti Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4 bigha 16 biswas Khasra No. 965, Vill. Alipur, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982.
Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Risal S/o Shri Meki R/o V&PO Siras Pur, Delhi.
(Transferor)

(2) S/Shri Mir Singh, Jai Singh, Hawa Singh and Mar Singh S/o Shri Risal, All R/o Siras Pur, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5749.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill. Siras Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Land measuring 3 bighas of Vill. Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS-----

(1) Shri Kimti Lal s/o Thakar Dass R/o 7/25, Old Rajender Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-JI/9-81 5504.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Masudabad, Teh. Najafgarh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi, in September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—106 GI/82

(2) Shri Tarlochan Singh Chawla s/o Sujan Singh Chawla R/o L-43, New Colony, Gurgaon (Haryana).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas and 16 Biswas Vill. Masudabad, Sub Tehsil Najafgarh, New Delhi Kh No. 118 Min. (3-0) 117 Min. (1-16).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Jeet Ram alias Jitu s/o Chhajju R/o Vill. Libaspur, Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Sushil Kumar s/o Thandi Ram 8347/48, Filmistan, Delhi.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
 NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5484.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Vill. Libas Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mq. 600 sq. yds. out of Kh. No. 28/28 at Vill. Libas Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Shri Jeet Ram alias Jitu s/o Chhajju R/o Vill. Libas Pur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Subhash Chand s/o Om Parkash R/o 191 Satya Niketan, Moti Bagh II, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5485.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Libas Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 600 sq. yds. out of Kh. No. 28/28 at Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5482.—Whereas, J.
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Agri. land situated at Vill. Mundka, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
on September 1981
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Mange s/o Lad Chand r/o Vill. Mundka,
Delhi.
(Transferor)
(2) Shri Inder Jeet s/o Des Raj Suri R/o G-27/6,
Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 6 Bighas Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Mange s/o Lal Chand Vill. Mundka, Delhi.
(Transferor)
(2) Shrimati Saroj Suri w/o Inderjeet Suri R/o G-27/6
Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5483/9/81.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Mundka, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land 6 Bighas 17 Biswas Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Roop Singh and Ram Pal sons of Munshi r/o Vill. Devrala, Delhi State, Delhi.
(Transferor)
- (2) S/Shri Dharam Pal, Sat Pal, Sis Pal, Satish, Mukesh sons of Sukh Ram Vill. Shamaspur Khalsa, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5714.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Devrala, Delhi State, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 20 Bighas 19 Biswas in Vill. Devrala, Delhi State, Delhi Rect. 32, Kh. No. 17/2/2 24, 25/1, Rect. No. 38 Kh. No. 6/2, 38/5/1, 38/4, 7.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Raj Pal and Girvar sons of Prahlad Vill.

Derrala, Delhi.

(Transferor)

(2) Dharam Pal (i) Satpal, Sispal, Satish and Mukesh
sons of Sukh Ram of Vill. Shamaspur, Khalsa, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5715.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Devrala, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
in September 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 16 Bighas 1 Biswas Rect No. 32, Kh. No.
18/1 23, Rect. 38 Kh. No. 3 & 8, Vill. Devrala, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Satya Dev s/o Bhagwan Sahal r/o Chadoda Kalan, Vill. Burari, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal s/o Narsingh Dass R/o B-15, Bhagwan Dass Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5741.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 17, 1/2 Biswas Munzumale Salim land Mg. 5 Bighas 7 Biswas, Mutatel No. 6, Kh. No. 452, Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-JI/9-81/5721.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Partap Singh s/o Bhagwan Singh, Anar Singh, Charan Singh, Raj Pal, Ajit Singh, Om Wati w/o Sher Singh, Surender, Jagender etc. of Vill. Tikri Kalan, Delhi
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Kanika s/o Bili Ram A/63, Naraina, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 1/4th share of 7 Bighas and 1 Biswas Vill. Tikri Kalan, Delhi Kh. No. 901 and 846.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
35—106 GI/82

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal s/o Net Ram, Birbal Singh s/o Bhighe Ram R/o VPO Samepur, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Jaswant Rai Banga s/o Devi Dutta Banga R/o 42 Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5755.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill. Libaspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land Area 1060 Sq. yds. Kh. No. 29/1 of Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5718.—Whereas I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Partap Singh s/o Bhagwan Singh, Singh Charan Singh & Raj Pal, Surender Singh, Om Wau sons of Jiwan, Ajit Singh etc. Vill. Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal s/o Beli Ram, 1/o 47-D Naraina Vihar Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land 1/4th of 7 Bighas and 1 Biswas Vill. Tikri Kalan, Delhi. Kh. No. 901 and 846.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Jagdish S/o Sita R/o Narela Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Kanwar S/o Rattan Singh and Shri Balwan Singh minor son of Rattan Singh under the guardianship of Shri Rattan Singh father of the minor R/o Narela, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5578.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Narela, Delhi State, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1/4th share of land measuring 48 Bighas 19 Biswas at Vill. Narela, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Randhir Singh S/o Lala Ram Vill. Sahababad Daulat Pur, Delhi.
 (Transferor)
- (2) M/s Devender Kumar Jain and Co., 4854, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi through Shri Devender Kumar Jain (partner).
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'T. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
 NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5496.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill. Sahababad Daulat Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 450 sq. yds. of Vill. Sahababad Daulat Pur, Delhi

NARINDAR SINGH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI**

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. JAC/Acq-II/SR-II/9-81/5462—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Baprola, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Rajinder Singh, Sumer and Virender Singh ss/o Shri Risal Singh, Vill. Baprola, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Amar Nath s/o Jai Narain r/o 10 (1st floor)
Shopping Centre Lawrence Road, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Agri. land Mg. 6 Bighas 13 Biswas at Vill. Baprola, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) S/Shri Rajinder Singh, Sumer and Virender Singh
Sons of Risal Singh,
Village Baprola, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Amrit Nath s/o Jai Narain
R/o 10 (1st floor) Shopping Centre
Lawrence Road, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,
G13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9 81 /5463.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Baprola, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land 6 Bighas 13 Biswas village Baprola, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Risal s/o Nehi
R/o V. PO Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Shadi Ram, Lachhey Singh and Devi Singh
S/o Ranjit
R/o Siraspur Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-11/9-81/3750 --Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land 6 Bighas 17 Biswas of Village: Siraspur Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Deep Chand s/o Ghai Ram
R/o Village Nawada, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Shanta Sharma w/o Rattan Lal Sharma
R/o 176 MIG Flats, Pahar Ganj, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-JI/9-81/5508.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Nawada, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 10 Biswas Village Nawada, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
36—106 GI/82

Date : 14-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5513.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Agricultural land situated at Village Tikri Kalan, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (2) Shri Kartar Singh s/o Mool Chand
R/o Village Tikri Kalan, Delhi State, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Rani w/o S. L. Bhatia and
Padam Kumar s/o K. I. Bhatia
R/o 56 Road No. 43, Punjabi Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 1 Bigha 4 Biswas out of total land
measuring 2 Bighas 3 Biswas situated at Village Tikri Kalan,
Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Piarey s/o Bhuru and
Ran Singh s/o Mangtu
both R/o Village P.O. Mukhmalepur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri S. N. Chaudhry s/o J. I. Chaudhry
R/o B-9/22 Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5448.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Kadipur Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Agricultural land Mg 9 Bighas 12 Biswas out of Kh. No. 1064 (4-16) and 1067 (4-16) in Khata/Khatauni No. 33 '1 in Village Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Sardar Singh s/o Bhuru
R/o Village P.O. Mukhalepur, Delhi.
(Transferor)
(2) J. N. Chaudhry s/o Jamna Dass
R/o B-9/22 Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5450.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agricultural land situated at Village Kadipur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Agricultural land Mg. 12 Bighas out of Khasra Nos. 1061
(4-16) 1062 (4-16) and 1070 and 1070 (2-06) out Khata/
Khatauni No. 66 at Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II, 9-81 /5451.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Kadipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

.....on September 1981
(1) Shri Har Lal s/o Bhuru
R/o Village P.O. Mukhmeipur, Delhi.
(Transferor)
(2) Shri S. N. Chaudhary s/o J. N. Chaudhary
R/o B-9/22 Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 7 Bighas 14 Biswas out of Kh. Nos. 1065 2-15) and 1066 4-19) out of Khata/Khatauni No. 80 at Village Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Piarey s/o Bhuru
Ran Singh s/o Mangtu
R/o Village P.O. Mukhmalpur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Prem Chaudhry w/o J. N. Chaudhry
R/o B-9/22, Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.U.SR-II/9-81(/5452.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Kadipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Me. 11 Bighas 12 Biswas out of Khasra No. 1063(2-16), 1068(4-16) and 10752(00) out of Khata Khatauni No. 33/1 at Village Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICIAL OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II 9-81/5490—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Agricultural land situated at Village Siraspur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Sardar Singh and Siri Lal
Sons of Nand Lal
R/o Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Arun Kumar Gupta s/o Shri Mauji Ram
47-A, Kamla Nagar, Delhi
2. Gaury Ram s/o Purnap Singh
T-567, Gaulan Puri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land 555 sq. yards out of Khasra No. 572
Village Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi, New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Date : 14-5-1982

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5494.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Siras Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Sardar Singh and Siri Lal
Sons of Shri Nand Lal
R/o Village Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bashasher Lal Jain
S/o Surjit Singh Jain
R/o 2206/169 Tri Nagar, Delhi,
Sunshil Kumar Jain s/o Gulab Jain
R/o 2A/30 Geeta Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 355 sq. yards out of Khasra No. 573 Village Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi, New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-II 9-81 /5491.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Siras Pur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) S/Shri Sardar Singh and Siri Lal
Sons of Shri Nan' Lal
R/o Village Siras Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Km. Shawani Gupta (m)
d/o Krishan Chander Gupta
R/o 20/19, Shakti Nagar, Delhi
Through their natural Guardian and mother
Smt. Kusum Lata.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 555 sq yards out of Kh No. 572
Village Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—
37—106 GI/82

Date : 14-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, JP ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR II/9-81/5772.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Libaspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

(1) Shri Ashwani Sharma s/o Harbans Lal
R/o Village Samepur, Delhi
Through his GA Manohar Singh
Son of Shri Deep Chand
R/o Libaspur, Delhi.

(2) New Durex Industries
At Gali No. 3 Village Samepur Delhi
Through its partner
Shri Pran Nath son of Shri Jagat Ram

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Mg. 13½ Biswas (666 sq. yards) cut of Kh. No. 27/25 Village Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date : 14-5-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Chuni Lal Verma
S/o Shri Sain Dass Masnwan
H. No. 2174, Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kirpan Bahadur and his wife
Gurbachan Kaur of Beedanpura,
Gali No. 13, K.B., New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P.ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5472.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 2174 on plot No. B-113 situated at Rani Bagh, Shakur Basti, Gali Police Chowki, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 2174 on plot No. B-113, Rani Bagh, Shakur Basti, Gali Police Chowki, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Sri Rama Kant P. Bhat & Smt. Pratma P. Bhat
R/o N-100, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Hardyal Deogar and Smt. Krishna Deogar
R/o C-141, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. STATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 17th May 1982

Ref No. IAC/Acq I/SR-JII/9-81/998.—Whereas, I,
S R GUPTA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No N-100, situated at Greater Kailash I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at . . . on September 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Built property No. 100 Block-N, Greater Kailash-I, New Delhi Area 300 sq yards

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, namely :—

Date 17-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P.ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5580.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Libas Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer aton September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Tek Chand and Behari Sons of Chatru V.P.O. Libas Pur, Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Rekha Anand W/o D. Madan Mohan Anand and Master Arun Anand s/o Shri Madan Mohan Anand R/o 16, Cottage, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas, 16 Biswas, situated in the revenue estate of village Libas Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi /New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5653.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri land situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bharat Singh, Amar Singh, Dharam Singh S/o Sohan Lal Bharto, Shikho, Pyari D/o Sohan Lal, Sham Devi D/o Dalip Singh R/o Vill. Holambi Khurad, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Lal S/o Shri Ram Chand R/o 17/2, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 16 Bighas 2 Biswas Vill. Holambi Kalan, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 14-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Usha Gupta D/o Sh. Shadi Lal
R/o 156 Part II, Gujranwala Town, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Phool Singh Dhima S/o Sh. Ladhu Ram
Dhima, F.14.51, Model Town, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5522.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Village Burari, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 19 Bighas, Village Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ram Kishan S/o Sh. Sheo Singh, Vill. Ghewra, Delhi.
(Transferee)
- (2) Man Mohan Dass S/o Sh. Ram Das
14/32, Panjabi Bagh, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/9-81]5693.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Cillage Ghewra, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at _____ on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bigha 15 Biswas. Village Ghewra, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jai Lal S/o Sh. Sher Singh Vill. Ghewra,
Delhi. (Transferor)

(2) Man Mohan Dass S/o Sh. Ram Dass
14/32, Panjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5694.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Village Ghewra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at _____ on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bigha 11 Biswas, Village Ghewra, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—106 GI/82

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Roshan Lal S/o Shri Bishan Singh Najaf Garh,
Delhi State.
(Transferor)

(2) Father Anthony S/o Sh. Veiky Thai Permil Rector
Don Dose, I. Institute, Okhla Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref No. IAC/Acq.II/SR.II/9-81/5746.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agri. land situated at Village Najaf Garh, Delhi State
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at _____ on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 16 Biswas, village Najaf Garh,
Delhi State.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Sh. Saradar Singh S/o Sh. Gokal Sukhbir Singh S/o Sh. Dhig Ram, V.P.O. Palam, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Jai Chand S/o Sh. Ganpat V.P.O. Sahibabad, Mohd. Pur, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5345.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Village, Palam, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Area 16½ Biswas of Village Palam, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-II/9-81/5555.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ₹1000/- Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the nondisclosure of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Death-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Attar Singh, Kartar Singh, Daryao Singh sons of Dharme, Rejender Singh s/o Sardar Singh, Mukhtiar Singh, Nafe Singh sons of Data Ram all r/o Sirsa Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Lal s/o Mathura Prasad R/o B-175 Shastri Ng. Delhi 52 and Girdhar Dass s/o Baru Singh R/o A-465, Shastri Ng. Delhi-52

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Mr. 2 Bighas 10 Biswas Vill. Siraspur, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Om Prakash and Nandu themselves and as Regd. G.A. Shd. Jahano, Smt. Natho, Smt. Chander Pati of Vill. Burari, Delhi
(Transferor)
- (2) Sh Mahabir & Nathu Ram R/o Vill. Burari Oehli
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
C-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5667.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing No. No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at _____ on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land, 4 Bighas 16 Biswas Kh. No. 118/24, Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Shadi Ram Devi Singh & Cachhy sons of Ranjit
R/o VPO Siraspur, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Harjot Motors through its partner Sh. Harjeet
Singh Bajaj R/o R/o Road No. 14 Punjabi Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SH-II/9-81/5702.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 1216 sq. yds I bigha 4-1/3 Biswas out of Kh. No. 155 of Vill. Siraspur, Delhi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Sent :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Shadi Ram Devi Singh, Lachmy Sons of Ranjit
Vill. Siras pur, Delhi
(Transferor)
- (2) A. K. S. Enterprises, 132 Vir Nagar Jain Colony,
Delhi
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR,
CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI
New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5700.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1393 sq. yds. i.e. 1 Bigha 8 Biswas of Kh. No. 155 of Vill. Siraspur, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Om Prakash and Raghbir Singh s/o Devi Dass and Janki Dass s/o Kuria R/o Vill. Siraspur, Delhi

(Transferor)

(2) Shri S. S. Chiba s/o R. S. Chiba R/o B-14, Shakti Nagar and Smt. Raisa Begum w/o Shabir Ahmed R/o 1407, Billi Maran, Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5530.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at..... on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land. Mg. 10 Biswas Vill. Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING.
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acst.II/SR-II/9-81/5529.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Saraspur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Om Prakash and Raghbir Singh s/o Devi Dass and Janki Dass s/o Kuria R/o VIII. Saraspur, Delhi

(Transferor)

(2) Sant. Saroj Singh w/o H. C. Singh R/o 390 Municipal Colony, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mr. 10 Biswas Vill. Saraspur, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
39-106 GL/8

Date : 18-5-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/9-81/5528.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Om Prakash and Raghbir Singh s/o Devi Dass and Janki Dass s/o Kuria R/o Vill. Siraspur, Delhi
(Transferor)
- (2) Shri Rakesh s/o Kailash Chand R/o C-126 Shakti Nagar Ext. Delhi 52
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land 10 Biswas Vill. Siraspur, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Lachhman s/o Hari Singh r/o Vill. Siraspur, Delhi.
(Transfer)
- (2) Shri Trilok Nath Punj son of Harbans Lal Sharma r/o 4424, Jai Mata Market, Tri Nagar, Delhi-35
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/9-82/5559.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Sept. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land mg. 555 sq. yds. out of Kh. No. 637 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lachhman s/o Hari Singh r/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kapoor Chand son of Paryarelal r/o 39/15, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
New Delhi, the 18th May 1982

I. P. ESTATE, NEW DELHI

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5565.—Whereas I,

NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Delhi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land mg. 555 sq. yds. out of Kh. No. 575 VIII. Siraspur, Dehi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New D

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) S/Shri Shadi Ram Devi Singh and Lachhy
S/o Shri Ranjit,
all r/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Kohli Auto Agency,
1238 Bara Bazar, Kashmere Gate Delhi,
through its partner Sh. Gurbir Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5701.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agri. land situated at Vill. ~~Singh~~ star, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
one per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Lang mg. 1412 sq. yds. i.e. 1 Bigha 8 $\frac{1}{2}$ Biswas out of
Kh. No. 155 Vill. Siras Pur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Lachhman
S/o Shri Hari Singh
R/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Wati
W/o Shri Subhash Chand
R/o 2685, Second Floor,
Naya Bazar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5558.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arises from the transferee; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land mg. Sq. yds. out of Kh. No. 585, i village Siraspur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 18-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Lachhman
S/o Shri Hari Singh
R/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Gupta
W/o

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/9-81/5561.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land Mg. 555 sq. vds. out of Kh. No. 638 Vill. Siraspur, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5568.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surender Singh
S/o Shri Rasal Singh
R/o Sahibabad Daulat Pur,
Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rami Devi
W/o Shri Gokal Chand
R/o 12-E, Kamla Nagar,
Delhi.

(Transfreee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Mg. 3 Bighas 3 Biswas min. Mintzumale land 4 Bighas 16 Biswas, Mundarze Mustatil No. 37 Kila No 11 Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OFF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-91/5569.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40—106 G1/82

(1) Shri Surender Singh
3/o Shri Rasal Singh
R/o Sahibabad Daulat Pur,
Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Goel
W/o Shri Ram Avtar
R/o 12-E, Kamla Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 7 Bighas 12 Biswas Land Mg. 3 Bighas 4 Biswas Munderaze Mustail Kh. No. 37/12 & land Mg. 4 Bighas 8 Biswas Munderaze Mustail No. 37 Kila No. 9 Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi-New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5570.—Whereas, I,
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—(1) Shri Surender Singh
S/o Shri Rasal Singh
R/o Sahibabad Daulat Pur,
Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Goel
W/o Shri Brij Mohan Goel
R/o 12-E Kamla Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land 4 Bighas 13 Biswas Munderaze Mustail No. 37
Kila No. 20, 3 Bighas 13 Min. East Mizumale 6 Bigha 10
Biswas Land mg. 1 min. East Mizumale 4 Bigha 1 Biswas
Munderaze Mustatil No. 37 Kila No. 21 at Vill. Sahibabad
Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 18-5-1982
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Surender Singh
S/o Shri Rasal Singh
R/o Sahibabad Daulat Pur,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Ram Avtar
S/o Shri Gokal Chand
R/o 12-L, Kamla Nagar,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-JI/9-81/5571.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 3 Bigha 4 Biswas Manbumale 4 Bighas 11 Biswas Munderaze Mustatl No. 37 Kila No. 10 min. East Vill. Sahibabad Daulat Pur State, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 18-5-1982
Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Surender Singh
S/o Shri Risal Singh
R/o Sahibabad Daulat Pur,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan Goel
S/o Shri Gokal Chand
R/o 12-E, Kamla Nagar,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5572.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in question exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 5 Bigha 18 Biswas Haswae land Mg. 2 Bigha 17 Biswas min. West Munzumale land 6 Bighas 10 Biswa, Munderaze Mustatil No. 37 Kila No. 20, Land mg. 3 Bigha at Sahibabad Daulat Pur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Mouji Ram & Harphool Singh
 S/o Shri Net Ram and
 Shri Khan Singh
 S/o Shri Kauha
 R/o Vill. & PO Badli,
 Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Techand Systems,
 H-75, Rd. No. 45, Punjabi Bagh,
 New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
 NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5639.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Rithala, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of. —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas Vill. Rithala, Delhi.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5527.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Ghewra, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on September, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ~

(1) S/Shri Kali Ram, Surat Singh
S/o Sarjan Chander Bhan,
Shri Suraj Bhan
S/o Shri Munshi Ram,
Smt. Sukh Devi
Wd/o Shri Munshi Ram
R/o Vill. Ghewra, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Sham Sunder, Ghan Shyam Dass
S/o Shri Jesa Ram,
Shri Satish Kumar
S/o Shri Laxman,
Shri Ram Parkash
S/o Shri Khan Chand and
Shri Mehar Singh
R/o Punjabi Basti, Nangloi,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agri. land & Mg. 7 Bighas 15 Biswas Vill. Ghewra, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5521.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Taj Pur Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Paras Ram
S/o Shri Khajan
R/o Vill. Roshan Pura,
N. Garh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bal Kishan Julka
S/o Shri Roshan Lal Julka
R/o D-53, Krishna Park,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bigha 7 Biswas Vill. Taj Pur Khurd, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/8353.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-40 situated at Rajouri Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hari Krishan Dass
So Shri Guru Man Mohan Dass,
R/o A-40, Rajouri Garden,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harjit Singh Kalsi
S/o Shri Bin Singh Kalsi
R/o J-6/147 Rajouri Garden,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

H. No. A-40, Rajouri Garden, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I.9-81/8403.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-20 situated at G.T. Karnal Road Indl. Area, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
41—106 GI/82

(1) Shri Fazal Ahmed S/o Shri Noor Ilahi, Shri Nisar Ahmed and Shri Mumtaz Ahmed Sons of Shri Fazal Ahmed, R/o 740 Sheesh Mahal, Azad Market, Delhi partners of M/s. S.F. Ahmed and Sons.
(Transferor)

(2) Shri Dev Raj Jain S/o Shri Ruldu Ram Jain, Shri Suresh Chand Grover S/o Shri C. L. Grover and Smt. Sheela Rani W/o Shri Chaman Lal Grover R/o 27/19, East Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

75/100 share of M/s. S.F. Ahmed & Sons, A/20, G.T. Karnal Road Indl. Area, Delhi bearing plot No. A-20 G. T. Karnal Road Indl. Area, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

G.M. HNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
GROUND FLOOR-CR BUILDING,
L.P. I STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982.

Ref. No. 04/AC/Acq-II/SR-II/8-81/5618.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, during fair market value of Rs. 25000/- (and bearing

No. A.R.I. land situated at Vill. Rithala, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrar of Office at

Vill. Rithala, Delhi,

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri Hari Ram, Shri Mohan Singh and Shri Dharam Singh S/o Shri Amar Singh and Smt. Ram Wati W/o Shri Reetan Singh R/o Vill. Rithala, Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Madan Lal S/o Shri Ladhoo Ram and Baghirath S/o Shri Deth Raj R/o 7/0A Rishi Nagar, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any property, or other assets which have not been, or which ought to be disclosed, by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Acre Land: M.G., 9, Bigha, Vill. Rithala, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-II/981/5752.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Vill. Burari, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is not correctly set out the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shanti Swarup S/o Shri Shiv Dayal R/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

Shri Rajendra Kumar, S/o Shri Sheo Prasad Ram, Sector Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of this notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. Land/Mgt. 19 Biswas/vide Klt. No. 476, Vill. Burari, Delhi State, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Laxmi Narain Sharma S/o Ramji Lal R/o A-229, Shashtri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Narain Gupta S/o Shri Gur Dayal Gupta 23K, J.J. Colony, Wazir Pur, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI
New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-II/9-81/5728.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siras Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 12 Biswas (600 Sq. yds. out of Khasra No. 215 at Vill. Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Rama Nand and Shri Roop Chand S/o Shri Budha R/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ishwar Singh S/o Shri Soorat Singh R/o B-1447/1, Shastri Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5725.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 69B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule (annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi on Sept. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Biswas and 16 Biswas Kh. No. 32 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Narain S/o Shri Maroo of Vill. Zatikra, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
G-13¹ GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5775.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Zatikra, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed to the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The words and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 10 Bighas 16 Biswas Vill. Zatikra, Delhi Rect. 27 Kh. No. 4, 5, 7.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SKII/9-81/3625.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
on Sept. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Bhagwan Pal S/o Shri Vishnu Dutt R/o RPO Chhap rola, Distt. Ghaziabad, UP.
(Transferor)

(2) Smt. Sat. Wati, W/o Shri Surinder Suri, Smt. Rajwati W/o Shri Virender Singh Both R/o 1619/11, Navlakha Shahdara, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 19 Biswas, Kh. No. 268 (New) 875 (old)
of Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date, 18-5-1982
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kehar Singh S/o Shri Ramji Lal R/o Kh. No. 487, Vill. P.O. Peera Garhi, Delhi.
(Transferor)

(2) Prakash Tubes Ltd. 56-B Rama Road, Najafgarh Road, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-JI/9-81/5526.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 325 sq. yds. Kh. No. 487 situated at Vill. Peera Garhi, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House built on an area 325 sq. yds. (appx.) in abadi deh bearing Khasra No. 487 in Vill. Peera Garhi, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jai Singh S/o Shri Frithi E/o Vill. Sahibabad
Daulat Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Kumaram S/o Shri K. C. Gupta P/o
40/1, Shakti Nagar, Delhi, Sanjeev Kanwal S/o
Shri K. C. Gupta R/o 45 Viveka Nand Puri Sar
Pehilla, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5531.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 18 Biswas bearing Khasra No. 156, Vill. Sahibabad Daulatpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
42—106 GI/82

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sardar Singh and Sri Lal sons of Nand Lal r/o Siras Pur, Delhi.

(Transferee)

(2) Jain Industrial Corporation at Gali No. 8 Same Pur, Delhi through its partners Suresh Kumar Jain s/o Shri E. C. Jain.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5493.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siras Pur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 555 sq. yds. out of Khasra No. 573 Vill. Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5753.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Libas Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Mohan Lal s/o Net Ram, Birbal Singh s/o Dhigha Ram r/o VPO Samepur, Delhi, n
(Transferee)

(2) Shrimati Neelam Devi w/o Pawan Kumar R/o 20 A & 21, Anand Parbat Indl. Area, New Delhi.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1060 Sq. yds. Kh. No. 29/1 of Vill. Libas Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC.Acq.II/SR-II/9-81/5488.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siras Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at in September 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(1) Sardar Singh and Siri Lal sons of Nand Lal r/o Vill. Siraspur, Delhi.
(Transferee)

(2) Sumitra Gupta (m) through her guardian Shri Ramesh Gupta r/o 3969, Naya Bazar, Delhi.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land Mg. 555 sq. yds. Khasra No. 637, Vill. Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 13-5-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kaushi Ram s/o Singh Ram R/o Vill. Nawada,
Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC Acq.II/SR-II/9-81 5554.—Whereas J. NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Nawada, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1981. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri land Mg. 20 Biswas Vill. Nawada, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax)
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mohan Lal s/o Net Ram, Birbal Singh s/on Dhigha Ram R/o VPO Samepur, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Satya Vart Agg. s/o Panna Lal Age R/o Supreme Plastic Pvt. Ltd. 6/13, Indl. Area Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5754.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Libaspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 106 Sq. yds. Kh. No. 29/1 of Vill. Libaspur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ishwar Singh s/o Suraj Mall, Kisan s/o Marry both R/o Vill. & P.O. Banker, Delhi-40.
(Transferor)
(2) Shri Jit Ram and Pale Ram son of Harmey Ram R/o Vill. & P.O. Banker, Delhi-40.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5745.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Bankner, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/5 share of total land measuring 64 Bighas 05 Biswas out of Kh. Nos. 6/5, 6, 15, 16, 25, 37/9/4, 63/1, 10, 11, 20, 64/1, 5, 6, 15, and 64/16 at Vill. Bankner, Delhi-40.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 18-5-1982
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sunder Singh s/o Ratal Singh R/o Sahibabad Daulat Pur, Delhi 42.
(Transferor)

(2) Shri Kishan Gupta s/o L. Sh. Suraj Mal Aggarwal r/o 22 F Banglo Road, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5743.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Sahibabad Daulat Pur, Delhi-42, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 1/3 share of total land 12 Bighas 5 Biswas bearing Kh. No. 38/5, 4 Bigha 8 Biswas 38/6 min. west 2 Bigha 8 Biswas 3815 min. west 2-8 38/16 min west 2-8 & 25 west side 1 Bigha Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi-42.

NARINDAR SINGH
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FCRM ITNS

(1) Shri Pjendro Pal Singh s/o Ramji Lal Ajay Pal Singh s/o Khan Singh R/o Kichha Distt. Nainital.
(Transferor)

(2) Shri Sanjay Singh, Dev Kumar, Vijay Kumar s/o Om Parkash (Guardian) R/o Sahibabad Daulat Pur, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) IN THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

**'ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI**

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5730. - Whereas I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 75,000/- and bearing

No Avri land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as fore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas & 8 Biswa bearing Kh. No. 34/21, 35/16 and 25 on west side half share of total land 6 Bigha 16 Biswas Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—106 GI/82

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81 /5729.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ajay Pal Singh s/o Kahan Singh Rajender Pal son of Ramji Lal r/o Vill. Kichha, Distt. Nainital.
(Transferor)

(2) Shri Naresh Rana, Raj Karan, Hawa Singh Rana and Shri Pal Rana sons of Dharam Pal Rana r/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas and 8 Biswas bearing Kh. Nos. 34/21, 35/16, and 25 on the Eastern side at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II-SR-II/9-81/5705.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Matiala, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sheo Chand, Raghu Nath, Nandroop, Chhote Lal, Khazan Singh sons of Naney R/o Vill. Matiala, Delhi Mam Kaur d/o Nancy through her Gen. Att. Khazan Singh.
(Transferor)
- (2) Shri Dharam Singh s/o Jai Lal and Tika Ram s/o Shri Chhattar Singh R/o Naya Bazar, Najafgarh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 16 Biswas bearing part of Mustatil No. 18, Killa No. 9 Vill. Matiala, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 17-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5704.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Agri. land situated at Vill. Samepur, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
in September 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets, which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :

(1) Shri Ramesh Kumar s/o Hari Chand Bassi R/o
11-F, Kamla Nagar, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar, Vijay Kumar, Sunil Kumar sons
of Pran Nath Sibbal and Smt. Ved Rani w/o Pran
Nath Sibbal all r/o 25/62 Punjabi Bagh, New
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha, Kh. No./Rectangle Nos. 33
Killa No. 8/2, 9, 12, 13/2 of Vill. Samepur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Krishna Kumari d/o Narina Singh R/o Dichaun Kalan, Delhi State, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Jagat Ram s/o Siya Ram R/o as above.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5556.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Dichaun Kalan, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
in September 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 9 Bighas 12 Biswas Vill. Dichaun Kalan,
Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Rama Nand s/o Sis Ram R/o Vill. Holambi Khurd, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P.ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5739.—Whereas 1,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
in September 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 15 Bhakt. & 9 Biswas Kh. Nos. 25/14/2 (16), 25/15/2(1-1), 25/16(4-16), 25/17/1(1-8), 26/11/2 (1-3), 20(6-5) Vill. Holambi Khurd, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM NO. LT.N.S.—

(1) Shri Partap Singh s/o Bhagwan Singh and Amar Singh, Charan Singh etc. Tikri Kalan, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Yash Pal s/o Bedo Ram and Ramji Dass s/o Palo Ram, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9.81/5720.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at in September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agri. land 1/4th share of land Mg. 7 Bigha 1 Biswas Vill. Tikri Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI**

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5719.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agri land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
on September 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) Shri Partap Singh, Charan Singh, Raj Pal, Anar
Singh Om Wati etc. Vill. Tikri Kalan, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ramji Dass s/o Polo Ram R/o F-11 Naraina
Vihar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land 1/4th share of land Mg. 7 Bigha 8 Biswas Vill.
Tikri Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Om Parkash and Iidejit sons of Mathura R/o Vill. Alipur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asa Ram Kukand Lala R/o 5583 Lahori Gate, Naya Bazar, Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5624.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Bakoli, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land 8 Bighas 7 Biswas Vill. Bakoli, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
44—106 GT/82

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Bharat Sri, Raghbir Sri sons of Rati Ram
R/o VPO Siraspur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Surinderjit Walia w/o Sardar Satmukh Sri
R/o O-12 Model Town, Delhi
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5647.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha 7, 1/2 Biswas of Vill. Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Lachhman S/o Shri Hari Singh R/o Village
Siras Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar Gupta S/o Shri
r/o 3969, Naya Bazar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5562.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act)) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Village Siras Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 555 sq. yds. out of Khasra No. 638, Village Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Lachman s/o Shri Hari Singh R/o Village Siras Pur, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Bindu Devi Gupta and Shri Anil Gupta w/o Shri O. P. Gupta r/o E-129, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI**

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5563.—Whereas I,

NARENDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Plot of land situated at Village Siraspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi in September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 557 sq. yds out of Khasra No. 571, Village Siraspur, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Lachhman s/o Hari Singh r/o Village Siraspur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-II/9-81-5560.—Whereas I, NARENDAR SINGH 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Village Siraspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi in September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid is less than the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 555 sq. yds. out of Khasra No. 637, Village Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5731.—Whereas I,
NARENDAR SINGH
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi-42.
 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi in September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sunder Singh S/o Rasal Singh r/o Sahibabad Daulat Pur, Delhi-42.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Bhushan Gupta s/o Hari Chand Gupta r/o G3/1, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1/3 share of total land 12 Bigha 5 biswas bearing Khasra No 38/5 4-1, 38/6 min west 2-8, 38/15 min west 2-8 & 2⁵ West side 1 Bigha village Sahibabad Daulat Pur, Delhi-42.

NARENDAR SINGH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1982
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tilak Ram S/o Ram Chander R/o Village
Burari, Delhi
(Transferor)

(2) Smt. Ranuka Raj Kumar W/o Shri Raj Kumar r/o
19, Jalpuria Building, Kamla Nagar, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5465 - Whereas I,
NARENDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No Plot of land situated at Vill. Burari, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed here to),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the office of the Registering Officer at
in September 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 14 Biswas, 1/6th share of Khasra
No. 474(4-4) Village Burari, Delhi

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Mange, Jai Bhagwan, Subash Kumar and Ashok
s/o Shri Desa r/o Village Burari Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sanwar Mal Aggarwal, s/o Late Shri Rekhraj Agarwal Shri Shambhu Dayal Agarwal s/o Rameshwar Lal Agarwala, Kailash Prasad Agarwala s/o Sibdutt Ray Agarwala and Bijay Kumar Agarwala s/o Sib Dutt Ray Agarwala 571, Iahori Gate, Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5548.—Whereas I,
NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Burari Village, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi in September 1981
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land (0-15) Biswas, vide Khasta No. 714/2, area of village Burari, Delhi Agra, land.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mange Lal Bhagwan, Subash and Ashok sons
of Shri Desai Kunwar 1/o Village Burari, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Hanuman Prasad Aggarwal s/o Shri Ramesh
wai Dass Aggarwal
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
G-1, GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II SR-II 9-81/5547 —Whereas I
NARENDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and being a
No. Plot of land situated at Village Burari, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the office of the Registering Officer at
in Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceed the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or an
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income Tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Land measuring (0-15) acre Khasia No. 714/2 area of
Vill. Burari Delhi

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—
45—106 GI 82

Date 15/5/1982
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Lachhman s/o Shri Hari Singh r/o Village
Siras Pur, Delhi.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Maya Devi Gupta w/o Shri Ram Gopal Gupta
r/o 25/103B Shakti Nagar, Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI**

New Delhi, the 14th May 1982

Ref. No. IAC Acq-II SR II/9-81/5564—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Plot of land situated at Vill. Siras Pur, Delhi.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1927) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1557);

THE SCHEDULE

Land measuring 555 sq. yds. of Khasia No. 571, Village
Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Lachman s/o Shri Hari Singh R/o Vill
Saras Pur Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
C, 13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi the 14th May 1982

Ref. No. IAC Acq II/SR II/81/567—Whereas I
NARENDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and being

No Plot of Land situated at Vill Saras Pur Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 557 sq. yds out of Khista No. 5/5 Village Saras Pur Delhi

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II, Delhi, New Delhi

Date 14.5.1982
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

FORM ITNS — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) J. N. Kapur, Hon. Secy. S.B.I. New Delhi Staff Co-operative Housing Society Ltd., New Delhi, (Transferor)

(2) C. P. Birmani J-6/118, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5751.—Whereas I, NARENDAR SINGH being the competent authority under Section 268B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-6 118 situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or amount of moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. J-6/118, Rajouri Garden, New Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 30th April 1982

Ref. No. A.P. No. 3125.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Amar Kaur alias Rachna Gohal
D/o Shri Lasman Singh,
G.A. of Smt. Har Kaur
Wd/o Shri Lasman Singh,
1/o 289 Lajpat Rai Nagar,
Jalandhar. (Transferor)
- (2) Steel Co. Industries,
Nakodar Road, Jalandhar
through Sh. Rakesh Chander. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
1. Shri S. Jaginder Singh, 2. Shri N. C. Nanda,
3. Shri Jawant Rai, 4. Shri Gulzari Mal,
5. Shri Kishori Lal & 6. Shri Harnam Singh.
R/o W.G. 591, Nakodar Road, Jalandhar.
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of property No. W.G. 591 situated at Nakodar Road, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4182 of September, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 30-4-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—